माघ कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी
विक्रम संवत 2080

कानपुर
शुक्रवार, 9 फरवरी 2024
वर्ष 2, अंक 169, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 5 रुपये

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

जर्मनी में गिरा क्षुद्रग्रह, पृथ्वी से संबंधित मिलेगी जानकारी 16

झलक दिखला जा में शाहिद ने की अद्रिजा की तारीफ 15

रिजर्व बैंक ने छठी बार रेपो दर को 6.5 % पर बरकरार रखा

नई दिल्ली, एजेंसी

मिलेगी राहत

- मकान, वाहन समेत विभिन्न कर्ज की नहीं बढ़ेंगी मासिक किश्तें
- केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक नीति की समीक्षा बैठक में लिया फैसला

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने लगातार छठी बार नीतिगत दर रेपो को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा। रेपो वह ब्याज दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने का मतलब है कि मकान, वाहन समेत विभिन्न कर्जों पर मासिक किस्त (ईएमआई) में बदलाव की संभावना कम है। आरबीआई को खुदरा मुद्रास्फीति दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है। रिजर्व बैंक ने फरवरी, 2023 में रेपो दर को बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत किया था। केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक नीति की तीन दिन की समीक्षा बैठक के बाद यह फैसला लिया।

केंद्र की विफलताओं पर कांग्रेस का ब्लैक पेपर, मोदी ने बताया काला टीका

नई दिल्ली, एजेंसी

- विपक्षी दल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि देश की समृद्धि को नजर से बचाने को यह जरूरी
- प्रधानमंत्री ने डॉ. मनमोहन सिंह के योगदान को बताया लोकतंत्र के लिए एक प्रेरक उदाहरण
- कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने महंगाई बेरोजगारी, किसानों की दुर्दशा आदि मुद्दों पर सरकार को घेरा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सराहना करते हुए उन्हें 'प्रेरक उदाहरण' बताया और कहा कि जब भी लोकतंत्र की चर्चा होगी तो उनके योगदान को याद किया जाएगा। राज्यसभा से सेवानिवृत्त हो रहे सदस्यों की विदाई के मौके पर उच्च सदन में उन्होंने कांग्रेस की ओर से केंद्र सरकार के खिलाफ 'ब्लैक पेपर' जारी किए जाने का स्वागत भी किया और विपक्षी पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि देश की समृद्धि को नजर ना

लगे, इसके लिए 'काला टीका' बहुत जरूरी होता है।

प्रधानमंत्री ने शारीरिक अस्वस्थता के बावजूद सदन की कार्यवाही में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मनमोहन सिंह की सराहना की और उनके दीर्घायु होने की भी कामना की। मनमोहन सिंह सहित उच्च सदन के 68 सदस्य फरवरी से मई महीने के बीच सेवानिवृत्त हो रहे हैं। मोदी ने कहा कि जब भी हमारे लोकतंत्र की चर्चा होगी... कुछ सदस्यों की जो चर्चा होगी, उसमें डॉ. मनमोहन सिंह की चर्चा जरूर होगी। एक घटना को याद करते हुए कहा कि सभी को पता था कि विजय सत्ताधारी पक्ष की होने वाली है लेकिन डॉक्टर मनमोहन सिंह व्हीलचेयर में आए और मतदान किया। एक सांसद अपने दायित्व के लिए कितना सजग है, इसका वो उदाहरण थे। समिति या समिति के सदस्यों के चुनाव में भी वह व्हीलचेयर पर वोट देने आए। सवाल ये नहीं है कि वह किसको ताकत देने के लिए आए थे... मैं मानता हूं वो लोकतंत्र को ताकत देने आए थे। प्रधानमंत्री के संबोधन से कुछ देर पहले ही कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ 'ब्लैक पेपर' जारी किया, जिसमें महंगाई, बेरोजगारी, सामाजिक न्याय, किसान और कई अन्य विषयों पर सरकार की 'विफलताओं' का उल्लेख किया गया है। मोदी ने उनकी सरकार के खिलाफ 'ब्लैक पेपर' लाने के लिए खरगे को धन्यवाद दिया और अपनी सरकार द्वारा किए जा रहे अच्छों कामों के बीच इसे नजर न लगे जाए इसलिए उसे 'काला टीका' कहा।

वित्तमंत्री ने लोकसभा में अर्थव्यवस्था पर रखा श्वेतपत्र

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोकसभा में भारतीय अर्थव्यवस्था पर श्वेत पत्र रखा। संसद में इस पर चर्चा इसी सत्र में कराई जाएगी। वित्त मंत्री ने अपराह्न सदन की कार्यवाही के दौरान सदन पटल पर यह श्वेत पत्र रखा। सीतारमण ने एक फरवरी को अंतरिम बजट पेश करते हुए श्वेत पत्र लाने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि श्वेत पत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2014 से 2024 राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार और इससे पहले 2004 से 2014 के बीच की तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन के दौरान अर्थव्यवस्था का तुलनात्मक चिट्ठा प्रस्तुत किया जाएगा।

एक नजर

राहुल बोले-प्रधानमंत्री मोदी जन्मजात ओबीसी नहीं

झारसुगुडा (ओडिशा)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्म अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से ताल्लुक रखने वाले परिवार में नहीं हुआ और वह खुद को ओबीसी बताकर लोगों को 'गुमराह' कर रहे हैं। राहुल ने ओडिशा में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के अंतिम दिन कहा कि मोदी का जन्म ऐसे परिवार में हुआ जो सामान्य जाति की श्रेणी में आता है। मोदी जी का जन्म घांची जाति के परिवार में हुआ था, जिसे 2000 में गुजरात में भारतीय जनता पार्टी सरकार के कार्यकाल के दौरान ओबीसी सूची में शामिल किया गया।

दिल्ली में मेट्रो स्टेशन का हिस्सा ढहा, एक की मौत

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में पिंक लाइन पर गोकुलपुरी मेट्रो स्टेशन का एक हिस्सा गुरुवार को ढह गया जिससे 53 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने मृतक के परिजनों के लिए 25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की है। इस घटना में स्टेशन के प्लेटफॉर्म की दीवार (पूर्वी तरफ) का एक हिस्सा सड़क पर गिर गया और इस दौरान व्यक्ति अपने स्कूटर पर सवार था। पुलिस ने मृतक की पहचान पास के करावल नगर इलाके की शहीद भगत सिंह कॉलोनी के रहने वाले विनोद कुमार के रूप में की है। डीएमआरसी गंभीर रूप से घायलों को पांच लाख और मामूली रूप से घायलों को एक लाख रुपये की सहायता राशि देगी।

हल्द्वानी में बवाल, थाना फूंका, कर्फ्यू

- जिलाधिकारी ने दिए दंगाइयों को देखते ही गोली मारने के आदेश
- बनभूलपुरा के मलिक के बगीचे में नजूल भूमि पर अवैध निर्माण हटाने गई थी टीम
- पुलिस वाहन, सरकारी संपत्ति में लगाई आग

हालात काबू में करने को बुलाई गई सेना

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शहर के मुस्लिम बहुल बनभूलपुरा क्षेत्र के मलिक का बगीचा में नजूल भूमि पर बने मदरसा और मस्जिद ध्वस्त करने पर दंगा भड़क गया। उग्र भीड़ ने प्रशासन, नगर निगम टीम, पुलिस फोर्स और कवरेज कर रहे पत्रकारों पर पथराव व आगजनी कर दी। उग्र भीड़ ने बनभूलपुरा थाना फूंक दिया और दर्जनों बाइकों में आग लगा दी। अंधेरा होता ही फायरिंग और बमबाजी की घटनाएं भी सामने आई हैं। पथराव व आगजनी में 250 से ज्यादा पुलिसकर्मी, प्रशासनिक अधिकारी व लोग घायल हो गए। स्थिति पर नियंत्रण के लिए जिलाधिकारी ने दंगाइयों को देखते ही गोली मारने के आदेश दिए हैं। हालात पर काबू पाने के लिए देरशाम सेना भी बुला ली गई है। एहतियातन पूरे शहर में कर्फ्यू लगा दिया गया है।

गुरुवार की शाम नगर निगम, प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम मलिक के बगीचे में नजूल भूमि पर निर्मित मदरसा और मस्जिद ध्वस्त करने पहुंची। जैसे ही अवैध निर्माण को ध्वस्त करने के लिए जेसीबी और नगर निगम कर्मी पहुंचे वैसे ही उग्र भीड़ ने उसे चारों तरफ से घेर लिया, नारेबाजी और धक्कामुक्की शुरू कर दी। महिलाएं भी घरों से निकल आईं और रास्ते में ही बैठ कर दुआ करने लगीं। पुलिस ने भीड़ को समझाने की कोशिश की, लेकिन वे नहीं माने और बवाल शुरू कर दिया। भीड़ ने पुलिस की बैरिकेडिंग तोड़ दी। पुलिस ने भीड़ को शांत करने के लिए लाठियां फटकारी, लेकिन भीड़ बेकाबू हो गई। जैसे ही जेसीबी मदरसा व मस्जिद पर चलने लगी, चारों तरफ से पत्थरबाजी शुरू हो गई। पुलिस ने भीड़ को शांत करने के लिए कई राउंड आंसू गैस भी छोड़ी, लेकिन बवाल बढ़ता गया। जब तक आसपास के थानों से पुलिस फोर्स पहुंचती, तब तक हालात बेकाबू हो चुके थे।

शाम को हल्का अंधेरा होने पर उग्र भीड़ ने पुलिस की गाड़ियों, बाइकों और बैरिकेड्स को आग के हवाले कर दिया। उग्र भीड़ ने बनभूलपुरा थाना भी फूंका दिया। देर शाम तमंचों से फायरिंग और बमबाजी की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। पुलिस ने किसी तरह भीड़ के बीच फंसे प्रशासनिक अधिकारियों को वहां से सुरक्षित बाहर निकाला। खबर लिखे जाने तक देर शाम तक बवाल जारी था।

उपद्रवियों द्वारा की गई आगजनी के बाद हालात पर नियंत्रण पाने के लिए भारी संख्या में तैनात सुरक्षाबल। ● अमृत विचार

दंगाइयों द्वारा फूंकी गई बाइक।

> नगर निगम व प्रशासन की टीम बनभूलपुरा में मलिक का बगीचा में नजूल भूमि पर निर्मित अवैध मदरसा और मस्जिद ध्वस्त करने गई थी। इस बीच उग्र भीड़ ने पुलिस फोर्स, प्रशासन, नगर निगम की टीम पर हमला कर दिया। आगजनी भी की गई। देर रात तक हालात को काबू करने के लिए पुलिस फोर्स मौके पर डटी हुई है। **-प्रहलाद नारायण मीणा**, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, नैनीताल

मुख्यमंत्री धामी ने बुलाई आपात बैठक

हल्द्वानी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बनभूलपुरा दंगे को लेकर उच्चस्तरीय बैठक बुलाई और पूरे घटनाक्रम की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने गुरुवार शाम को अपने आवास पर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार तथा अन्य उच्चाधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए अराजकतत्वों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए। कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर क्षेत्र में शांति व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। स्पष्ट किया कि प्रदेश में किसी को भी कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने की छूट नहीं दी जानी चाहिए।

स्कूल वैन ट्रक में घुसी, 1 छात्र की मौत, 9 घायल

दुर्घटना में क्षतिग्रस्त स्कूल वैन।

कार्यालय संवाददाता, बिल्हौर/कानपुर

- बिल्हौर के अरौल थाना क्षेत्र में ग्राम सरैया के पास हुआ हादसा
- लोडर की टक्कर लगने से आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी वैन
- अस्पतालों में भर्ती कराए गए आठ बच्चे, दो की हालत नाजुक
- अपना दल कमेरावादी की राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्णा पटेल का है स्कूल

अमृत विचार : बिल्हौर के अरौल थाना क्षेत्र में गुरुवार दोपहर लोडर की टक्कर से आगे चल रही स्कूल वैन पीछे से ट्रक में घुस गई जिससे वैन के परखच्चे उड़ गए। एक छात्र (13) की मौत हो गई और आठ बच्चे घायल हो गए। वैन चालक भी घायल है। पांच घायल बच्चों को हैलट अस्पताल और तीन को निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है जिसमें दो की हालत गंभीर है। वैन चालक का इलाज बिल्हौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। स्कूल अपना दल कमेरावादी की राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्णा पटेल का है जो केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल की मां हैं। जिलाधिकारी और मेडिकल कॉलेज प्राचार्य की निगरानी में घायल बच्चों का इलाज किया जा रहा है।

गुरुवार दोपहर तीन बजे अरौल क्षेत्र स्थित डॉ सोनेलाल पटेल एजुकेशन सेंटर की छुट्टी हुई थी। 13 छात्र-छात्राओं से भरी एक स्कूल वैन चालक हरिओम कटियार लेकर जा रहा था। सरैया गांव के सामने कानपुर-अलीगढ़ हाईवे पर एक ट्रक धीमी गति से चल रहा था। तभी पीछे से आए लोडर ने स्कूल वैन में टक्कर मार दी जिससे वैन बेकाबू होकर आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। वैन की छत, दरवाजे के परखच्चे उड़ गए और वैन पिचक गई। सड़क पर घायल बच्चे, उनके बैग, बोतल और अन्य सामान बिखर गया। आस-पास के ग्रामीणों और राहगीरों ने बचाव कार्य शुरू किया। थोड़ी देर में पुलिस और एंबुलेंस भी पहुंची। घायलों को बिल्हौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। जहां अरौल के आकिन गांव के आलोक तिवारी के पुत्र यश तिवारी (13) की मौत हो गई। आकिन गांव के सूर्यांश त्रिपाठी, अरौल के अभिनंदन, कृतिका, अनिका कटियार व देवांश चौरसिया को हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। निष्ठा दीक्षित, समृद्धि को ज्यादा गंभीर होने पर सर्वोदय नगर और ऐश्वर्य को लखनपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही एसीपी अजय कुमार द्विवेदी व एसडीएम रश्मि लंबा घटनास्थल पर पहुंच गईं। कानपुर डीएम राकेश कुमार सिंह भी हैलट अस्पताल पहुंचे। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल संजय काला समेत पूरा स्टॉफ भी हैलट अस्पताल पहुंच गया और घायल बच्चों का इलाज शुरू किया गया।

उप्र. को बीमारू राज्य बनाना राजनीतिक मानसिकता थी : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- इंटरनेशनल ट्रेड शो के दूसरे संस्करण के कर्टेन रेजर कार्यक्रम में बोले योगी
- औद्योगिक आस्थानों और ओडीओपी सीएफसी के 13 प्रोजेक्ट की शुरुआत

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य बनाना एक राजनीतिक मानसिकता थी, जिसे खत्म करके हमने इसे देश की दूसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनाया है।

परंपरागत कारीगर, शिल्पकार और युवा उद्यमी जो पहले निराश था आज उसके चेहरे पर उत्साह दिखता है। ओडीओपी योजना आज आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला बन चुकी है।

ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लोकभवन में आयोजित इंटरनेशनल ट्रेड शो के द्वितीय संस्करण के कर्टेन रेजर सेरेमनी के आयोजन के दौरान कही। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने औद्योगिक आस्थानों और ओडीओपी सीएफसी की 13 परियोजनाओं की शुरुआत की। विभिन्न जिलों के परंपरागत हस्तशिल्पियों और कारीगरों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि उप्र. में बीते वर्ष ग्रेटर नोएडा में इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन हुआ था। फिर से 25 से 29 सितंबर के बीच ग्रेटर नोएडा में इंटरनेशनल ट्रेड शो के द्वितीय संस्करण का आयोजन होगा। कहा कि इंटरनेशनल ट्रेड शो में हमारी क्षमता को देखकर कोई उप्र. को कोई बीमार नहीं कहेगा।

19 को मोदी रखेंगे 10 लाख करोड़ के प्रोजेक्ट की आधारशिला : मुख्यमंत्री ने बताया कि 19 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी उप्र. के चतुर्थ ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी का शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर एक ही दिन में 10 लाख करोड़ की योजनाओं की आधारशिला रखी जाएगी। इससे 33 लाख नौजवानों को सीधे नौकरी मिलेगी। ये उद्योग जहां भी लगेंगे वहां सड़क बनेगी, बिजली मिलेगी, पेयजल की व्यवस्था होगी, नए रोजगार सृजित होंगे। आवासीय सुविधाएं भी विकसित होंगी।

जालंधर में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के 8 सदस्य गिरफ्तार

जालंधर। पंजाब के जालंधर में पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के आठ सदस्यों को गिरफ्तार कर तीन पिस्तौल, 10 कारतूस, चार मैगजीन, एक मोटरसाइकिल, दो स्कूटर बरामद किए हैं। पुलिस आयुक्त स्वपन शर्मा ने गुरुवार को कहा कि जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने जबरन वसूली, फिरौती, धमकी और अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के आठ बदमाशों को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है।

प्लास्टिक कचरे से पर्यावरण अनुकूल बनाई जाएंगी सीएम ग्रिड की सड़कें

एफडीआर तकनीक का इस्तेमाल, मुख्य और अधिशाषी अभियंता को प्रशिक्षण

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सीएम ग्रिड योजना के तहत शहर में बनाई जाने वाली पांच सड़कें सीमेंट-कंक्रीट या तारकोल से नहीं बनेंगी। इन सड़कों के निर्माण में प्लास्टिक वेस्ट के साथ ही एफडीआर तकनीक का उपयोग किया जाएगा। इसको लेकर नगर निगम के मुख्य अभियंता और अधिशाषी अभियंताओं के साथ ही यूरिडा से जुड़े पुराने अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया है।

मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्कीम (सीएम ग्रिड्स अर्बन योजना) के तहत शहर में 145.50 करोड़ से पांच सड़कों का निर्माण और सुंदरीकरण होना है। शासन ने योजना में निर्माण लागत की पहली किस्त जारी कर दी है। अर्बन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एजेंसी यूरिडा ने सीएम ग्रिड की सड़कों को लेकर सभी नगर निगमों के मुख्य अभियंता, अधिशाषी अभियंता तथा डीपीआर बनाने वाले तकनीकी अधिकारी को प्रशिक्षण दिलवाया है। सीएम ग्रिड की सड़कें यूरिडा अधिकारियों के दिशा-निर्देशन में ही बनेंगी।

निगम के पास है प्लास्टिक कचरे का बड़ा भंडार

नगर निगम के प्रवर्तन दल ने पिछले चार वर्षों में 2,45,426 किलो डिस्पोजल, पानी के गिलास और प्रतिबंधित प्लास्टिक से बना अन्य सामान जब्त किया है। जानकारी के मुताबिक रोज 10 टन प्रतिबंधित प्लास्टिक से बना सामान शहर या यहां से होकर दूसरे शहरों को जाता है। करीब पांच टन प्रतिबंधित प्लास्टिक से बना सामान अकेले शहर में खपाये जाने का अनुमान है। भाऊ सिंह डंप पर बड़ी मात्रा में प्लास्टिक कचरा जमा है, जिसका उपयोग सड़क बनाने में किया जा सकता है।

- यूरिडा अधिकारियों की दिशा-निर्देश में होगा काम पुराने अधिकारी भी होंगे तैनात

कचरे में निकलने वाली प्लास्टिक का सड़क निर्माण में उपयोग करने से सड़क मजबूत बनेगी। प्लास्टिक कचरे से बनी सड़क पानी भी कम सोखेगी। सीएम ग्रिड योजना से बनने वाली सड़कों में इस तकनीक का उपयोग करने के लिए कहा गया है। सीमेंट-कंक्रीट से बनी सड़क टूट जाती है, जबकि डामर ज्यादा गर्मी होने पर पिघलने लगता है और बारिश में उखड़ जाता है।

– शिवशरणप्पा जीएन, नगर आयुक्त

किफायती और मजबूत है एफडीआर तकनीक

एफडीआर यानी फुल डेप्थ रिक्लेमेशन तकनीक में पुरानी सड़क का उच्चीकरण करने के दौरान सड़क पर मौजूद गिट्टी समेत अन्य चीजों का ही इस्तेमाल किया जाता है। इस तकनीक से बनी सड़कें किफायती, मजबूत और पर्यावरण के अनुकूल रहती है। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार प्रशिक्षण में आधुनिक रोड तकनीक, एफडीआर टेक्नोलॉजी, प्लास्टिक वेस्ट का प्रयोग एवं सीजीबीएम सीमेंट ग्राउटेड मैकेडम की जानकारी दी गई है।

फाइल फोटो

इस तरह किया जाता है प्लास्टिक का उपयोग

प्लास्टिक के टुकड़ों को सड़क निर्माण में प्रयोग होने वाली गिट्टी में डालकर 150 डिग्री सेल्सियस तापमान पर गर्म किया जाता है। एक घंटे की इस प्रक्रिया में प्लास्टिक के टुकड़े गिट्टी के साथ चिपक कर उसके जैसा ही आकार ले लेते हैं। इसके बाद इस गिट्टी को तारकोल में मिलाया जाता है।

हैलट में ऑपरेशन के नाम पर मांगे गए रुपये

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- 6 साल के बच्चे का गिरने से टूटा है हाथ
- जांच के बाद की जाएगी कार्रवाई: प्रमुख अधीक्षक

अमृत विचार। हैलट अस्पताल में जूनियर डॉक्टरों की मनमानी थमने का नाम नहीं ले रही है। कन्नौज से आए एक मजदूर ने बच्चे के टूटे हाथ के इलाज के लिए हैलट में पैसे मांगने का आरोप लगाया है। उसने शिकायत प्रमुख अधीक्षक कार्यालय में की है।

कन्नौज के गुरसहायगंज निवासी सलीम ने बताया कि वह गांव में मजदूरी करता है। चार फरवरी को छह वर्षीय बेटा सुहैल खेलते समय कुर्सी से गिर गया और उसके हाथ में चोट लग गई। हैलट अस्पताल में एक्सरे कराने पर पता चला कि बेटे के बाएं हाथ में फ्रैक्चर है। उसके बाद इमरजेंसी से बेटे को वार्ड नंबर आठ में शिफ्ट कर दिया गया। आरोप है कि वार्ड में आए दो जूनियर डॉक्टरों ने बेटे का हाथ देखा और उसके बाद दोबारा एक्सरे कराने बोला और ऑपरेशन के लिए 15 हजार रुपये की मांग की। वह एक्सरे कराने गया तो कर्मचारी ने तीन सौ रुपये की मांग की। सलीम प्रमुख अधीक्षक कार्यालय गया और मौजूद गार्ड से शिकायत की। गार्ड ने प्रमुख अधीक्षक के कार्यालय में नहीं होने की बात कही। प्रमुख अधीक्षक डॉ.आरके सिंह के मुताबिक मामले के संबंध में जूनियर डॉक्टर व तीमारदार से पूछताछ की जाएगी। जांच के बाद संबंधित पर कार्रवाई की जाएगी।

होटल संचालक ने नौ लोगों पर दर्ज कराई रिपोर्ट

कानपुर। रेलबाजार में स्थित एक होटल संचालक ने धोखाधडी के मामले में पार्टनर समेत नौ लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

हरवंश मोहाल निवासी होटल संचालक राम नरेश यादव के अनुसार उन्होंने वर्ष 2014 में रेलबाजार स्थित होटल चंद्रदीप को वर्ष 2028 तक सुरेश कुमार द्विवेदी से लीज पर लिया था। इस एवज में उन्होंने 10 लाख रुपये चेक से दिए थे। इसके बाद सुरेश ने अपनी बेटियों की शादी और होटल मे काम कराने के नाम पर 55 लाख रुपये लिये। फिर सुरेश के बेटे ने होटल के काम मे दखल देना शुरू कर दिया। इस पर नरेश ने अपने 55 लाख रुपये वापस मांगे। तो उन्होंने 6 लाख रूपये की चेक दी। जो रकम खाते से मिल गई। वही शेष रकम के एवज में 50 लाख रुपये की चेक दे दी। जो बैंक खाते में लगाने पर बाउंस हो गई। इसपर उन्होंने फिर कोर्ट से मुकदमा दर्ज कराया। लेकिन उसके बाद सुरेश के साथियों ने मारपीट कर मुकदमा वापस लेने को धमकाया।

बिना अनुमति विज्ञापन लगाने पर करें कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- डीएम ने नगर निगम को दी जिम्मेदारी, बोले- बिगाड़ रहे सुंदरता, करें चिह्नित

अमृत विचार। शहर में सार्वजनिक स्थानों पर जगह-जगह बिना अनुमति के विज्ञापन लगाने वालों पर कार्रवाई होगी। ऐसे विज्ञापन शहर की सुंदरता को खराब कर रहे है। डीएम राकेश कुमार सिंह ने इसको लेकर कड़ा रूख अपनाया है। उन्होंने नगर आयुक्त और सभी अधिशाषी अभियंता नगर पालिका व नगर पंचायत को निर्देशित किया है। सार्वजनिक स्थानों पर विज्ञापन चिपकाने वालों को चिन्हित करके उनके खिलाफ कार्रवाई करें। जिससे जिले की सुंदरता को बनाए रखा जा सके। उन्होंने की गई कार्रवाई से अवगत कराने के भी निर्देश दिये हैं।

शहर में जगह-जगह सार्वजनिक स्थानों पर बिना अनुमति के विज्ञापन चस्पा किए गए है। इससे जिले की सुंदरता खराब हो रही है। वहीं डीएम ने कलेक्ट्रेट, विकास भवन, कोर्ट और पुलिस आयुक्त कार्यालय समेत अन्य महत्वपूर्ण परिसर सार्वजनिक स्थान पर सफाई की जिम्मेदारी नगर निगम को सौंपी है। उन्होंने कहा कि इसकी जिम्मेदारी नगर निगम की होती है। इसलिये गैंग लगाकर सभी परिसरों को साफ कराई जाए। डीएम राकेश कुमार सिंह ने नगर आयुक्त शिव शरणप्पा जीएन को एक पत्र भेजा है। इसमें डीएम ने कहा कि इन सभी परिसरों में सफाई व्यवस्था, पेयजल और सार्वजनिक शौचालय न होने से शहरवासियों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इससे प्रशासन की छवि खराब हो रही है।

रोस्टर से करें सफाई

डीएम ने कहा कि जरूरी राजकीय परिसरों में रोस्टर के मुताबिक सफाई व्यवस्था कर्मचारियों के गैंग से कराई जाए। शुद्ध पेयजल और सार्वजनिक शौचालय की व्यवस्था भी कराई जाए।

मार्च से टीएसएच में ईडब्ल्यूएस खिलाड़ियों का प्रशिक्षण

खेल जगत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- चार सौ ईडब्ल्यूएस खिलाड़ियों का चयन पारदर्शिता के साथ होगा

अमृत विचार। 'द स्पोर्ट्स हब' में आर्थिक रूप से कमजोर (ईडब्ल्यूएस) प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के प्रशिक्षण का चौथा चरण एक मार्च से शुरू होगा। इसके लिये खिलाड़ियों का चयन पूरी पारदर्शिता के साथ उच्चस्तरीय कमेटी करेगी। 11 इंडोर खेलों में चयनित किये जाने वाले ईडब्ल्यूएस शामिल होंगे। चौथे चरण के लिये लगभग चार सौ आउटस्टैंडिंग खिलाड़ियों का चयन किया जायेगा।

टीएसएच में गुरुवार को हुई प्रेस वार्ता में ईडब्ल्यूएस खिलाड़ियों की चयन कमेटी के सदस्य पीके श्रीवास्तव (ट्रांसस्टेडिया के प्रतिनिधि व टीएसएच के डायरेक्टर ऑपरेशंस), अपर नगर आयुक्त जगदीश यादव ने बताया कि प्रशिक्षण के चौथे चरण के लिये ईडब्लयूएस खिलाड़ियों का चयन पूरी पारदर्शिता के साथ किया जायेगा। इसमें बैडमिंटन, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग, जूडो, कबड्डी, कराटे, शूटिंग, स्विमिंग, टेबल टेनिस और ताइक्वांडो आदि 11 इंडोर गेम्स में ईडब्लयूएस खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया जायेगा। यह प्रशिक्षण तीन माह के लिये होगा। इंटरनेशनल टेबल टेनिस खिलाड़ी व अध्यक्ष-उत्तर प्रदेश टेबल टेनिस एसोसियेशन संजीव पाठक ने बताया कि सिलेक्शन ट्रायल में भाग लेने वाले ईडब्ल्यूएस के खिलाड़ियों से किसी तरह का शुल्क नहीं लिया जाता है। यहां तक की रजिस्ट्रेशन फार्म भी निशुल्क होता है। इस दौरान सचिव-उ.प्र. एथलेटिक्स एसोसियेशन दिवेश दिवेदी, इंडिपेंडेंट सीए हर्ष अग्रवाल, प्रबंध निदेशक टीएसएच राजीव अग्रवाल भी रहे।

जूडो-कराटे का प्रशिक्षण लेतीं बच्चियां।

इनडोर गेम्स का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रेस वार्ता में जानकारी देते पीके श्रीवास्तव, जगदीश यादव। अमृत विचार

12 फरवरी से मिलेगा फॉर्म

पीके श्रीवास्तव ने बताया कि सिलेक्शन ट्रायल के लिये रजिस्ट्रेशन फार्म 12 फरवरी से मिलना शुरु हो जायेंगे। फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 17 फरवरी तय की गई है और 21 फरवरी से चयन की प्रक्रिया प्रारंभ होगी। आवेदक खिलाड़ियों को अभिभावक के आय प्रमाण पत्र के अलावा आधार कार्ड, पिछले खेल परिणामों का विवरण दाखिल करना होगा।

730 खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया गया

चयन कमेटी के सदस्य पीके श्रीवास्तव ने बताया कि पहले चरण में 262, दूसरे चरण में 288 और तीसरे चरण में 180 यानि अब तक कुल 730 ईडब्लयूएस खिलाड़ियों को 11 खेलों में प्रशिक्षित किया जा चुका है। प्रशिक्षित किये गए इन खिलाड़ियों में से राज्य और राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय परिणाम दिये हैं। राहुल व अभिषेक समेत छह हैंडीकैप खिलाड़ियों को एक साल की फ्री मेम्बरशिप भी टीएसएच में दी गई। इसके अलावा टीएसएच में आयोजित हुई किसी भी प्रतियोगिता में इंट्री फीस नहीं ली गई। इस साल टीएसएच के 27 ईडब्ल्यूएस खिलाड़ियों ने विभिन्न स्टेट और नेशनल प्रतियोगिताओं में पदक जीतने का श्रेय प्राप्त किया है।

ये खेल शामिल हैं

बैडमिंटन, बास्केटबाल, बॉक्सिंग, जूडो, कबड्डी, कराटे, शूटिंग, स्विमिंग, टेबल टेनिस, ताईक्वांडो, कुश्ती, टीएसएच मैनेजमेंट आदि हैं।

सरिया ले भागा ट्रक चालक पकड़ा गया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- मध्य प्रदेश से पकड़कर लाई बादशाहीनाका पुलिस

अमृत विचार। 15.50 लाख रुपये की 30 मीट्रिक टन सरिया लेकर फरार ट्रक चालक को बादशाहीनाका पुलिस ने मध्य प्रदेश से दबोच लिया। मामले का खुलासा डीसीपी पूर्वी ने किया है।

डीसीपी पूर्वी श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि बादशाहीनाका के लोहा कारोबारी रीतेश भार्गव ने पुलिस को बताया था कि 30 मीट्रिक टन सरिया छत्तीसगढ़ के रायगढ़ स्थित बमलेश्वरी ट्रेडिंग कंपनी से अयोध्या की फर्म मां शारदे ट्रेडिंग कंपनी के लिए 10 जनवरी को बुक कराया था। माल भेजने के लिए उन्होंने महावीर लाजिस्टिक ट्रांसपोर्ट में बुक करा दिया। यह सरिया 19 जनवरी को अयोध्या पहुंचनी थी लेकिन नहीं पहुंची। जिस पर उन्होंने बादशाहीनाका थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस जांच में जुटी तो पता चला कि सरिया छत्तीसगढ़ निवासी डीलर की दुकान से खरीदकर ट्रांसपोर्टर के ट्रक में लदवाकर भेज दी गई। लेकिन ट्रक चालक चंदौली के नौगढ़ निवासी महेंद्र यादव ने सरिया नहीं पहुंचाई। पुलिस ने सर्विलांस आदि की मदद से चालक की लोकेशन निकाली और उसे मध्यप्रदेश के चितरंगी से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसकी नीयत बदल गई थी।

कैंट में कुत्ते दौड़ाकर काट रहे, सेना भी परेशान

बड़ी समस्या

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कैंट मुख्य अधिशाषी अधिकारी ने नगर निगम से मांगी मदद
- कुत्तों को पकड़ने के साथ ही इनकी नसबंदी करने की भी मांग की

अमृत विचार। कैंट क्षेत्र में कुत्तों का आतंक बढ़ गया है। आम राहगीरों के साथ ही आवारा कुत्तों ने सेना के जवानों को भी परेशान कर रखा है। कैंट क्षेत्र में आवारा सांड, गाय और कुत्ते इतनी बड़ी संख्या में बढ़ गए हैं कि कैंट बोर्ड को नगर निगम से इन्हें पकड़ने की मदद मांगनी पड़ गई है।

छावनी परिषद के मुख्य अधिशाषी अधिकारी अनुज गोयल ने नगर निगम को पत्र लिखकर कुत्तों और छुट्टा पशुओं को पकड़ने के लिए मदद मांगी है। इसके साथ ही कुत्तों की नसबंदी की भी मांग की है।

मुख्य अधिशाषी अधिकारी के मुताबिक कुत्तों और छुट्टा पशुओं के कारण छावनी क्षेत्र के नागरिकों और सेना के जवानों को आवागमन में बाधा आ रही है। आवारा गोवंश के अलावा छावनी क्षेत्र में सड़कों पर घूम रहे आवारा कुत्ते भी बड़ी मुसीबत बन गए हैं। कुत्ते बच्चों-बड़ों को दौड़ाकर काटने लगे हैं। कई सैनिकों को भी कुत्तों ने काटा है। कुत्तों के दौड़ाने की वजह से हादसे भी बढ़ गए हैं। इससे यातायात भी प्रभावित हो रहा है। फेथफुलगंज, मीरपुर और रेलबाजार में आवारा पशुओं की संख्या 10 हजार से ज्यादा है। अधिशाषी अधिकारी ने नगर निगम को पत्र लिखकर आवारा जानवरों को पकड़ने में मदद मांगी है। कहा है कि यदि कोई शुल्क हो तो वो भी बताया जाये।

गली-गली आवारा कुत्तों का आतंक है। अमृत विचार

ढाई लाख से अधिक आवारा पशु

कैंट क्षेत्र के अलावा शहर की सड़कों पर ढाई लाख से अधिक आवारा पशु घूम रहे हैं। गाय, सांड़ व अन्य जानवर छुट्टा घूम रहे हैं। कुत्तों के हमले भी बढ़ गये हैं। कुत्तों की नसबंदी न होने की वजह से इनकी संख्या लगातार बढ़ रही है।

आज होगा मौनी अमावस्या का स्नान

कानपुर। मौनी अमावस्या का स्नान शुक्रवार को होगा। शहर के घाटों के साथ विभिन्न मंदिरों में भी तैयारी पूरी हो गई है। ज्योतिषाचार्य ने बताया कि इस दिन स्नान और दान का विशेष महत्व है। ज्योतिषाचार्य पं. मनोज द्विवेदी ने बताया कि मौनी अमावस्या तिथि 9 फरवरी को सुबह 8 बजकर 2 मिनट पर शुरू होगी और 10 फरवरी को सुबह 4 बजकर 28 मिनट तक रहेगी। मौनी अमावस्या का स्नान और दान 9 फरवरी को मनाना श्रेष्ठकर होगा। उन्होंने बताया कि शास्त्रों में मौनी अमावस्या पर मौन रखने का विधान बताया गया है। इसके अलावा इस दिन सबसे शुभ माना जाने वाला सर्वार्थ सिद्धि योग बना है।

तैयारी | शिक्षा विभाग ने शुरू किया वितरण, आज से प्रवेश पत्र का वितरण भी शुरू होगा

36 परीक्षा केंद्रों तक पहुंची बोर्ड की कॉपियां

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। यूपी बोर्ड परीक्षा की तैयारी जिले में तेज हो गई है। गुरुवार को परीक्षाओं के लिए कॉपियों का वितरण शुरू हो गया है। पहले दिन 36 परीक्षा केंद्रों में कॉपियों का वितरण किया गया। कॉपियों का वितरण कैमरों की निगरानी में किया गया। शिक्षा विभाग के पास बोर्ड से प्रवेश पत्र भी पहुंच गए हैं।

कॉपियों के वितरण के पहले दिन घाटमपुर और बिल्हौर के परीक्षा केंद्रों को कॉपियां दी गईं। कॉपियों को केंद्रों में पंजीकृत परीक्षार्थियों की संख्या के अनुसार बांटा जा रहा है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सभी केंद्रों को उत्तर पुस्तिकाओं को लेने की तिथि की जानकारी दी जा चुकी है। वे नियत तिथि पर आकर अपने केंद्रों की कॉपियां ले जा सकेंगे।

बोर्ड परीक्षा की कॉपियां देखते कर्मचारी। अमृत विचार

आज से परीक्षार्थी ले सकते हैं प्रवेश पत्र

यूपी बोर्ड की ओर से हाई स्कूल और इंटर के परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र शिक्षा विभाग को भिजवा दिए गए हैं। शिक्षा अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार से इन प्रवेश पत्रों का वितरण स्कूलों को किया जाएगा। जिले में 708 स्कूलों में परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र दिए जाएंगे। लगभग 94 हजार परीक्षार्थी प्रवेश पत्र हासिल कर सकेंगे। शिक्षा विभाग की ओर से परीक्षा केंद्रों की सामग्रियां भी वितरित किए जाने की तैयारी पूरी हो गई है। इन सामग्रियों में रोल नंबर लिस्ट, डेस्क स्लिप सहित अन्य सामग्रियां शामिल है। शिक्षा विभाग की ओर से परीक्षा केंद्रों को इन सामग्रियों को ले जाने के लिए आदेश जारी कर दिया गया है।

हैलट में आईं महंगी दवाएं और इंजेक्शन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। हैलट अस्पताल में आने वाले मरीजों को अब दवा व इंजेक्शन के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। यहां पर सौ रुपये से लेकर 70 हजार रुपये तक के इंजेक्शन व दवा निशुल्क उपलब्ध हैं, जिनकी मदद से ब्रेन स्ट्रोक, लिवर, किडनी व न्यूरो के मरीजों को लाभ मिलेगा। उनको अब यह दवाएं बाहर से नहीं खरीदनी होंगी।

हैलट अस्पताल में दवा की कमी की वजह से अधिकांश जूनियर डॉक्टर बाहर की दवाएं लिखतें हैं और कुछ जेआर तो तो मेडिकल स्टोर का नाम पता तक बताते हैं। बाहर से दवा खरीदने पर तीमारदारों को हजारों रुपये चुकाने होते हैं। इससे गरीब मरीजों को बहुत दिक्कत होती है। तमाम तीमारदार तो मरीज का इलाज करा ही नहीं पाते।

हैलट में बाहर से दवा मंगाए जाने के संबंध में अमृत विचार ने प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी, जिसका संज्ञान लेने के बाद अब हैलट अस्पताल में छह सौ रुपये से लेकर 70 हजार रुपये तक की दवाएं मंगाई गई हैं। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. संजय काला ने बताया कि हैलट अस्पताल में ब्रेन स्ट्रोक से बचाव, आईसीयू में भर्ती गंभीर मरीज, हीमोफिलिया, लीवर, किडनी, हेपेटाइटिस बी व सी आदि बीमारियों में इस्तेमाल होने वाले इंजेक्शन और दवा आ गई हैं।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैंने अपना नाम जिन्नत बीबी से बदलकर जिन्नत रख लिया है। अब मुझे जिन्नत के नाम से जाना पहचाना जाते। **जिन्नत पत्नी निजामुद्दीन निवासी ग्राम पोस्ट – क्रिया, तहसील मौदहा, जिला हमीरपुर।**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरा नाम आधार कार्ड में गलती से कलावती पत्नी राम धीरज दर्ज हो गया है जबकि मेरा सही नाम **फूलमती पत्नी राम धीरज, निवासी– ग्राम भण्डहा पोस्ट पड़री कृपाल जिला गोंडा** है।

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम GULEMA DEVI था। जिसे बदलकर मैने अपना नाम MULEMA रख लिया। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाय। W/O LALTA PRASA PAL VID KANPA MADHUPUR, POST- KANPA PA PRATAPGARH, UP

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपनी बेटी का नाम सोना कपूर से बदलकर रिदमा कपूर कर दिया है। भविष्य में उसे रिदमा कपूर नाम से जाना–पहचाना जाये। **सागर कपूर, 3/240, विपुल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ।**

सूचना

सूचित हो कि मेरा पहले नाम राधा रानी पत्नी सहूराम था। मैं इसी नाम से जानी जाती थी। मैनें अपना नाम राधा रानी से बदलकर फिरकरी पत्नी साहूराम कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना और पहचाना जाए। – **फिरकरी पत्नी साहूराम निवासी– ग्राम– अमरैया खुदादभारी, कोतवाली नानपारा, जिला बहराइच**

सूचना

सूचित हो कि मै **मलिक फैयाज अहमद पुत्र– मलिक अब्दुर्रऊफ, निवासी– बी–32 अबरारनगर, कल्यानपुर, पो0– विकास नगर लखनऊ।** मेरे मार्कशीट में मेरे पिता का नाम MALIK ABDUL RAUF है जबकि मेरे सभी दस्तावेजों (आधार, पैन व डी0 एल) में मेरा पिता का नाम MALIK, ABDUR, RAUF है। जो कि सत्य व सही है।

सूचना

सूचित हो कि मेरे पुत्र शिवांश द्विवेदी की जन्मतिथि 25/4/2013 है। जबकि स्कूल में उसकी जन्मतिथि त्रुटिवश 25/4/2011 अंकित हो गयी है। शिवांश द्विवेदी के समस्त अभिलेख में उसकी जन्मतिथि 25/4/2013 अंकित है जो कि पूर्णतया सत्य है और उसकी यही जन्म तिथि वास्तविक मानी जाय। – **ममता द्विवेदी पत्नी अनुपम द्विवेदी निवासी कान्धापुर गिरधारी दूबे का पूरा थाना जयसिंहपुर जिला सुलतानपुर**

“ मुख्यमंत्री @myogiadityanath ने जनपद कानपुर नगर में सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने घायल स्कूली बच्चों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए संबंधित अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश भी दिए हैं।

अमृत विचार
www.amritvichar.com
कानपुर, शुक्रवार, 9 फरवरी 2024

घायल बच्चे को हैलट इमरजेंसी ले जाते डॉक्टर और स्टाफ अमृत विचार

हादसे में स्कूली वैन के परखच्चे उड़ गए। अमृत विचार

अभिभावक स्ट्रेचर पर घायल पड़े अपने लाल के साथ-साथ चलते रहे। अमृत विचार

हादसे में घायल बच्चे

सिर पर गंभीर चोटें आईं। अमृत विचार

दहशत में बच्ची। अमृत विचार

दर्द से बेहाल छात्र। अमृत विचार

बिल्हौर के अरौल में स्कूली वैन हादसा, घटनास्थल पर मची चीखपुकार और हाहाकार, ग्रामीणों और राहगीरों ने बच्चों को गोद में उठाया

वैन में फंसे और सड़क पर पड़े कराहते रहे घायल बच्चे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर/बिल्हौर

अमृत विचार। बिल्हौर के अरौल में हुए हृदय विदारक हादसे के बाद काफी देर तक घटनास्थल पर चीख पुकार मच रही। घायल बच्चे सड़क पर बेजान से बिखरे पड़े थे, खून फैला था। उनका बैग, बोतल, टिफिन बॉक्स और अन्य सामान इधर-उधर फैला था। कुछ बच्चे चीख रहे थे तो कुछ कराह रहे थे। कुछ बेहोश पड़े थे। ग्रामीणों और राहगीरों ने बच्चों को गोद में उठाकर सड़क के किनारे किया। जब घायलों को बिल्हौर सीएचसी पहुंचाया गया तो एकसाथ इतनी बड़ी संख्या में घायल बच्चे देख डॉक्टरों के होश उड़ गए। सभी को प्राथमिक उपचार के बाद हैलट और अन्य अस्पताल भेजा गया।

डीसीपी पश्चिम विजय ढुल ने फोर्स के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से जानकारी की। देर शाम छात्र यश के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। यश के पिता शीतला प्रसाद डिग्री कॉलेज में शिक्षक हैं। उनके परिवार में कोहराम मचा है।

बिल्हौर के अरौल में हादसे के बाद सड़क पर पड़े घायल बच्चे। अमृत विचार

तीन बच्चे आईसीयू में भर्ती किए गए

बिल्हौर हादसे में घायल पांच बच्चे हैलट अस्पताल, दो बच्चे रिजेंसी अस्पताल और एक बच्चा न्यू लखनपुर अस्पताल में भर्ती है। हैलट अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक डॉ .आरके सिंह ने बताया कि हादसे में घायल देवांश के चेहरे व जबड़े पर चोट है। इनके अलावा कृतिका व सुयांश त्रिपाठी को भी चोटें आई हैं। तीनों बच्चों की हालत गंभीर है और उनको आईसीयू में भर्ती किया गया है। इनके अलावा रिजेंसी अस्पताल में भर्ती निष्ठा की भी हालत गंभीर बनी हुई है। जबकि अन्य चार बच्चों की स्थिति थोड़ी बेहतर है। प्रमुख अधीक्षक के मुताबिक हादसे में घायल बच्चों के इलाज के लिए सभी विभाग के डॉक्टर इमरजेंसी में बुला लिए गए थे।

लोडर चालक किया गया गिरफ्तार

- स्कूली वैन में टक्कर मारने वाले लोडर चालक ऋषि कटियार निवासी उलसान थाना सिकन्दरा देहात को पकड़कर थाने लाया गया, जबकि वैन चालक हरिओम कटियार निवासी हलपुरा को अस्पताल मे भर्ती कराया गया है। लोडर चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की गई है।

कार्यक्रम की तैयारी छोड़ भागे विधायक

- शुक्रवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह सैनी बिल्हौर विधायक राहुल बच्चा सोनकर के पिता काला बच्चा सोनकर की पुण्यतिथि के मौके पर शिवराजपुर आएंगे। कार्यक्रम की तैयारी में लगे काला बच्चा के पुत्र विधायक राहुल बच्चा को घटना की जानकारी जैसे ही मिली, वह कार्यक्रम की तैयारी छोड़कर तुरंत बिल्हौर सीएचसी पहुंचे और जानकारी लेते रहे।

बिल्हौर सीएचसी में एसडीएम घटना की जानकारी लेती। अमृत विचार

विधायक राहुल सोनकर भी सीएचसी पहुंचे। अमृत विचार

लाल बेहाल, जल्दी ले चलो अस्पताल

हैलट अस्पताल का स्टाफ इलाज में मुस्तैद रहा। अमृत विचार

पैनल करेगा हादसे की जांच

बिल्हौर, संवाददाता। अरौल हादसे के बाद जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह अन्य अधिकारियों के साथ हैलट अस्पताल पहुंच गए। उन्होंने हादसे की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम का गठन किया जिसमें जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी बिल्हौर रश्मि लांबा व परिवहन विभाग के अधिकारी शामिल हैं। इसके साथ ही विद्यालय में चल रहे अनबनों की जांच के लिए भी पैनल को निर्देश दिए गए हैं। यातायात व परिवहन विभाग को ग्रामीण इलाकों के स्कूली वाहनों की जांच के लिए भी निर्देश दिए गए हैं।

कॉरिडोर बनाकर लाए एंबुलेंस: बच्चे उपचार के लिए समय से हैलट अस्पताल पहुंच जाएं इसके लिए पुलिस ने डीएम के आदेश पर आईआईटी से अस्पताल तक ग्रीन कॉरिडोर बनाया। इस दौरान यातायात विभाग के पुलिसकर्मी जगह- जगह मुस्तैद रहे।

अभिभावकों में रोष, बोले- स्कूल में बैन हो वैन

अभिभावक बेहाल रहे। अमृत विचार

सिसकती पहुंची एक मां। अमृत विचार

कानपुर। घटना के बाद सोशल मीडिया पर अभिभावकों में नाराजगी दिखी। स्कूल प्रबंध तंत्र व प्रशासन के विरुद्ध रोष जताया गया। लोगों का कहना है कि ज्यादातर वैन ही स्कूलों मे संचालित हो रही हैं। जिनमें सुरक्षा और सुविधाएं शून्य हैं। सोशल मीडिया पर अभिभावकों ने स्कूल संचालकों को खरी खोटी सुनाई। कई अभिभावकों ने प्रशासन से उचित कदम उठाए जाने की मांग की है।

उपजिलाधिकारी रश्मि लांबा ने बताया कि तहसील में अभियान चलाकर सभी विद्यालय के वाहनों की चेकिंग की जाएगी।

एक बच्चे की मां सुबकती रही। अमृत विचार

हादसा

डिप्टी सीएम ने घटना पर जताया शोक

- हादसे में एक छात्र की मौत के बाद डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने ट्विटर पर घटना पर खेद व्यक्त करते हुए मृतक छात्र के पारिवारिक जनों के लिए शोक संवेदना व्यक्त की। अन्य बच्चों के बेहतर उपचार के लिए स्थानीय प्रशासन को दिशा निर्देश दिए।

अनुप्रिया पटेल की मां कृष्णा का है विद्यालय

- डॉ सोनेलाल पटेल संस्था की नाम से कई शिक्षण संस्थान चलते हैं। जिसमें जूनियर के बच्चों का विद्यालय डॉ सोनेलाल पटेल एजुकेशन सेन्टर का संचालन संस्था की चेयरपर्सन कृष्णा पटेल करती हैं। कृष्णा पटेल केन्द्रीय मंत्री व मिर्जापुर से सांसद अनुप्रिया पटेल की मां हैं। हालांकि केन्द्रीय मंत्री का विद्यालय से कोई नाता नहीं है।

जिलाध्यक्ष ने हैलट पहुंच लिया हाल-चाल

- कानपुर। भाजपा उत्तर जिला अध्यक्ष दीपू पांडे भी हादसे की सूचना पर हैलट पहुंचे। घायल बच्चों का हाल-चाल लिया। परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में हम परिवार के साथ हैं।

इससे पहले भी हुए हादसे

- वर्ष 2017 में 28 फरवरी को कस्बे के मिंटो पब्लिक स्कूल की बस दुर्घटनाग्रस्त हो चुकी है। हादसे में 26 बच्चे बाल-बाल बच गए थे। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई थी। मामले में स्कूल प्रबंधन के विरुद्ध फिर भी एफआईआर दर्ज की गई थी लेकिन उसके बाद भी कभी जिम्मेदार विभाग के अधिकारियों ने स्कूली वाहनों की चेकिंग करने की जरूरत नहीं उठाई। कुछ दिन पहले एक स्कूली बस में आग लग गई थी। स्कूल प्रबंधनों की ओर से स्कूली वाहनों के संचालन में लापरवाही बरती जा रही है लेकिन हर बार हादसे के बाद दिशा-निर्देश देकर संबंधित अधिकारी चुप बैठ जाते हैं।

स्कूली बसों और वैन के लिए नियम

- स्कूली वाहनों की डीजल चलित गाड़ियों की आयु सीमा दस वर्ष होगी।
- सीएनजी चलित वाहनों के लिए पंद्रह साल समय सीमा।
- स्कूल वाहन के लिए परमिट अनिवार्य ।
- गति सीमा निर्धारण के लिए वाहनों में स्पीड गर्वनर लगाना जरूरी।
- लोकेशन ट्रैकिंग के लिए जीपीएस प्रणाली अनिवार्य।
- बसों में सीसीटीवी कैमरा होना जरूरी।
- वाहनों में अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एंड बॉक्स का होना जरूरी।
- बच्चों के बैग रखने के लिए रैक की व्यवस्था।
- स्कूली वाहन पीले रंग का होगा, बसों में बड़े पैराबालिक रियर व्यू दर्पण जिससे वाहन के अंदर का दृश्य स्पष्ट रूप से देख सकें, जरूरी है।
- सीएनजी वाहनों में सिलेंडर के ऊपर सीट का निर्माण नहीं होगा।
- स्कूली वाहन में बैठने की क्षमता एवं ले आउट में अतिरिक्त बदलाव की गुंजाइश नहीं।
- वाहनों में किसी भी तरह की अस्थाई व्यवस्था मान्य नहीं होगी।

वाहन चालकों के लिए ये है जरूरी

- संबंधित श्रेणी के वाहन चलाने का पांच वर्ष का अनुभव हो।
- चालक के पास ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य होना चाहिए।
- वाहन चालक नाम पट्टिका के साथ स्लेटी शर्ट व पैंट पहनेंगे।

प्राचार्य व एसआईसी ने संभाली व्यवस्था

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बिल्हौर में हुए हादसे की सूचना मिलते ही जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. संजय काला व प्रमुख अधीक्षक डॉ.आरके सिंह हैलट इमरजेंसी पहुंचे। प्राचार्य और एसआईसी ने जूनियर डॉक्टरों व एसआर को हादसे की जानकारी देने के बाद इमरजेंसी में मौजूद कुछ मरीजों को दूसरे कक्ष में शिफ्ट कराया और बेड खाली कराये। घायल बच्चे हैलट इमरजेंसी में आने पर प्राचार्य व एसआईसी ने उनका तत्काल इलाज शुरू कराया। इमरजेंसी में आए पांचों बच्चों को दोनों अधिकारियों ने देखा। सीएमओ डॉ आलोक रंजन व एसीएमओ डॉ आरपी मिश्रा ने भी बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। पोर्टेबल मशीन से बच्चों की जांच की गई।

डीएम राकेश सिंह और प्राचार्य प्रो . संजय काला ने हैलट में इलाज का इंतजाम संभाला।

एंबुलेंस से लाए गए घायल।

उपचार करते चिकित्सक।

आरटीओ प्रशासन मौन खतरे में बच्चों की जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। स्कूली वाहनों के किसी हादसे का शिकार होने के बाद हरबार आदेश-निर्देश की झड़ी अफसर लगाते हैं और कुछ दिन बाद सो जाते हैं। इसी कारण दर्जनों हादसों के बाद आज तक स्कूली वाहनों के मानक पूरे नहीं कराए जा सके। किसी हादसे के दो-चार दिन बाद तक आरटीओ के अधिकारी जांच का नाटक करते हैं और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है। अभिभावक भी लापरवाह हैं जो ध्यान ही नहीं देते कि बच्चा किस तरह से वाहनों में ठूंस-ठूंस कर बैठाया जाता है।

आरटीओ प्रशासन और पुलिस से वैनों में ठूंस-ठूस कर भरे बच्चों को स्कूल छोड़ने और ले जाना छिपा नही हैं, लेकिन कार्रवाई में खानापूर्ति की जाती है।

● हर हादसे के बाद कार्रवाई की होती खानापूर्ति

बच्चों की सुरक्षा की तरफ न अभिभावकों और न निजी स्कूलों का ध्यान है। बच्चों का जीवन खतरे में डाल देते हैं। ओमनी वैन, टाटा मैजिक, ऑटो में स्कूली बच्चों को ठूंस-ठूंस कर भरा जाता है। खुलेआम ओवरलोडिंग होती है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होती। अधिकतर स्कूली वैन निजी नंबर की हैं व उनका कोई टैक्सी परमिट भी नहीं है। ऐसे में सरकार को हर महीनों लाखों रुपयों का चूना भी लग रहा है।

दो नाबालिग रईसजादों ने कार से मूर्तिकार को रौंदा

गोविंद नगर दीप तिराहे के पास देर रात बस्ती में घुसी कार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कार के बोनट पर फंसकर चबूतरे से टकराया, मौत
- मंदिर का चबूतरा तोड़ा, लोगों ने पकड़कर पीटा

अमृत विचार। गोविंद नगर थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात तेज रफ्तार कार सवार नाबालिग रईसजादों ने सड़क किनारे चारपाई पर सो रहे मूर्तिकार को टक्कर मारकर मौत की नींद सुला दिया। भागने के चक्कर में आरोपियों ने मंदिर का चबूतरा भी तोड़ दिया। आसपास के लोगों ने आरोपियों को जमकर मारापीटा। इसके बाद पुलिस के हवाले कर दिया।

गोविंद नगर दीप तिराहे पर सड़क किनारे बस्ती बनाकर वर्षों से मूर्तिकार और लोहार रहते हैं। इसी में मूलरूप से अजमेर राजस्थान के रहने वाले 40 वर्षीय मूर्तिकार कन्हैयालाल पत्नी डुगली और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ रहते थे। बस्ती के लोगों ने पुलिस को बताया कि बुधवार देर रात करीब डेढ़ बजे के बाद एक तेज रफ्तार कार बस्ती में घुस गई और चारपाई पर सो रहे कन्हैया को भीषण टक्कर मार दी। कन्हैया कार की बोनट में फंस गए और कार खींचते हुए उन्हें मंदिर के चबूतरे से टकरा गई। हादसे में मूर्तिकार गंभीर रूप से घायल हो गए। चीख-पुकार सुन बस्ती के लोग बाहर निकले और कार सवार दोनों नाबालिग रईसजादे कार चालकों को दबोच लिया। दोनों की जमकर पिटाई की गई। इसके बाद पुलिस के सुपुर्द कर दिए गए। घायल को हैलट अस्पताल भेजा गया जहां उनकी मौत हो गई। इस मामले में परिवार के लोगों ने गोविंद नगर प्रभारी निरीक्षक विक्रम सिंह पर मामले में आरोपियों को बचाने का आरोप लगाते हुए पहले गोविंद नगर थाने और फिर पोस्टमार्टम हाउस में हंगामा किया। इस संबंध में डीसीपी साउथ रवींद्र कुमार ने बताया कि हादसे के बाद कार सवार दोनों नाबालिगों को मौके से हिरासत में लिया गया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है। इसके साथ ही सीसीटीवी फुटेज भी चेक किया जा रहा है।

बैक कर रहे ट्रक ने युवक को कुचला

कानपुर। बाबूपुरवा थानाक्षेत्र में जाटनपुरवा निवासी 40 वर्षीय दुर्गेश गौतम इलेक्ट्रीशियन का काम करते थे। उनके बेटे ऋषभ ने बताया कि बुधवार देर रात वह घर से काम से जा रहे थे। इसी दौरान ट्रांसपोर्ट नगर में ट्रक बैक करते समय चालक ने उन्हें कुचल दिया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें हैलट पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान देर रात मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। पत्नी पूनम, बेटी आराध्याल व बेटे शिवम का रो-रोकर बुरा हाल है।

आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण तेजी से कराएं: सीडीओ

कानपुर। आंगनबाड़ी केंद्रों व विद्यालयों के पास जलभराव, झाड़ी,घास-फूस हटाया जाए। जल निकासी की व्यवस्था की जाए। निर्माणाधीन 115 आंगनबाड़ी केंद्रों के कार्य को जल्द से जल्द पूरा किया जाएं। ये आदेश मुख्य विकास अधिकारी सुधीर कुमार श्रीवास्तव ने सरसैया घाट स्थित सभागार में आयोजित बैठक में दिए।

कहा कि ऑपरेशन समस्त बीडीओ अपने क्षेत्र के विद्यालयों में ऑपरेशन कायाकल्प के तहत 19 पैरामीटर की समीक्षा कर जो कार्य बचे हैं उनको तुरंत पूरा करा लें। बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने क्षेत्र के गांव में ऐसे कितने दिव्यांग बच्चे हैं जो विद्यालय नहीं आते हैं उनकी सूची बनाएं और प्राथमिकता से विद्यालयों में उनका पंजीकरण कराएं। विद्यालयों व आंगनबाड़ी केंद्रों में आरबीएसके की टीम आए तो बच्चों की उपस्थिति शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराएं। निरीक्षण मे अनुपस्थित शिक्षकों पर विधिक कार्रवाई कराएं। परियोजना निदेशक डीआरडीए केके सिंह, उपायुक्त श्रम रोजगार रमेश चंद्र, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत कुमार सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी मौजूद रहे।

नगर निगम में शामिल होंगे बिठूर-उन्नाव से सटे गांव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नगर निगम कानपुर की सीमा में 18 गांव और शामिल होंगे। नगर आयुक्त शिवशरणप्पा जीएन ने 9 सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। यह सभी गांव बिठूर और उन्नाव की सीमा से लगे हैं। पहले 59 गांवों को शामिल किया जा रहा था, फिर 18 गांवों का खाका तैयार हुआ है। यहां टीम सर्वे करने पहुंचेगी।

नगर निगम सीमा में शामिल होने से गांवों की तस्वीर बदलेगी। विकास होने के साथ ही अन्य सुविधाएं भी मिलेंगी। नगर आयुक्त ने अपर नगर आयुक्त प्रथम की अगुवाई में नौ सदस्यीय कमेटी गठित की है। एक-एक गांव का सर्वे करके रिपोर्ट तैयार करने के आदेश दिए गए हैं।

अपर नगर आयुक्त प्रथम की अध्यक्षता में नौ सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। कमेटी में सदस्य मुख्य वित्त और लेखाधिकारी, मुख्य अभियंता, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी, प्रभारी अधिकारी संपत्ति, संबंधित जोनल प्रभारी, प्रभारी अधिकारी जनगणना, सचिव नगर निगम और नक्शा अधीक्षक को शामिल किया गया है। सीमा विस्तार से जुड़े गांवों की सड़क, नाली, खड़ंजा, के साथ पार्क विकसित किए जाएंगे। भूमिगत बिजली की लाइन, पेयजल, सीवर लाइन, गैस पाइप लाइन, मार्ग प्रकाश व्यवस्था मुहैया कराई जाएगी।

- नगर आयुक्त शिवशरणप्पा जीएन ने 9 सदस्यीय कमेटी का गठन किया
- 59 गांवों की जगह अब सिर्फ 18 गांव पहुंचेगी टीम होगा विस्तारीकरण

सर्वे में यह आंकलन किया जायेगा

एक-एक गांव की आबादी, सुविधाएं क्या-क्या हैं, आवासीय व व्यावसायिक संपत्ति कितनी है। अभी आय क्या है व नगर निगम सीमा में आने पर क्या आय होगी, कितना खर्च विकास में होगा और कौन-कौन जोन से जुड़ेंगे। वहीं, शहर में जुड़ने के जमीनों की कीमत भी बढ़ेगी।

यह गांव हो सकते शामिल

अब पहले चरण में बिठूर और उन्नाव सीमा से लगे गांवों को शामिल करने की तैयारी है। गंगापुर, चंकबदा, गंभीरपुर, संभलपुर, हिन्दुपूर बैरी, अकबरपुर आदि गांव आ सकते हैं।

सार-संक्षेप

गुरुद्वारे में रक्तदान भी किया गया। अमृत विचार

गुरुद्वारा बाबा नामदेव में लोगों ने कराईं जांचें

कानपुर। किदवई नगर ओ-ब्लॉक सब्जी मंडी स्थित गुरुद्वारा बाबा नामदेव जी के हाल में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आए 150 लोगों की आंखों की जांच, खून की जांच, शुगर, एसपीओ-2, वजन, पल्स आदि विभिन्न जांच की गईं। रक्तदान की अपील भी की गई। प्रबंधक रजत सिंह तलवार ने बताया कि हिमांशु फेरवानी और उनकी टीम ने निशुल्क दवा का वितरण किया। डॉ. जसलीन अरोड़ा, डॉ. अंजुम खान, डॉ. अलीम खान, डॉ. केतन शुक्ला, डॉ. रचित भामिरी, समिति के नीतू सिंह, आयुष साहनी, गुरदीप सहगल, अशोक अरोड़ा, कुलवंत सिंह, श्रीचंद इसरानी, विपुल जैन, रिधिमा, पवनीत, सोनू, हर्षित, हर्ष, जानवी, ईशु, मनी, सक्षम आदि लोग मौजूद रहे।

जयपुरिया की टीम को मिला अवार्ड। अमृत विचार

सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल बना विजेता

कानपुर। सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल कानपुर ने आईआईटी कानपुर में आयोजित टीआईई प्रतियोगिता में अव्वल स्थान हासिल किया है। यह पुरस्कार स्कूल के विद्यार्थियों को बिजनेस प्लान कैटेगरी में हासिल हुआ है। पुरस्कार के रूप में प्रतिभागियों को ट्रॉफी और नकद पुरस्कार हासिल हुआ है। पहला पुरस्कार हासिल करने के साथ ही स्कूल की टीम ने प्रतियोगिता में ओवरऑल चैंपियन का खिताब भी जीता है। स्कूल के इस प्रदर्शन पर प्रिंसिपल शिखा बनर्जी ने कहा टीआईई प्रतियोगिता में बच्चों ने असाधारण प्रदर्शन कर गौरव बढ़ाया है। यह स्कूल की विरासत और सोच का सम्मान है।

सुरों के बीच स्वर कोकिला को नमन

कानपुर। सीएसजेएमयू के संगीत विभाग के पंडित भीमसेन जोशी हाल में भारत रत्न स्वर कोकिला लता मंगेशकर को समर्पित संगीत श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान कार्यक्रम समन्वयक डॉ ऋचा मिश्रा ने बताया विभिन्न छात्र छात्राओं एवं श्रोताओं ने लता जी को उन्हीं के यादगार गीतों के माध्यम से सुरीली श्रृद्धांजलि अर्पित की। पिंकी सिंह राठौड ने 'तूने ओ रंगीले कैसा जादू किया' व 'तू जहां जहां चलेगा मेरा साया साथ होगा' जैसे गीतों के जरिए पुरानी यादों में डुबो दिया। इसी तरह सुरभि तिवारी ने 'कुहू कुहू बोले कोयलिया' और 'सुन री पवन' जैसे गीत सुनाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में डॉ रोली शर्मा, डॉअंशू सिंह, डॉ शशि किरण मिश्रा, डॉ मयूरी, डॉ मिठाई लाल, तनिषा वधावन, डॉ रागिनी, डॉ शुभम वर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

युवाओं को दिए गए लेखन के टिप्स

कानपुर। सीएसजेएमयू पत्रकारिता विभाग में कार्यशाला आयोजित हुई। फीचर लेखन विषय पर हुई कार्यशाला में विशेषज्ञों ने लेखन के टिप्स दिए। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार व लेखक शिखा सिंह ने फीचर लेखन को आभूषण की संज्ञा दी। उन्होंने कहा कि लेखन को बेहतर करने के लिए पढ़ना जरूरी है। पढ़ने से ज्ञान और शब्द दोनों का ही विकास होता है। विभागाध्यक्ष डॉ. योगेंद्र पाण्डेय ने कहा कि मीडिया के क्षेत्र में फीचर भावनात्मक रूप से जोड़ने का कार्य करता है।

घंटाघर चौराहे पर हनुमान चालीसा पढ़ते भक्त। अमृत विचार

108 बार हुआ सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ

कानपुर। घंटाघर चौराहे पर गुरुवार को 108 बार सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन हुआ। इस दौरान हजारों युवाओं ने सहभागिता की। महापौर प्रमिला पांडेय के बेटे अमित पांडेय बंटी के जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम में लक्ष्मी पंडित, संजय तिवारी, मनीष दुबे, अर्चना तिवारी, शीलू, अनुराधा दीक्षित, नवीन पंडित, सौरभ देव, जितेंद्र बाजपेई, कन्हैया, आदर्श गुप्ता, अतुल साहू, महेंद्र पांडे पप्पू समेत हजारों लोग रहे।

एक नजर

निशुल्क स्वास्थ्य व नेत्र शिविर में जांच

कानपुर। सीएसजेएमयू के स्कूल आफ हेल्थ साइंस में पालीवाल डायनेस्टिक प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र शिविर लगा। शुरुआत पालीवाल डायग्नोस्टिक प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक डॉ उमेश पालीवाल व नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ अवध दुबे ने की। इस दौरान डॉ. वीके टंडन, डॉ.गौरव दुबे, डॉ. गौतम कुमार दत्ता, डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा, डॉ. दिग्विजय शर्मा, डॉ. मनीष कुमार रस्तोगी मौजूद थे| 86 मरीजों की निशुल्क जांच की।

चलते-चलते साइकिल से गिरा, मौत

कानपुर। रावतपुर थानाक्षेत्र में बुधवार रात घर से साइकिल से निकले आवास विकास निवासी सीएसए में कार्यरत 40 वर्षीय अंगद शर्मा मसवानपुर चौराहे के पास गिर गए। सिर पर चोट लगने के कारण वह अचेत हो गए। पास ही मौजूद पुलिसकर्मियों ने परिजनों को सूचना देकर हैलट अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान कुछ देर बाद उनकी सांसें थम गईं। पत्नी रेनू, बेटियों का रो-रोकर बुरा हाल है।

रूस व यूक्रेन के कलाकारों ने दिया सौहार्द्र का संदेश

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जहां एक ओर रूस और यूक्रेन आपसी युद्ध में भिड़े हैं वहीं, इन्हीं देशों के कलाकारों ने एक साथ मिलकर मर्चेंट चेंबर हाल में संगीत के माध्यम से सौहार्द्र का संदेश दिया। इनके साथ ही आस्ट्रिया, बुल्गारिया, ब्रिटेन, फ्रांस, न्यूजीलैण्ड समेत अनेक देशों के कलाकारों ने योगधारा समूह में शामिल होकर अपनी प्रस्तुति दी।

सिविल लाइंस स्थित मर्चेंट चेंबर हाल में गुरुवार को सहजयोग ध्यान की संस्थापिका माता निर्मला देवी के जन्म शताब्दी पर समारोह का आयोजन हुआ।

योगधारा संगीत समूह से जुड़े कई विदेशी कलाकारों ने शास्त्रीय गायन, भजन व नृत्य प्रस्तुत किया। रूस की कलाकार एना रानिजर व आस्ट्रिया की वीरा अम्बा ने कत्थक नृत्य प्रस्तुत किया। यूक्रेन की ओलेना, अस्ट्रिया की इवगानिया व फ्रांस की मैरी-फ्रांसिन ने मानव शरीर की नाड़ियों व चक्रों के संबंध में जानकारी दी। नेहा वर्मा ने सुंदर ओडेसी नृत्य किया। इसके अलावा भारत के गितिका तिवारी, शुभम सोनी, अक्षय पवार, चैतन्या ओसवाल, नन्हे व किशन आदि कलाकरों ने संगीत, तबला, गिटार, ढोलक, नृत्य आदि के माध्यम से स्रोताओं की कुंडलिनी जाग्रत कर उन्हें आत्म-साक्षात्कार प्रदान किया। समन्वयक एसपी सिंह ने बताया कि विश्व के 140 देशों में सहजयोग ध्यान से करोड़ों साधक जुड़े हैं। कार्यक्रम में कानपुर सहजयोग परिवार के शिशुपाल सिंह, शरदशाह, ऋक्षक शर्मा, उदय सिंह, कमल मोटवानी, सुधीर कुमार, संदीप कर, भारती गर्ग, बबीता रस्तोगी, छाया मल्होत्रा समेत देश व विदेश के लोग मौजूद रहे।

विदेशी कलाकारों ने गीत पेश किए। अमृत विचार

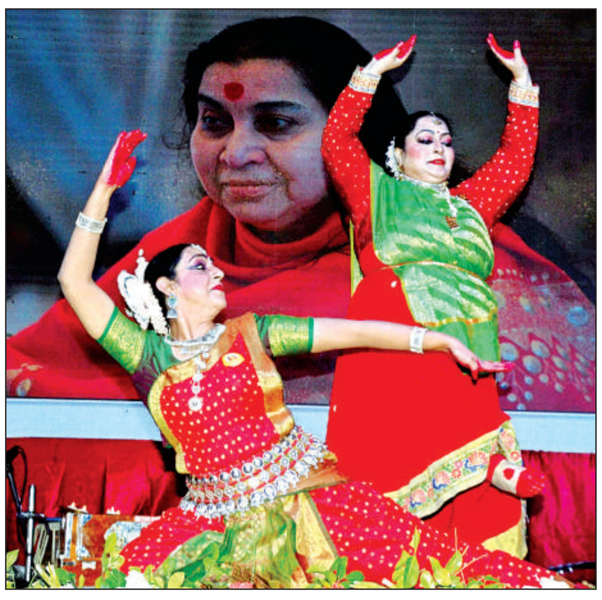

मनमोहक नृत्य ने अतिथियों का मन मोहा। अमृत विचार

विश्व के 140 देशों में चल रहा सहजयोग

समन्वयक एसपी सिंह ने बताया कि यह ध्यान क्रिया माताजी निर्मला देवी द्वारा पांच मई 1970 से शुरू की गई थी। देश व विदेश के अनेक वैज्ञानिकों ने सहजयोग ध्यान पर शोध किया है। सहजयोग ध्यान लगाना जरूरी है।

वृद्धा को सकुशल बाहर निकालते दमकल कर्मी। अमृत विचार

पहली मंजिल के आफिस में आग, वृद्धा फंसी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- अग्निशमन की दो गाड़ियों ने आग पर पाया काबू
- फील्डगन परिसर और मंधना में भी लगी आग

अमृत विचार। गोविंद नगर थानाक्षेत्र में स्थित श्री हरि टावर की पहली मंजिल पर स्थित राकेश श्रीवास्तव के दफ्तर में गुरुवार तड़के आग लग गई।

उस दौरान एक कमरे में उनकी मां शीला देवी अंदर फंस गई थीं। फजलगंज फायर स्टेशन से पहुंचे दमकल कर्मचारियों ने उनको सकुशल बाहर निकाला। दो दमकल गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है।

गोविंद नगर इलाके में आग लगने की सूचना पर पहुंची दमकल की गाड़ियों की आवाज से सो रहे लोगों की नींद टूटी। लोग घरों के बाहर आ गए। कार्यालय से तेजी से निकल रहे धुएं के कारण लोग डर गए। लेकिन फायर फाइटर्स ने आग पर काबू पा लिया।

दूसरी ओर अर्मापुर थानाक्षेत्र स्थित फील्डगन फैक्ट्री में गुरुवार दोपहर आग की सूचना से हड़कंप मच गया। एफएसओ परमानंद पांडेय ने बताया कि फैक्ट्री परिसर में झाड़ियों में आग लग गई थी। मौके पर पहुंची एक गाड़ी ने आग पर काबू पा लिया है। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं है। इसी प्रकार चौबेपुर थानाक्षेत्र मंधना के पास स्थित एन एल के कॉलेज के सामने खाली मैदान व खरपतवार में आग लग गई । राहगीरों की सूचना पर एफएस यूनिट बिल्हौर घटनास्थल पर पहुंची और जल्द ही आग पर काबू पा लिया।

सवारियों से भरा ई रिक्शा पलटा

कानपुर। जाजमऊ में थानाक्षेत्र में साइकिल सवारों को बचाने के चक्कर में ई रिक्शा पलट गया। बैठीं सवारियां घायल हो गईं। राहगीरों ने फंसे लोगों को निकालकर अस्पताल भिजवाया।

चकेरी के गांधीग्राम निवासी 26 वर्षीय विक्की ई रिक्शा में अपने साथियों के साथ मंदिर जा रहा था। रास्ते में साइकिल सवार को बचाने में ई रिक्शा पलट गया। जिससे विक्की घायल हो गया। जबकि उसके जीजा दीपक और भतीजो आशू को भी चोट आई।

पुष्प प्रदर्शनी | स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर के हार्टिकल्चर डिवीजन ने किया आयोजन, आठ वर्ग में प्रतिभागियो को परखा गया

खूबसूरत फूलों से महका विश्वविद्यालय

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय गुरुवार को खूबसूरत फूलों से महक उठा। मौका रहा स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर के हार्टिकल्चर डिवीजन की ओर से लगाई गई पुष्प प्रदर्शनी का। विश्वविद्यालय परिसर के सीनेट हॉल गार्डन में लगी पुष्प प्रदर्शनी में विभिन्न फूलों व उनसे बनी आकर्षक रंगोली को देख सभी उत्साहित हुए। इस दौरान हुई प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को 8 चरणों में परखा गया।

विश्वविद्यालय के 59वां स्थापना दिवस समारोह के चलते यहां पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। इनमें पुष्प प्रदर्शनी ने सभी का दिल जीत लिया। प्रदर्शनी में निणार्यक की भूमिका में सीएसए के डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी रहे। मुख्य अतिथि डॉ वंदना पाठक ने कहा कि सभी पुष्प की तरह खिलें और अपनी खुशबू चारों ओर फैलाते रहें। कुलपति डॉ विनय पाठक ने बताया कि एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट खोलने का प्रस्ताव विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने दिया था। आज वह बगिया फल-फूल रही है।

समारोह में कुलसचिव डॉ अनिल कुमार यादव और प्रति कुलपति डॉ सुधीर कुमार अवस्थी भी मौजूद रहे। इसी के साथ पुष्प प्रदर्शनी में सीएसजेएम यूनिवर्सिटी के तरंग बैंड ने अपने संगीत से पर्यावरण को और भी मनोरम कर दिया।

पुष्प प्रदर्शनी देखते कुलपति प्रो. विनय पाठक व अन्य। अमृत विचार

मतभेद भारतीय लोकतंत्र को जीवंत बनाते हैं

सीएसजेएमयू में अटल बिहारी वाजपेयी स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज विभाग की ओर से सीनेट हॉल में लोकसभा चुनाव 2024 का रोडमैप विषय पर युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत विवि के कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक ने की। इस दौरान प्रति कुलपति सुधीर कुमार अवस्थी, रजिस्ट्रार अनिल कुमार यादव भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एनएलयू प्रयागराज की कुलपति उषा टंडन ने शिरकत की। समारोह में विशिष्ट अतिथि जिला एवं सत्र न्यायाधीश शुभी गुप्ता रही। इस दौरान एनएलयू प्रयागराज कुलपति प्रोफेसर उषा टंडन ने कहा कि लोकतंत्र में मनभेद नहीं होने चाहिए। मतभेद जरूरी होते हैं। मतभेद होंगे तो अलग अलग विचार आएंगे और जितने तरह के विचार आएंगे उतने तरह के लोगों की लोकतंत्र में सहभागिता होगी। उन्होंने कहा कि विविधता लोकतंत्र का अहम हिस्सा है।

पटरी किनारे मिला शिक्षक का शव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कल्याणपुर थानाक्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में शिक्षक का शव रेलवे ट्रैक किनारे मिला। वह मंदिर दर्शन करने की बात कहकर निकले थे। परिजनों ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी को पति दहेज के लिए प्रताड़ित करता था। बुधवार को कचहरी में मीडिएशन के दौरान जमकर हंगामा हुआ था जिससे पिता परेशान थे। परिजनों ने बेटी के ससुरालीजनों पर हत्या करके शव फेंकने का आरोप लगाया। पोस्टमार्टम के परिजन शव लेकर घर पहुंचे और जमकर हंगामा किया।

कल्याणपुर के मिजापुर नई बस्ती निवासी सर्वेश त्रिवेदी प्राइवेट शिक्षक थे। बेटे अभय ने बताया कि बुधवार शाम सात बजे पिता परिवार के साथ घर के पास स्थित नेपाली मंदिर दर्शन करने गए थे। दर्शन के बाद वह घर की चाबी उसे थमा कर टहलने की बात कहकर चले गए। देर रात पिता का शव रेलवे ट्रैक किनारे पड़ा मिला। परिजनों ने बताया कि छोटी बेटी शिवांगी का अपने ससुरालीजनों से विवाद चल रहा है। मुकदमा वापस लेने का दबाव बना रहे ससुरालियों ने हाल ही में शिवांगी को परिवार समेत मार देने की धमकी दी थी। आरोप है कि शिवांगी के ससुरालीजनों ने ही पिता सर्वेश की हत्या कर शव को रेलवे ट्रैक किनारे फेंक दिया है। शिवांगी ने 20 दिन पूर्व ससुरालियों के खिलाफ दहेज के लिए प्रताड़ित करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बुधवार को मीडिएशन में कचहरी बुलाया गया था। जहां लड़के पक्ष ने उन लोगों से जमकर विवाद किया और धमकी देकर गालीगलौज की।

शिक्षक के भाई ब्रजेश कुमार ने पुलिस को बताया कि शिवांगी को ससुरालवालों ने एक बार फिनायल पिलाकर मारने का प्रयास किया था। इस संबंध में कल्याणपुर इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय ने बताया कि प्रथम दृष्टया आत्महत्या करने का मामला प्रतीत हो रहा है। सभी बिंदुओं की जांच की जा रही है।

परिजन बिलख पड़े। अमृत विचार

सर्वेश त्रिवेदी।

- घटना के बाद परिजनों ने शव रखकर किया हंगामा

आज का मौसम
तेज धूप रहेगी, हवाएं चलेंगी। रात में ठंड रहेगी।

21.0°	09.4°
अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06:49	सूर्यास्त 05:57

शहर में आज

- **समारोह:** सीएसजेएमयू का 59वां स्थापना दिवस समारोह सुबह नौ बजे से।
- **सभा:** पद्मश्री गिरिराज किशोर की पुण्यतिथि पर परिचर्चा व श्रद्धांजलि सभा नरोना चौराहा मेगामाल
- **प्रदर्शनी:** विज्ञान और गणित पर इंद्रा नगर स्थित एसजीएम इंटरनेशन स्कूल में प्रदर्शनी सुबह 10:30 बजे।
- **कार्यक्रम:** एनएल मेमोरियल पब्लिक स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम लाजपत भवन में दोपहर 12:30 बजे।
- **परिक्रमा:** भाजपा दक्षिण किसान मोर्चा द्वारा किसानों की समस्या व ग्राम परिक्रमा पर रॉयल मंदाकिनी में कार्यक्रम एक बजे।

बारादरी में होगी फिल्मों की शूटिंग और शाही शादी

पर्यटन को पंख

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। धार्मिक और ऐतिहासिक नगरी बिठूर के पत्थर घाट पर स्थापित टिकैत राय बारादरी जल्दी ही फिल्मों की शूटिंग, शाही शादी के लिए पसंदीदा आयोजन स्थल बनेगी। इसके लिए बारादरी का सुंदरीकरण और विकास विरासत पर्यटन (हेरिटेज टूरिज्म) की तर्ज पर प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल से किया जाएगा। इस काम के लिए चयनित विकासकर्ता यहां रेस्टोरेंट, रिजार्ट, हेरिटेज होटल, थीम पार्क, म्यूजियम, वेलनेस सेंटर, होम स्टे, मॉल आदि की स्थापना करेगा।

टिकैत राय बारादरी के दिन बहुरने से बिठूर में पर्यटन विकास को भी पंख लगेंगे। फिल्म निर्देशकों के साथ थीम और डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए लोग आकर्षित होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधायक अभिजीत सिंह सांगा की पहल पर टिकैत राय बारादरी के विकास के लिए योजना बनाने के आदेश दिए थे। अब संबंधित योजना बनकर तैयार हो गई है। पीपीपी मॉडल से होने वाले बारादरी के सुंदरीकरण में इसकी स्थापना के इतिहास को भी दर्शाया जाएगा।

बिठूर में पत्थर घाट का नजारा। अमृत विचार

- बिठूर में गंगा के किनारे पत्थर घाट पर शिव मंदिर के पास बनी है बारादरी
- विरासत पर्यटन के तहत पीपीपी मॉडल पर सुंदरीकरण की योजना

अंग्रेजों ने तोड़ दिया था घाट के आगे का हिस्सा

घाट के आगे का हिस्सा अंग्रेजों ने तोड़ दिया था। वह जर्जर स्थिति में हैं। पुरातत्व विभाग बारादरी का संरक्षण कराने के लिए कवायद में जुट गया है। इस कार्य में पर्यटन विभाग भी मदद करेगा। चुनाव की अधिसूचना से पहले विकासकर्ता का चयन करने के प्रयास हो रहे हैं।

18वीं सदी में राजा टिकैत राय ने की थी मंदिर की स्थापना

पर्यटन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि राजा टिकैत राय अवध के नवाब गाजीउद्दीन हैदर के मंत्री भी थे। 18वीं सदी में राजा टिकैत राय ने ही शिव मंदिर की स्थापना की थी। इसके समीप ही 0.217 एकड़ में बारादरी की स्थापना 19वीं सदी में उनके द्वारा कराई गई थी। लाल बलुआ पत्थरों से बनाए गए शिव मंदिर की पहचान बिठूर ही नहीं आसपास के जिलों में भी है।

शिव मंदिर के चारों कोने में दिखते हाथी के मस्तक

इस बारादारी के निर्माण की कहानी काफी रोचक है। साल 1814 में मंत्री राजा टिकैत राय ने नवाब गजीउद्दीन हैदर को हाथी खरीदने के लिए कहा था। नवाब से मिले धन से टिकैत राय ने बिठूर में पत्थर घाट और मंदिर बनवा दिया। जब नवाब ने हाथी खरीदने के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि हाथी तो खरीद लिया हैं, किंतु वह गंगा के दूसरी तरफ है। उन्होंने नवाब को हाथी पर बिठाकर गंगा के दूसरी ओर से इस आकर्षक घाट को दिखाते हुए कहा कि वह देखिए हाथी वहां खड़ा है। नवाब इस चतुरता और घाट के सौंदर्य को देखकर बहुत खुश हुए। यहां अनूठी वास्तुकला में मंदिर के चारों कोने में हाथी के मस्तक दिखते हैं। यहां लगे त्रिशूल में लिखी भाषा अब तक कोई पढ़ नहीं पाया है।

हैरिटेज होटल में बदली जाएंगी पुरानी धरोहर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पर्यटन क्षेत्र विकसित करने के लिए विभाग करेगा सर्वेक्षण

अमृत विचार। कानपुर जिले का इतिहास गौरवशाली और ऐतिहासिक रहा है। इसलिए यहां पर हर साल पर्यटक घूमने आते हैं और यहां की खूबसूरती, इतिहास व धरोहर को निहारते हैं। वर्ष 2024 में कानपुर में अधिक से अधिक पर्यटक आ सकें, इसके लिए पर्यटक विभाग ने तैयारी शुरू की है। शहर के विरासत महत्व के भवनों को विभाग द्वारा हैरिटेज होटल में परिवर्तित किया जाएगा। इसके लिए विभाग शहर में जल्द सर्वे शुरू करेगा।

शहर के पर्यटन क्षेत्रों को विकसित करने के लिए पर्यटन उद्योग को प्रकृति, अध्यात्म संगीत व लोक कला से जोड़ने के लिए पर्यटक विभाग द्वारा योजना बनाई है। जिसमें विरासत महत्व के भवनों को हैरिटेज होटल में परिवर्तित किए जाने पर विशेष बल दिया जाएगा। इसके तहत 1950 से पूर्व निर्मित कुछ भवनों को हैरिटेज होटल में परिवर्तित करने को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए विभाग जल्द सर्वे शुरू करेगा। वहीं, स्वदेशी कला, संस्कृति, संगीत, हस्त कला, लोक नृत्य, प्राय विद्या व कला लोकनृत्य की विभिन्न विधाओं को पुनर्जीवित करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन भी दिया जाएगा। पर्यटन अधिकारी अर्जिता ओझा के मुताबिक टूरिज्म हॉस्पिटैलिटी और ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट स्थापित कर अतिथि सत्कार, सेवा व सहायता प्रबंधन सीखने के लिए मान्यता प्राप्त संस्थाओं को अनुदान, सहयोग व छूट दी जाएगी। पर्यटन के क्षेत्र में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जाएगा। ताकि टूरिस्ट गाइड के रूप में वह तैयार हो सकें। साहसिक पर्यटन, जल क्रीड़ा को बढ़ावा देने के लिए रिवर क्रूज टूरिज्म यूनिट बनेगी। जिसके लिए एमओयू हो चुका है। एडवेंचर टूरिज्म प्रोजेक्ट प्राप्त करने का भी कार्य किया जाएगा।

रमईपुर से कबरई तक फोरलेन हाईवे पैरवी नहीं होने से लटका

अब नई कार्ययोजना में शामिल किया जाएगा प्रोजेक्ट, बजट में होगा धन आवंटन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रमईपुर से हमीरपुर होते हुए कबरई जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग के समानांतर हाईवे बनाने की योजना फिलहाल इस वित्तीय वर्ष में परवान नहीं चढ़ सकेगी। अब नए वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना में इस फोरलेन हाईवे के निर्माण को नए सिरे से शामिल किया जाएगा और डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट पुनः भूमि अधिग्रहण समिति के समक्ष पेश करके मंजूरी ली जाएगी। इसके बाद जुलाई में पेश होने वाले आम बजट में केंद्र सरकार इसके लिए धनराशि आवंटित करेगी। वैसे तो इस परियोजना के इसी बजट में स्वीकृत होने की उम्मीद थी लेकिन उचित पैरवी नहीं होने से प्रोजेक्ट लटक गया। यह पैरवी सांसदों को करनी थी लेकिन किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया।

यमुना एक्सप्रेस-वे की तर्ज पर कानपुर से कबरई, छतरपुर होते हुए भोपाल तक फोरलेन हाईवे बनाने की योजना दो साल पहले घोषित हुई थी। कबरई से छतरपुर होते हुए भोपाल तक इस हाईवे का निर्माण कार्य चल रहा है, लेकिन कबरई से हमीरपुर, घाटमपुर होते हुए रमईपुर तक वाला हिस्सा अभी राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की कार्ययोजना में शामिल ही नहीं हो पाया है। सिर्फ इतना जरूर हुआ है कि पर्यावरण मंत्रालय की ओर से सशर्त एनओसी देने की सहमति दे दी गई है। भूमि अधिग्रहण समिति ने भी इस प्रोजेक्ट को प्राथमिक मंजूरी दी है। फोरलेन मार्ग कानपुर, फतेहपुर, कानपुर देहात, हमीरपुर और महोबा आदि जिलों से होकर गुजरेगा।

माना जा है कि इन क्षेत्रों के सांसदों के उचित पैरवी नहीं करने से भी परियोजना जमीन पर नहीं उतर पा रही है। यदि उचित पैरवी होती तो प्रोजेक्ट मंजूर हो जाता, क्योंकि कानपुर दौरे पर आए सड़क परिवहन एंव राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी इस फोरलेन निर्माण की घोषणा कर चुके हैं। अभी इस मार्ग पर मौजूदा हाईवे टू लेन होने की वजह से आए दिन हादसे होते हैं और लंबा जाम लगता है।

एनएचएआई के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि अब अगले वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना में प्रोजेक्ट को शामिल कर हरी झंडी दी जाएगी। आम बजट में निर्माण कार्य के लिए बजट आवंटन होगा। 112 किमी लंबे इस हाईवे के बन जाने से भोपाल तक आवागमन आसान हो जाएगा।

नौबस्ता से आगे रोज इसी तरह लगता जाम। अमृत विचार

अभी टू-लेन हाईवे पर रोज 30 हजार ट्रक-डंपर दौड़ते

हमीपुर, कबरई से बड़े पैमाने पर गिट्टी, मौरंग कानपुर, लखनऊ, सीतापुर, गोंडा, बहराइच, अयोध्या, लखीमपुर आदि जिलों को भेजी जाती है। हर दिन करीब 30 हजार डंपर और ट्रक गिट्टी, मौरंग लेकर जाते हैं। हाईवे पर हर दिन दो लाख से अधिक वाहन गुजरते हैं। इस वजह से घंटों जाम लगता है। आएदिन हादसे होते हैं।

- नए वित्तीय वर्ष में भूमि अधिग्रहण समिति की मंजूरी भी मिलेगी
- जुलाई में पेश होने वाले आम बजट में धन मिलने की आस

112 किलोमीटर लंबा होगा समानांतर हाईवे

37 सौ करोड़ रुपये लागत है प्रोजेक्ट की

700 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण होना है

ये भी जानें

- इस फोरलेन हाईवे की लागत 3700 करोड़ रुपये है। 2000 करोड़ रुपये भूमि अधिग्रहण पर खर्च होगा। कुल 700 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाना है।
- रमईपुर से कानपुर आउटर रिंग रोड शुरू होना है। रमईपुर से वर्तमान हाईवे तक 1.7 किमी लंबी सड़क बनाने की योजना है।
- इस हाईवे को बनाने में चार बड़े, छह छोटे पुल बनेंगे। साथ ही चार फ्लाईओवर और एक रेलवे ओवरब्रिज होगा। 21 अंडरपास बनाए जाएंगे।

हौसलों की उड़ान को सम्मान के पंख से मिलेगा सपनों का नया आसमान

RADIO ADDA ENTERTAINMENT KA ADDA | akshar group | अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रेडियो अड्डा कानपुर और अक्षर समूह कानपुर की ओर से 14 फरवरी को मोतीझील स्थित लाजपत भवन में सम्मान समारोह आयोजित होगा। इसमें विपरीत परिस्थितियों में अपना मुकाम हासिल करने वाले लोगों को 'उत्तर प्रदेश आइकॉनिक अवॉर्ड' दिया जाएगा। समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में पूरे देश से नामी हस्तियां शामिल होने शहर आ रही हैं। इस समारोह का मीडिया पार्टनर 'अमृत विचार' है।

यह जानकारी गुरुवार को रेडियो जॉकी दिलीप सिंह व ब्रॉडकॉस्टर ममता दीक्षित ने दी। उन्होंने बताया कि सम्मान समारोह में प्रदेश सरकार के मंत्री डॉ. रघुराज सिंह मुख्य अतिथि होंगे। पुलिस आयुक्त अखिल कुमार और विधायक अभिजीत सिंह सांगा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वार्ता में रेडिया अड्डा के निदेशक विशाल शर्मा व रेडियो जॉकी सेजल ठाकुर ने बताया कि समारोह में शहरवासियों को रेडियो और टीवी जगत की कई बड़ी हस्तियों से रूबरू होने का मौका मिलेगा।

पत्रकारों से बात करते आरजे दिलीप सिंह, ममता दीक्षित, विशाल शर्मा और शेजल।

यूपी आइकॉनिक अवॉर्ड

- रेडियो अड्डा की ओर से 14 फरवरी को लाजपत भवन में होगा समारोह
- विपरीत परिस्थितियों में मुकाम हासिल करने वाले किए जाएंगे सम्मानित

मीडिया, स्टार्ट अप, सेवा व शिक्षा में मिलेंगे अवॉर्ड

समारोह में 15 कैटेगरी में अवॉर्ड दिए जाएंगे। इनमें इंटरटेंटमेंट, मीडिया, सोशल वर्क, हॉस्पिटिलटी, हेल्थ केयर, रियल इस्टेट, स्टार्टअप, ब्यूटी एण्ड वेलनेस, एग्रीकल्चर, एजुकेशन, आर्ट, एनजीओ व कॉरपोरेट प्रमुख होंगे।

युवाओं को मिलेगा प्रशिक्षण

वार्ता में बताया गया कि रेडियो अड्डा की ओर से आवाज की दुनिया में करियर बनाने वाले युवाओं को प्रशिक्षित भी किया जाएगा। इस प्रशिक्षण के लिए संस्थान की ओर से योग्य व अनुभवी प्रशिक्षकों की व्यवस्था की गई है। रेडियो क्षेत्र में करियर की अपार संभावनाएं हैं इसे देखते हुए यह कदम उठाया गया है।

बच्चों के भोजन में सरकारी कटौती...

मिड डे मील योजना निम्न आय वर्ग के बच्चों के पोषण स्तर में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए सरकारी प्राथमिक विद्यालय में छात्र-छात्राओं को भारत सरकार द्वारा संचालित एन.जी.ओ. द्वारा पकाया हुआ मध्यान्ह भोजन मुहैया कराया जाता है। सरकारी भ्रष्टाचार का शिकार बने छात्र-छात्राओं को मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता में देखा जा सकता है जहां सिर्फ नाम की दाल में पानी की मात्रा अधिक, सब्जी में सोयाबीन की जगह आलू परोसा जाता है। बच्चों को दूध माह में सिर्फ एक दिन नसीब होता है। अगर सस्ते फल मिल गए तो बाँट दिया जाता है और जब मन नही हुआ तो भोजन विद्यालयों को नही भेजा जाता। जैसे सर सैया घाट स्थित प्राथमिक विद्यालय में 05 फरवरी 2024 सोमवार को बच्चों को भोजन नही मिला क्यौंकि एन.जी.ओ. ने भोजन भेजा ही नही। अमृत विचार

जोन कार्यालयों में दो दिन विशेष कैंप

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- 10 व 11 को गृहकर, नाम परिवर्तन, कर निर्धारण समस्या का होगा समाधान
- नगर निगर को कामर्शियल संपत्तियों से वसूलने हैं अभी 250 करोड़ रुपये

अमृत विचार। नगर आयुक्त शिवशरणप्पा जीएन ने 10 और 11 फरवरी शनिवार व रविवार को नगर निगम के समस्त जोनल कार्यालय में विशेष कैंप आयोजित करने के निर्देश दिये हैं। इस कैंप में नाम परिवर्तन, कर निर्धारण, वसूली एवं गृह कर से संबंधित सभी समस्याओं का निस्तारण किया जाएगा। इसके साथ ही कामर्शियल भवनों से बकाया 250 करोड़ रुपये वसूली पर जोर रहेगा।

नगर आयुक्त ने कामर्शियल संपत्तियों से शत प्रतिशत वसूली का अल्टीमेटम जोनल अधिकारियों को जारी किया है। शासन की ओर से दिये गये 414.25 करोड़ रुपये के लक्ष्य के सापेक्ष जोनल अधिकारी 50 फीसदी भी वसूली नहीं कर सके हैं। नगर निगम के जोन-1 में कुल 14993 कामर्शियल संपत्तियां हैं। इनमें से अभी तक 6765 संपत्तियों से वसूली नहीं हो सकी है। इन संपत्तियों से 121.95 करोड़ की वसूली करनी है। जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 के खत्म होने में दो महीने से कम समय बचा है। इसी तरह जोन-2 में 10391 कामर्शियल संपत्तियां हैं जिनमें से अभी तक 5118 संपत्तियों से वसूली नहीं हुई है। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी के मुताबिक इस जोन में 32.92 करोड़ रुपये की वसूली बाकी है। जोन-5 में 13020 संपत्तियों में 5137 कामर्शियल संपत्तियों से 60.02 करोड़ रुपये तो जोन-6 में अभी 7993 संपत्तियों में से 3588 कामर्शियल संपत्तियों से 20.23 करोड़ रुपये वसूली की जानी है। नगर आयुक्त ने शासन के निर्देश पर जल्द वसूली करने के निर्देश दिये हैं। शनिवार और रविवार को जोनल कार्यालयों में नाम परिवर्तन, कर निर्धारण एवं गृह कर की समस्याओं का निस्तारण किया जाएगा।

10 पार्कों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के लिए सर्वे

इंदिरा नगर में स्थापित रेन वॉटर हार्वेस्टिंग पार्क। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर के 10 पार्कों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। पनकी तापीय विस्तार परियोजना पनकी के सीएसआर फंड से यूपी स्मॉल इंडस्ट्रीज कारपोरेशन वर्ष जल संचयन के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग बनाएगा। विभाग ने अनापत्ति प्रमाण पत्र के लिए नगर निगम को पत्र भेजा था। इसे लेकर उद्यान विभाग ने पार्कों का सर्वे शुरू किया है।

यूपी स्मॉल इंडस्ट्रीज कारपोरेशन के अधिशाषी अभियंता निर्माण खंड एके झा के अनुसार पार्क में प्लांट को लगाने के लिए एनओसी मिलते ही काम शुरू कर दिया जाएगा। शहर में भूमिगत जल स्तर में वृद्धि के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम जरूरी है। केडीए ने भी अपने सभी बड़े भूखंडों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग बनाने के निर्देश दिये हैं। अब नगर निगम के पार्कों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम विकसित करने की योजना है। इसके लिए यूपी स्मॉल इंडस्ट्रीज कारपोरेशन ने 10 पार्कों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने की तैयारी शुरू कर दी है।

शहर में 1086 तालाब पर 286 में कब्जे

शहर में धीरे-धीरे तालाबों की संख्या कम होती जा रही है, जबकि भूमिगत पानी का स्तर दुरुस्त करने तलाब सहायक होते हैं। नगर निगम के सर्वे के मुताबिक शहर में 1086 तालाब हैं, इनमें से 286 तालाब पर कब्जा है। वहीं, शासन की मंशा के अनुरूप रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित नहीं किया जा रहा है। जिससे जलस्तर रिचार्जिंग नहीं हो रहा है।

इन पार्कों में बनेंगे प्लांट

आंबेडकरपुरम कल्याणपुर पार्क, हनुमान पार्क कौशलपुरी, माधव वाटिका केशवपुरम, आनंदधाम मंदिर पार्क आनंदपुरी, केशव मधुबन पार्क केशव नगर, तुलसी विहार उद्यान पार्क साकेत नगर, केडीए सिग्नेचर ग्रीन्स विकास नगर, बाला जी पार्क वाई ब्लाक किदवई नगर, जे-2 पार्क विजय नगर, एसजीएम पार्क इंद्रा नगर कल्याणपुर।

दुखद | मानस संगम के संस्थापक समाजसेवी डॉ. बद्रीनारायण तिवारी का निधन, पार्थिव शरीर आज जीएसवीएम मेडिकल कालेज को सौंपा जाएगा

राम कथा के साथ तुलसी और गंगा को देश-दुनिया में पहुंचाया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। मानस संगम के संस्थापक साहित्य मनीषी समाजसेवी डॉ बद्रीनारायण तिवारी गुरुवार को नहीं रहे। उनकी इच्छा के अनुसार उनका पार्थिव शरीर शुक्रवार को जीएसवीएम मेडिकल कालेज को सौंपा जाएगा। सनातन धर्म को मानने वाले डॉ. तिवारी चाहते थे कि उनका शरीर चिकित्सा छात्रों के शोध में काम आए। उनका पूरा जीवन साहित्य सेवा में समर्पित रहा। वह हिंदी साहित्य के मूर्धन्य सेवक थे तो राम के आदर्शों को देश-विदेश में जन-जन तक पहुंचाने के लिए मानस संगम के जरिए लगातार प्रयासरत रहे।

डॉ. बद्रीनारायण।

विद्यावाचस्पति मानद उपाधि से सम्मानित डॉ. बद्रीनारायण तिवारी का जन्म 13 दिसंबर 1934 को प्रयागनारायण शिवाला, गिलिस बाजार में हुआ था। वह जब डेढ़ साल के थे तभी उनके पिता समाजसेवी शेषनारायण तिवारी उन्हें छोड़कर परलोक सिधार गए। वह म्युनिसिपल कमिश्नर थे।

हिंदी सेवा के लिए मिले सम्मान और उपाधियां

मॉरीशस ने उन्हें हिंदी सेवा के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सम्मान दिया। राजस्थान के राज्यपाल ने राष्ट्रीय एकता के लिए सम्मानित किया। मारीशस सरकार ने महर्षि अगस्त्य-2003 सम्मान। उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान ने हिंदी सेवा सम्मान। हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग की सर्वोच्च उपाधि साहित्य वाचस्पति। गुजरात हिंदी विद्यापीठ से साहित्य श्री उपाधि। मध्य प्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन का सम्मान।

डॉ बद्रीनारायण ने अपने जीवन काल में अनगिनत उपलब्धियों को हासिल किया। सांस्कृतिक सद्भाव, राष्ट्रीय एकीकरण, सामाजिक और साहित्यिक विषयों पर 75 से ज्यादा पुस्तकों का संपादन एवं लेखन किया। उन्हें डॉक्टरेट की उपाधि मिली तो उन्हीं पर शोध करके डॉक्टरेट पाने वालों की भी संख्या कम नहीं है।

इनमें मुस्लिम कलाकारों की इंद्रधनुषी रामकथा और मुस्लिम साहित्यकार, विश्वकवि तुलसी और मुस्लिम कलमकार, वोल्गा और गंगा के सेतु वारान्निकोव, रूस के तुलसीदास जैसी पुस्तकें शामिल हैं। वर्ष 2011 से 2015 तक भारत सरकार के मानव संसाधन मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग, हिंदी भाषा उत्थान के लिए गठित कमेटी के वह मनोनीत सदस्य रहे। अपनी छवि के विपरीत उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर मेयर का चुनाव लड़ा पर जनता ने उन्हें उनकी मूल और मौलिक छवि तक ही सीमित रखा। यह चुनाव उनको राजनीति के छिछलेपन से दूर रहने का सबक दे गया।

मोतीझील में बनाया तुलसी उपवन

25 सितंबर 1981 तुलसी उपवन का निर्माण कराकर उन्होंने नगर निगम को समर्पित किया। यह लोगों के लिए प्रेरक और दर्शनीय स्थल है। यहां हर साल तुलसी जयंती मनायी जाती है। यहां तुलसीदास की प्रतिमा के साथ शबरी, राम-केवट, जटायु मिलन की प्रतिमाएं हैं। वह गोस्वामी तुलसीदास के अनन्य उपासक और समाजसेवा के प्रतिमान रहे। हर जाति, वर्ग के साहित्यकारों को मंच दिया।

शहीद उपवन बनाया: स्वाधीनता संग्राम में देश के लिए जान देने वाले 1857 के कांतिवीरों और वीरांगनाओं के लिए नानाराव पार्क में 1992 में डॉ. बद्री नारायण तिवारी ने शहीद उपवन स्थापित किया। यहां पर 51 क्रांतिवीरों की मूर्तियां स्थापित कराकर शिलालेख लिखवाए।

हिस्ट्रीशीटर अजय ठाकुर पर अब 50 हजार का इनाम

बर्रा में रैली पर पथराव कर फैलाई थी दहशत, फरार है अब तक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर।

अमृत विचार। बर्रा थानाक्षेत्र में केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के अपना दल एस के कार्यकर्ताओं पर पथराव करके दहशत फैलाने वाले हिस्ट्रीशीटर अजय ठाकुर पर इनामी राशि अब 50 हजार रुपये कर दी गई है। जानलेवा हमले में थानाक्षेत्र के गैंगस्टर और हिस्ट्रीशीटर अजय ठाकुर और उसके गुर्गों का नाम सामने आया था। जिसके बाद से वह लगातार फरार चल रहा है। इस मामले में डीसीपी साउथ रवींद्र कुमार ने अजय ठाकुर पर 25 हजार का इनाम घोषित किया था। अब इनाम राशि बढ़ा दी गई है। अजय और उसके साथियों की तलाश में बर्रा, गुजैनी, हनुमंत विहार व नौबस्ता पुलिस के साथ सर्विलांस और क्राइम ब्रांच की टीमें लगी हुई हैं।

हिस्ट्रीशीटर अजय ठाकुर।

अपना दल एस के तीसरी बार के जिलाध्यक्ष बने नवीन श्रीवास्तव के स्वागत में बर्रा में बाइक रैली निकाली गई थी। रैली पर बर्रा थानाक्षेत्र के जरौली फेज एक में गैंगस्टर और हिस्ट्रीशटर अजय ठाकुर की गली में पहुंची तो वहां अजय और रैली निकाल रहे गुट के बीच विवाद हो गया था। गाली गलौज का कुछ कार्यकर्ताओं ने विरोध किया तो अजय ने अन्य गुर्गों के साथ मिलकर जानलेवा हमला कर दिया था। पथराव और लोहे की रॉड से किए गए हमले में कुछ बाइक व स्कूटी टूट गईं, जबकि आर्यन कटियार व कन्हैया घायल हो गए थे। मामला केंद्रीय मंत्री से जुड़ा होने के कारण पुलिस शिथिलता नहीं बरत रही है। लेकिन तमाम तेज तर्रार आईपीएस और सर्विलांस सिस्टम होने के बाद भी आरोपी को ट्रेज नहीं कर पा रही है। जिससे वह बीच बीच में सोशल मीडिया पर लाइव आकर अपने को बेगुनाह बताता है। आरोपी ने इस विवाद के बाद 13 वर्षीय किशोरी का अश्लील वीडियो बनाकर रुपये मांगने व मारपीट करने के मामले में भी अंशू सिह सेंगर, अजय ठाकुर, अभय भदौरिया, अनूप शुक्ला, सत्यम तिवारी, वैभव तिवारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी।

सड़क हादसों में दो की मौत, दो घायल भी

कानपुर। चकेरी थानाक्षेत्र में दो अलग-अलग सड़क हादसों में अधेड़ और महिला की मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। न्यू पटेल नगर निवासी चन्द्र शेखर बुधवार देर शाम अपनी पत्नी 50 वर्षीय रीना व भतीजी रिया को स्कूटी से लेकर जा रहे थे। तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे रीना की मौत हो गई। वहीं चंद्र शेखर और रिया घायल हो गए। इसी प्रकार थानाक्षेत्र के कोयला नगर क्षेत्र में पीएसी मोड़ बाईपास पर अज्ञात वाहन की टक्कर से 53 वर्षीय अधेड़ की मौत हो गई। कोयला नगर चौकी प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि वह कूड़ा बीनता था।

डॉ प्रियरंजन के विदेश भाग जाने की आशंका

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चकेरी थानाक्षेत्र में किसान बाबू सिंह यादव की आत्महत्या मामले में पुलिस ने बाल संरक्षण आयोग के सदस्य डॉ प्रियरंजन अंशु दिवाकर के साले व एक अन्य व्यक्ति को फरार माना है। आईजीआरएस पर दाखिल एक प्रश्न का पुलिस ने जवाब लगाया जिसमें यह खुलासा हुआ है।

किसान बाबू सिंह आत्महत्या मामले में प्रियरंजन अशु दिवाकर और बबलू फरार चल रहे हैं। पुलिस ने फरार आरोपियों पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया है। आईजीआरएस पर पुलिस कार्रवाई के संदर्भ में पूछे गये प्रश्न का चकेरी पुलिस ने जवाब दाखिल किया है। जिसमें प्रियरंजन के साले राजन कुमार वर्मा और अशोक कुमार को भी अभियुक्त मानते हुए फरार बताया है। पुलिस ने प्रियरंजन अंशु के विदेश भागने की आशंका के चलते उसके पासपोर्ट के संबंध में पत्राचार भी किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की हरसंभव ठिकाने पर तलाश की जा रही है। 9 सिंतबर 2023 को साढ़े छह करोड़ की जमीन को धोखाधड़ी से हड़पने के मामले में बाबू सिंह ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली थी। जिसके बाद उसकी पत्नी बिटान देवी ने डॉ प्रियरंजन अंशु दिवाकर समेत छह लोगों पर संगीन धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई थी। इस मामले में प्रियरंजन और बब्लू पांच माह से फरार है।

फरार डॉ. प्रियरंजन।

- प्रियरंजन, साले व एक अन्य को पुलिस ने फरार माना

कचहरी के बाहर भिड़े दो अधिवक्ता

कानपुर। कोतवाली थानाक्षेत्र के कचहरी के बाहर बनी चौकी के पास वकीलों के दो पक्ष आपस में भिड़ गए। इसके बाद दोनों ही पक्ष मेस्टन रोड स्थित कोतवाली पहुंचे, वहां भी झगड़ा शुरू हो गया। इसके बाद दोनों पक्ष पुलिस ऑफिस मामले की शिकायत लेकर पहुंचे तो वहां भी टकराव हो गया। दोनों ही पक्षों ने कोतवाली में तहरीर दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

कचहरी में वकीलों के दो पक्षों के बीच कहां सुनी हुई, इसके बाद दोनों ही पक्ष बाहर की चौकी के पास आकर झगड़ा करने लगे। एक दूसरे पक्ष पर मारपीट का आरोप लगाया है। संदीप कुमार और शौर्य कुमार ने एक दूसरे के खिलाफ और अन्य अधिवक्ताओं के नाम तहरीर दी है। एडीसीपी लखन यादव ने बताया की वकील के दो पक्षों के बीच झगड़े की बात सामने आई है। दोनों से तहरीर ली गई है। मारपीट की बात को लेकर के सीसीटीवी फुटेज भी देखे जा रहे हैं।

एक नजर

करौली शंकर धाम में पूर्वज मुक्ति यज्ञ आज

कानपुर : करौली शंकर महादेव धाम करौली में शुक्रवार को माघ मास की अमावस्या पर पूर्वज मुक्ति यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। करौली शंकर महादेव महाराज ने बताया कि पूर्वजों की मुक्ति के बिना सुख, समृद्धि संभव नहीं है। यदि आप चैन से रहना चाहते हैं तो पूर्वजों की मुक्ति अवश्य कराएं। महाराज श्री ने कहा कि करौली शंकर धाम में प्रत्येक अमावस्या पर यज्ञ का आयोजन किया जाता है। जोकि नि:शुल्क है।

आरसी शर्मा बने सहायक प्रादेशिक आयुक्त

कानपुर। उत्तर प्रदेश संस्था भारत स्काउट और गाइड के प्रादेशिक मुख्यायुक्त डॉक्टर प्रभात कुमार ने आरसी शर्मा को प्रदेश कार्यकारिणी में सहायक प्रादेशिक आयुक्त स्काउट पद पर नामित किया है। आरसी शर्मा भारत स्काउट और गाइड कानपुर नगर में दो बार जिला मुख्यायुक्त का दायित्व संभाल चुके है। इससे पहले वह सुभाष स्मारक इंटर कॉलेज साकेत नगर कानपुर के प्रधानाचार्य भी रह चुके है। उन्हें राज्यपाल की ओर से राज्य अध्यापक पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

54 लाख टीडीएस वसूला

कानपुर। न्यू कानपुर सिटी में बिना टीडीएस कटौती किए किसानों के खाते में भेजी गई रकम से टीडीएस की शत प्रतिशत वसूली हो गई है। गुरुवार को केडीए सचिव ने बताया कि 25 किसानों के खाते में ट्रांसफर टीडीएस का 54 लाख रुपए प्राधिकरण को मिल गया है। इसकी रिपोर्ट तैयार करके डीएम/वीसी के माध्यम से अपर मुख्य सचिव को भेजी जा रही है।

बच्ची से दुष्कर्म करने के आरोपी को भेजा जेल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर।

अमृत विचार। चकेरी थानाक्षेत्र में घर में अकेला पाकर आठ साल की बच्ची से दुष्कर्म करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है।

चकेरी निवासी पीड़ित पिता ने आरोप लगाया था कि उनके मकान में किराये पर बाइक सर्विस की दुकान चलाने वाले सिद्धार्थनगर के खसराहा पिंडारी निवासी मुकेश गुप्ता ने 28 जनवरी को उनकी आठ वर्षीय बेटी को घर में अकेला पाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। फिर आरोपी बेटी को धमकाकर चला गया था। शुरू में पुलिस ने परिजनों को टरका दिया था।

इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार दुबे ने बताया कि आरोपी मुकेश को सनिगवां स्थित बाबा होटल से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी घटना के बाद से छिपकर रह रहा था। साथ ही शहर से बाहर भागने की फिराक में था।

शिक्षक के घर पथराव करने वाले अहिरवां की तरफ से आए थे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर।

अमृत विचार। चकेरी थानाक्षेत्र में श्याम नगर इलाके में देर रात शिक्षक के घर पथराव और आग लगाने के प्रयास के मामले में पुलिस फुटेज की मदद से आरोपियों की तलाश में जुट गई है। पुलिस ने पीड़ित के घर से रामादेवी चौराहे तक के कई फुटेज खंगाले हैं। जिसमें स्कूटी सवार आरोपी अहिरवां की तरफ से आते दिखे हैं।

श्याम नगर सी-ब्लॉक निवासी शिक्षक राकेश पांडेय के घर पर मंगलवार देर रात स्कूटी सवार तीन युवकों ने पथराव कर आग लगाने का प्रयास किया था। घटना उनके घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की थी। पुलिस ने शिक्षक के घर से लेकर रामादेची चौराहे तक के फुटेज खंगाले हैं। जिसमें आरोपी स्कूटी से अहिरवां की तरफ आते जाते दिख रहे हैं। इससे स्पष्ट हो रहा है कि आरोपी अहिरवां की तरफ के रहने वाले हैं।

इसके आगे के फुटेज भी पुलिस देख रही है। श्याम नगर चौकी प्रभारी विपिन बघेल ने बताया कि फुटेज के माध्यम से आरोपियों की तलाश लगातार जारी है। अब अहिरवां की तरफ के फुटेज देखे जा रहे हैं। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

- चकेरी थानाक्षेत्र में देर रात घर में आग लगाने का किया था प्रयास

चोरों ने चाय बनाकर पी और घर में चोरी की

कार्यालय संवाददाता, कानपुर।

अमृत विचार। चकेरी थानाक्षेत्र में श्याम नगर इलाके में चोरों ने बंद पड़े मकान का ताला तोड़कर चोरी की। चोरों ने चोरी करने के दौरान चाय बनाकर भी पी। अलमारी का ताला तोड़कर नकदी और जेवरात समेत 12 लाख के माल पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस ने जांच शुरू की। जवाहरपुरम निवासी रानी त्रिपाठी अपनी बेटी नीतिका और बेटे ईशू के साथ रहती हैं। उनके पति की मौत हो चुकी है। रानी के अनुसार बेटा रामादेवी स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती था। बुधवार को दोनों मां बेटी अस्पताल में थे। घर में ताला लगा हुआ था।

तभी चोर दीवार फांदकर घर में घुसे और करीब 90 हजार की नकदी और 11 लाख की कीमत के जेवरात पार कर दिए। गुरुवार दोपहर को जब मां बेटी घर पहुंची तो चोरी की जानकारी हुई। रानी के अनुसार उनके घर में चोरों ने चाय बनाकर पीने के बाद चोरी की।

एएनएम करेंगी कैंसर और मधुमेह की स्क्रीनिंग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। एएनएम अपने क्षेत्रों में रहने वाले 30 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की कैंसर की स्क्रीनिंग करेंगी, जिसके लिए उनको तीन दिन तक उर्सला अस्पताल में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा सभी एएनएम हाइपरटेंशन, मानसिक रोग व डायबिटिज आदि रोगों से ग्रस्त मरीजों को स्वास्थ्य केंद्र में ही इलाज के लिए सहायता भी प्रदान करेंगी।

उर्सला अस्पताल के सभागार में गुरुवार को एनसीडी कार्यक्रम के तहत एनसीडी माड्यूल के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण की शुरुआत की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रथम बैच में शामिल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरसौल, चौबेपुर व बिधनू के अंतर्गत कार्यरत एएनएम को शामिल किया गया।

शासन से प्रशिक्षण प्राप्त कर उर्सला आए प्रशिक्षक डॉ. एसके निगम, प्रताप सिंह यादव, नितिन कुमार व ज्योति सिंह ने सभी एएनएम को प्रशिक्षण दिया। सीएमओ डॉ.आलोक रंजन ने बताया कि एएनएम अपने कार्य क्षेत्रों में मौजूद 30 वर्ष से अधिक उम्र के प्रत्येक व्यक्तियों की हाईपरटेंशन, डायबटीज, मानसिक रोग व कैंसर की स्क्रीनिंग करने काम करेंगी। साथ ही बीमारी से ग्रस्त मरीजों को संबंधित स्वास्थ्य केंद्र से इलाज कराने में मदद भी करेंगी। एनसीडी के नोडल अधिकारी डॉ.एसपी यादव ने बताया कि एएनएम स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ पहुंचाने के साथ ही इन बीमारी सें बचाव, इलाज व रोकथाम के प्रति भी लोगों को जागरूक करेंगी। साथ ही रोगियों की अलग-अलग रिपोर्ट तैयार कर संबंधित स्वास्थ्य केंद्रों में देंगी।

बताया कि प्रथम बैच को 10 फरवरी तक प्रशिक्षण दिया जाएगा। उसके बाद द्वितीय बैच में शामिल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पतारा, घाटमपुर व कल्याणपुर की एएनएम को सम्मिलित किया जाएगा, जिनका प्रशिक्षण कार्यक्रम 12 फरवरी से 14 फरवरी तक चलेगा। इसके बाद अन्य बचे हुए स्वास्थ्य केंद्र की एएनएम के प्रशिक्षित करने का काम किया जाएगा।

- उर्सला अस्पताल के सभागार में दिया जाएगा प्रशिक्षण
- अस्पताल में तीन दिवसीय प्रशिक्षण की शुरुआत

15 या 45 दिन में पेमेंट की बाध्यता से बंद होंगे उद्योग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आयकर की धारा 43 बी के तहत एमएसएमई की सूक्ष्म व लघु उद्योग को 15 दिन या अनुबंध के तहत 45 दिनों में पेमेंट देने की बाध्यता का अब विरोध शुरू हो गया है। कारोबारियों का कहना है कि इस नियम से इकाइयों से व्यापार बंद होने की आशंका बढ़ी है।

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की बैठक में तय हुआ कि धारा 43 बी को इस वित्तीय वर्ष में स्थगित करने की मांग को लेकर व्यापक अभियान चलाया जाएगा। सरकार से मांग की जाएगी कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में एमएसएमई व जीएसटी के तहत पंजीकृत व्यापारियों व उद्यमियों की राय से पेमेंट देने की एक समय सीमा निर्धारित की जाए। व्यापारी व उद्यमी केंद्रीय वित्त मंत्री को ज्ञापन ई मेल के माध्यम से भेजेंगे।

कारोबारियों ने आयकर की धारा पर चिंता जताई। अमृत विचार

कानपुर इनकम टैक्स बार एसोसिएशन की डायरेक्ट टैक्स स्टडी सर्किल कमेटी के चेयरमैन व सीनियर चार्टर्ड अकाउंटेंट दीप कुमार मिश्र ने बताया कि एमएसएमई की सूक्ष्म व लघु इकाइयों को उनके खरीददार द्वारा 31 मार्च 2024 के उपरांत बकाया धनराशि जाने पर उसकी बकाया धनराशि पर बैंक ब्याज का तीन गुना पेनाल्टी भी देनी होगी। बकाया धनराशि को इस वर्ष की इनकम मानते हुए टैक्स आरोपित किया जाएगा, इसलिए इस नियम पर संशोधन करने की आवश्यकता है। मंडल के प्रदेश वरिष्ठ महामंत्री ज्ञानेश मिश्र ने कहा कि पहले ये नियम व धारा 43 बी ठीक लग रहा था, लेकिन जिन सूक्ष्म व लघु उद्यमियों के लिए ये नियम लागू हो रहे हैं उन्हें ही नुकसान होने की संभावना है। खरीददार व्यापारियों ने इन सूक्ष्म व लघु इकाइयों से खरीददारी बंद कर रहे हैं। महानगर अध्यक्ष गुरुजिंदर सिंह ने कहा कि सूक्ष्म व लघु उद्यामियों के लिए लाई गई नियमावली दिक्कत का कारण है, पेमेंट समय से मिलने का नियम सभी तरह के उद्यामियों व व्यापारियों के लिए लागू होना चाहिए। बैठक में प्रमुख महानगर वरिष्ठ महामंत्री मनीष गुप्ता सलोने, कोषाध्यक्ष विजय गुप्ता गोरे, संगठन महामंत्री चंद्राकर दीक्षित, युवा अध्यक्ष आशीष मिश्र, संयुक्त महामंत्री संजय मिश्र, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश आहूजा, अलोक श्रीवास्तव, अब्दुल वहीद, जीतेन्द्र सिंह, व रतन सिंह, युवा महामंत्री मनोज विश्वकर्मा व विनायक पोद्दार, किशोर सक्सेना, अनुराग जायसवाल, पवन गुप्ता, भूपिंदर सिंह मौजूद रहे।

भूमिगत लाइन के लिए टेंडर जारी

कानपुर। केस्को ने बिरहाना रोड में बिजली केबिलों को भूमिगत करने का टेंडर जारी कर दिया है। नगर निगम से भी स्वीकृति मिल गई है। अब बिरहाना रोड की केबिलों को 2.19 करोड़ रुपये से भूमिगत किया जाएगा। वहीं, 40 दुकानों ने भी सौंदर्यीकरण कराने के लिए भी हामी भर दी है। केस्को अधिकारियों के मुताबिक टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद भूमिगत केबिलों बिछाने का काम जल्द शुरू कराया जाएगा।

500 शेयर हड़पने के बाद मांगी रंगदारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर।

अमृत विचार। नवाबगंज थानाक्षेत्र में कृष्णा अपार्टमेंट विष्णुपुरी निवासी राजेश मेहरोत्रा ने पुलिस को बताया कि उन्हें झूठे मुकदमों में इसपियम इंजन प्रा लि के पदाधिकारी ने वर्ष 2008 में फंसाया था। इन लोगों ने इसी कंपनी के कूटरचना कर उनके 500 शेयर हड़प लिए। उन्होंने बताया कि 29 मार्च 2021 को समिता नन्दा, गौतम नन्दा, वर्तिका दबे, सुभाष पाण्डेय और अन्य तीन अज्ञात लोग उनके घर में जबरन घुस आए और उनके पिता को जान से मारने की धमकी देते हुए फर्जी मुकदमों में फंसाने की धमकी की। आरोप लगाया कि नौ अक्टूबर 2021 की सुबह आठ बजे उक्त आरोपी जबरन घर में घुस आये और चाकू दिखाकर रुपये की मांग। आरोप लगाया कि इसकी वजह से दहशत में उनके पिता को ह्रदयाघात आ गया और उनकी मृत्यु हो गई। आरोप है कि एक जनवुरी 2024 को यह लोग फिर से जबरन घर में घुस आए और 50 लाख रुपये की मांग करने लगे।

आरोप है कि घटना की सूचना उन्होंने नवाबगंज पुलिस और एसीपी कर्नलगंज से की थी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिसके बाद पुलिस कमिश्नर के आदेश पर नवाबगंज थाने में पीड़ित की तहरीर पर सुमित नंदा, गौतम नंदा, वर्तिका दुबे, सुभाष पांडेय और तीन अन्य के खिलाफ बलवा, रंगदारी, धमकाने में मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

सार-संक्षेप

केडीए सचिव के दौरे में गायब कर्मचारियों का रोका वेतन

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण की हालत खराब है। जनता अधिकारियों और बाबुओं से मिलने के लिये चक्कर लगाती रहती है, लेकिन वह कुर्सी पर नहीं मिलते हैं। गुरुवार को केडीए सचिव शत्रोहन वैश्य के औचक निरीक्षण में इस बात की तस्दीक भी हो गई। जिसके बाद गायब कर्मचारियों का वेतन रोक दिया गया। केडीए सचिव ने सुबह 10 बजकर 30 मिनट पर विभाग का निरीक्षण किया तो तमाम बाबू और अफसर गायब मिले। निरीक्षण शुरू होते ही कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। कोई रास्ते में था तो कोई अफसर बंगले से बैठ कर कार्यालय चला रहा था। हालांकि, स्टाफ को निरीक्षण की भनक पहले से लग गई थी तो काफी स्टाफ ड्यूटी पर था। वहीं, सचिव के निरीक्षण की खबर मिलते ही दलाल वहां से खिसक लिए। शत्रोहन वैश्य ने बताया कि निरीक्षण के दौरान जो कर्मचारी या अधिकारी गैरहाजिर मिले। उनका स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है। कुछ ऐसे भी हैं, जो लगातार पिछले तीन औचक निरीक्षण में गैरहाजिर मिले। कार्मिक प्रभारी को निर्देशित किया है कि ऐसे कर्मचारियों को चिन्हित करते हुए उनका वेतन रोक दिया जाए। जद में आएंगे। यह कवायद बेहद गोपनीय तरीके से चल रही है। डीएम/वीसी तक नाम जाएंगे।

पाठ्यक्रम में शामिल हो रामचरितमानस

कानपुर। उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित महाविद्यालय एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय त्रिवेदी ने गुरुवार को विशेष सचिव उच्च शिक्षा डॉ अखिलेश मिश्रा से मुलाकात की7 इस दौरान उन्होंने विभिन्न मांग भी रखी। उन्होंने बैंक ऑफ़ बड़ौदा के पूर्व निदेशक आरसी त्रिवेदी की लिखित पुस्तक भुसुंडी गरुड़ संवाद उन्हें भेंट की और कहा कि श्री रामचरितमानस पर आधारित इस पुस्तक में छात्र और शिक्षक के बीच में होने वाले संवाद विस्तार से दिए हुए हैं। इसके अलावा पुस्तक में शिक्षक की ओर से छात्रों को तरह-तरह से समझने के ढंग को भी प्रस्तुत किया गया है। यह पुस्तक महाविद्यालय व अन्य शिक्षण संस्थानों में पूरी तरीके से उपयोगी है। इसके साथ ही अध्यापक शिक्षा में संचालित होने वाले पाठ्यक्रमों जैसे बीएड, बीटीसी आदि कोर्सों के लिए भी श्री रामचरितमानस आज भी बहुत ही उपयोगी है।

सर्राफा व्यापारी की आंखों से चमकेगी दो की जिंदगी

कानपुर। गांधीग्राम के केदारधाम अपार्टमेंट निवासी राजेंद्र कुमार अग्रवाल (75 वर्ष) सर्राफा व्यापारी थे, जिसका गुरुवार दोपहर बीमारी के चलते देहांत हो गया। कृष्णा नगर के नेत्रदान से प्रभावित परिजनों ने नेत्रदान सहयोगी वरिष्ठ पत्रकार अनिल पांडे के माध्यम से व्यापारी का नेत्रदान करने के संबंध में पूर्व पार्षद व नेत्रदान प्रेरक मदन लाल भाटिया से संपर्क किया। मदन लाल भाटिया ने जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. शालिनी मोहन को सूचना दी। सूचना पर जीएसवीएम से डॉ.रोहित गुप्ता व डॉ. ऐश्वर्या मौके पर पहुंचे और स्व. राजेंद्र कुमार अग्रवाल की दोनों कॉर्निया सुरक्षित की, जिनके माध्यम से अब दो लोगों की जिंदगी में उजाला आ सकेगा। मदन लाल भाटिया ने बताया कि यह क्षेत्र का 210 वां नेत्रदान है, जिससे अब तक 420 लोगों को नेत्र ज्योति प्राप्त हो सकी है। इस दौरान व्यापारी के पुत्र अनुराग अग्रवाल, पुत्रवधू मीनू अग्रवाल, पुत्र अनुपम अग्रवाल, पुत्रवधू अनीता अग्रवाल, पौत्र आयुष अग्रवाल व प्रद्युमन अग्रवाल समेत आदि लोग रहे।

क्राइस्टचर्च मैदान पर छात्राओं ने दौड़ में दिखाया दम।

वार्षिक खेलकूद — तीन सौ से अधिक छात्राओं ने प्रतियोगिता में लिया हिस्सा

डीजी कालेज की छात्राओं ने दिखाई खेल में प्रतिभा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दयानंद गर्ल्स पीजी कॉलेज की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता क्राइस्टचर्च मैदान पर आयोजित हुई। इस दौरान छात्राओं ने विभिन्न खेलों में प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं में विजेताओं को सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता की शुरुआत प्रबंध समिति की सदस्य अनंता स्वरूप ने किया। तीन सौ छात्राओं ने खेलों में भाग लिया। खेलकूद की विभागीय इंचार्ज डॉ कुमुद लता सिंह ने बताया कि महाविद्यालय ने 2023-24 में वेट लिफ्टिंग, ताइक्वांडो व बास्केटबॉल में ट्राफियां प्राप्त कीं। क्रिकेट, चेस, पावर लिफ्टिंग में विश्वविद्यालय में प्रतिभागिता किया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं ने 100 मी, 200 मी, 400 मी दौड़ में भागीदारी की। लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक, चक्का फेंक में भी अपना कौशल दिखाया।

यह बनीं विजेता

- 100 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान खुशी, द्वितीय स्थान ईशा व तृतीय स्थान पायल ने हासिल किया। 200 मीटर रेस में प्रथम स्थान अल्शिफ़ा परवीन द्वितीय स्थान शालू गौर व तृतीय स्थान कृतिका पांडेय ने हासिल किया। 400 मीटर रेस में प्रथम स्थान सपना, द्वितीय स्थान शालू गौर व तृतीय स्थान दिव्यांशी अवस्थी ने हासिल किया। लांग जंप में प्रथम स्थान सपना, द्वितीय स्थान ऋचा यादव व तृतीय स्थान अदिती ने पाया। शॉट पुट में प्रथम स्थान संजना, द्वितीय स्थान अदिती व तृतीय स्थान खुशबू आमेर ने पाया। डिस्कस थ्रो में प्रथम स्थान संजना, द्वितीय स्थान अदितरी व तृतीय स्थान आरती वर्मा ने हासिल किया। जैवलिन थ्रो में प्रथम स्थान गौरी गुप्ता, द्वितीय स्थान सूर्यान्शी व तृतीय स्थान स्नेहा वर्मा ने पाया।

शिक्षिकाओं ने भी जोश दिखाया। अमृत विचार

पुलिस से मुठभेड़ में हत्यारोपी घायल

सिकंदरा: क्षेत्र के गुरदही रजबहे के पास गुरुवार की भोर पहर पुलिस से मुठभेड़ में गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया। पुलिस ने उसके दो साथियों को भी दबोच लिया। तीनों का संदलपुर के एक बुजुर्ग की हत्या में हाथ बताया गया है। पुलिस ने घायल बदमाश के कब्जे से एक तमंचा और दो खोखा कारतूस के साथ एक मोबाइल बरामद किया है।

सिकंदरा कस्बे के बिरहाना चौराहे के पास एक ईट प्लांट पर 16 जनवरी को चौकीदार इनायत अली की हत्या कर दी गई थी। आरोपियों की तलाश में दबिश दी तो बदमाश पुलिस पर फायरिंग कर भागने लगे। पुलिस की कार्रवाई में आरोपी शमशेर को गोली लगी।

जागा पीडब्ल्यूडी, रिफ्लेक्टर लगाए गए

बिल्हौर-विषधन मार्ग पर सिकंदरा क्षेत्र के जगन्नाथपुर गांव के अंधे मोड़ पर हादसे रोकने के होंगे उपाय

खबर का असर

संवाददाता, सिकंदरा

जगन्नाथपुर गांव के अंधे मोड़ पर रिफ्लेक्टर लगाए गए। अमृत विचार

- ब्रेकर और संकेतक बोर्ड के लिए आगरा भेजा गया प्रस्ताव
- तीन दिन में अनुमति मिलने की उम्मीद, जल्द ही होगा काम

पुलिस पर ठीकरा फोड़ रहा पीडब्ल्यूडी

8 फरवरी को छपी खबर।

अमृत विचार: बिल्हौर-विषधन मार्ग पर सिकंदरा क्षेत्र के जगन्नाथपुर गांव के अंधे मोड़ पर सड़क हादसे में छह लोगों की मौत होने और 'अमृत विचार' की ओर से इस मुद्दे को उठाए जाने के बाद आखिर लोक निर्माण विभाग की नींद टूट गई है। तत्कालिक तौर पर अंधे मोड़ पर रिफ्लेक्टर लगा दिए गए हैं और ब्रेकर व संकेतक बोर्ड लगाने के लिए आगरा मुख्यालय प्रस्ताव भेजा गया है। उम्मीद है कि दो-तीन दिन में प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाएगी, जिसके बाद बाकी काम होगा।

पांच फरवरी की रात करीब ढाई बजे जगन्नाथपुर मोड़ के पास कार पलटकर नाले में गिरने से छह लोगों की मौत हो गई थी। ये सभी लोग डेरापुर थाना क्षेत्र के मुर्रा गांव के रहने वाले पंकज कुमार शर्मा की बेटी सुगम शर्मा का तिलक चढ़ाने इटावा गए थे। वहां से लौटते समय हादसे का शिकार हुए थे। हादसे का शिकार होने वालों में पंकज शर्मा की दो बेटियां खुशबू और प्राची के साथ विकास शर्मा, गोलू शर्मा, प्रतीक शर्मा, संजय उर्फ संजू शर्मा की मौत हो गई थी, जबकि दो बच्चे घायल हुए थे।

इस दर्दनाक हादसे के बाद जहां शादी की खुशियां गम में बदल गई थीं, वहीं जगन्नाथपुर गांव के अंधे मोड़ पर सुरक्षा के उपाय नहीं होने का मामला उठा था। 'अमृत विचार' ने इस मुद्दे को प्रमुखता के साथ उठाया। हालांकि अंधे मोड़ पर इन मौतों के लिए लोक निर्माण विभाग परोक्ष रूप से पुलिस महकमे को जिम्मेदार ठहरा रहा था। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता हेमंत कुमार का कहना था कि कहीं भी सड़क पर स्पीड ब्रेकर अथवा संकेतक बोर्ड का काम तभी कराया जाता है, जब पुलिस और परिवहन विभाग की ओर से ब्लैक स्पॉट की रिपोर्ट भेजी जाती है।

मामले का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी आलोक सिंह ने लोक निर्माण विभाग से दो घंटे के भीतर जवाब मांगा था। अलबत्ता जिलाधिकारी के अचानक जिला मुख्यालय से बाहर जाने के बाद पीडब्ल्यूडी के अधिकारी बेफिक्र हो गए थे, लेकिन 'अमृत विचार' में लगातार खबरें छपने के प्रभारी जिलाधिकारी/ मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन ने बुधवार को अधिशासी अभियंता को ब्रेकर बनाने के सख्त निर्देश दिए तो लोक निर्माण विभाग का अमला सक्रिय हुआ और जगन्नाथपुर गांव पहुंचा। तत्कालिक तौर पर मोड़ के पास 10 से 12 रिफ्लेक्टर लगा दिए गए हैं, ताकि रात के अंधेरे में वाहनों की लाइट पड़ने पर सड़क का आभास हो सके। कारगर कदम उठाए जाने के बाद गांव वाले भी खुश हैं।

अनुमति मिलते ही ब्रेकर और संकेतक बोर्ड लगेंगे

पीडब्ल्यूडी के जूनियर इंजीनियर शिवम पाल ने बताया कि जगन्नाथपुर के मोड़ पर रिफ्लेक्टर लगा दिए गए हैं। ब्रेकर बनाने और संकेतक बोर्ड लगाने के लिए आगरा चीफ इंजीनियर कार्यालय को प्रस्ताव भेजा गया है। प्रस्ताव पर मंजूरी मिलते ही ब्रेकर और संकेतक बोर्ड का काम कराया जाएगा। उन्होंने दो-तीन दिन में चीफ इंजीनियर की ओर से अनुमति मिलने की संभावना जताई है।

दहेज के लिए पीट कर घर से निकाला

भीतरगांव। ससुराल वालों ने एक लाख रुपये की मांग को लेकर बहू को पीटा और उसके जेवर छीनकर घर से निकाल दिया। पीड़िता सुमन ने पति सहित ससुरालियों के विरुद्ध साढ़ थाने में प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

साढ़ थाना क्षेत्र के रसूलपुर जाजमऊ निवासी देवीदीन की पुत्री सुमन ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी लगभग पांच वर्ष पूर्व क्षेत्र के सेमरा मजरे कुंदौली निवासी मातादीन के पुत्र सुनील के साथ हुई थी। शादी के कुछ माह बाद ही ससुरालीजनों ने एक लाख रुपये के खातिर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने पर उसे पीटकर जेवर छीन लिया और चार फरवरी को धमकी देते हुए घर से निकाल दिया। इसके बाद वह मायके पहुंची। सुमन ने आरोप लगाया कि पति के अवैध सम्बंध हैं, जिसके चलते वह आए दिन मारपीट करता है और उसे रास्ते से हटाने का प्रयास कर रहा है। साढ़ थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। सही पाए जाने पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

सार-संक्षेप

पुरस्कार के साथ विजेता क्रिकेट टीम के खिलाड़ी। अमृत विचार

प्रेम अकादमी ने साउथ को 12 रनों से हराकर जीता मैच

घाटमपुर। क्रिकेट टूर्नामेंट में टॉस जीतकर साउथ क्रिकेट अकादमी ने गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। बल्लेबाजी करने उतरी प्रेम क्रिकेट अकादमी ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 149 रन बनाए, जिसमें शोएब अली ने नाबाद 58, शरद यादव ने 30 और आयुष ने 27 रन बनाए। साउथ की तरफ से गेंदबाजी करते हुए पृथ्वी ने तीन विकेट और शौर्यदीप ने दो विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ क्रिकेट अकादमी 20वें ओवर में अपने सभी विकेट खोकर 137 रन बना सकी। इसमें य?वीर ने 59 और दिव्यांश ने 17 रन बनाए। प्रेम क्रिकेट अकादमी की तरफ से गेंदबाजी करते हुए ऋषभ सिंह ने तीन विकेट और अमित राज ने दो विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार शोएब अली को दिया गया।

मरियानी सहकारी समिति के निर्विरोध पदाधिकारी। अमृत विचार

गणेश दीक्षित अध्यक्ष और रजनी श्रीवास्तव उपाध्यक्ष बनीं

चौबेपुर। विकास खंड क्षेत्र की मरियानी बहुउद्देशीय प्राथमिक सहकारी समिति में गुरुवार को हुए चुनाव में गणेश शंकर दीक्षित को निर्विरोध अध्यक्ष व श्रीमती रजनी श्रीवास्तव को उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। उक्त जानकारी देते हुए सहकारी समिति के सचिव सियाराम गुप्ता ने बताया कि चुनाव में किसी अन्य द्वारा दावेदारी न किये जाने से पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित किए गए।

घाटमपुर में भाजपा की बूथ व पन्ना प्रमुख की बैठक

घाटमपुर। बूथ चलो अभियान के अंतर्गत नगर मण्डल के बूथ संख्या 207 में मंडल उपाध्यक्ष विक्रम गोस्वामी ने प्रवास कार्यक्रम में बूथ समिति के सदस्यों के साथ बैठक की। उन्होंने पन्ना प्रमुख को जिम्मेदारी देने के साथ नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का आह्वान किया। बैठक में बूथ अध्यक्ष राजन तिवारी, बीरेंद्र सिंह, सोनू, विजय त्रिवेदी, घसीटे गिरी, मनोज सविता, अनीता आदि उपस्थित रहे।

ऑपरेशन त्रिनेत्र में चस्पा किए गए स्टीकर, पैदल गश्त

चौबेपुर। ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत गुरुवार को कस्बे में पुलिस ने जगह-जगह लगे सीसी टी वी कैमरों के आसपास स्टीकर चस्पा कर लोगों को इस बाबत जानकारियां दीं। ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत कस्बा व गांवों में सीसीटीवी कैमरा लगाए जाने पर जोर दिया जा रहा है। कैमरे लगाए जाने के साथ उसके आसपास आप कैमरे की नजर में है लिखे स्टीकर चस्पा किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को पुलिस ने कस्बा भ्रमण कर जी टी रोड, पिपरी मार्ग, बन्दी माता रोड, बेला मार्ग स्थित मुख्य बाजार की दुकानों में लगे कमरों के आसपास स्टीकर चस्पा किए। थाना प्रभारी संजय पांडे ने बताया कि सीसीटीवी कैमरे की सहायता से अपराधियों को पकड़ने व घटनाओं के खुलासे में मदद मिलती है। साथ कैमरे लगे होने से अपराधियों के दिलों दिमाग में भी भय व्याप्त रहता है। बताया कि अभियान के तहत बाजारों, स्कूल कॉलेज, ढाबों व पेट्रोल पंप आदि संवेदनशील स्थानों के आसपास सीसीटीवी लगाने की तैयारी चल रही है।

नर्वल कस्बे में युवती ने फंदा डाल दी जान

संवाददाता, सरसौल

आत्महत्या

- घटना के समय मां जानवरों के लिए चारा लेने खेत गई थी
- फिलहाल आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं, पुलिस जांच कर रही

अमृत विचार: नर्वल में गुरुवार को एक युवती ने संदिग्ध हालात में फांसी लगाकर जान दे दी। जिस समय घटना हुई, उस समय उसकी मां खेत गई थी। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। फिलहाल वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

नर्वल निवासी पूनम (21) ने किसी बात से नाराज होकर गुरुवार को घर की छत से दुपट्टे के सहारे लटककर फांसी लगा ली। उसके पिता राजबहादुर की मौत हो चुकी है। परिवार में मां और एक भाई ही हैं। गुरुवार की दोपहर मां सौहाद्री जानवरों के लिए चारा लेने खेत चली गई। इसी दौरान मौका पाकर पूनम ने यह कदम उठा लिया। हालांकि आत्महत्या के ठोस कारणों का पता नहीं चल सका है। एसीपी चकेरी दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि परिजनों ने पुलिस को सूचना नहीं दी है, फिर भी जांच-पड़ताल की जा रही है।

जहर खाने से युवक की मौत

कानपुर देहात। संदिग्ध हालात में युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों की ओर से युवक को मृत घोषित कर दिया गया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

कानपुर नगर जनपद के रेउना थाना क्षेत्र के लालपुर गिरसी गांव के रहने वाले रवि कुमार ने बताया कि उसके भाई पवन ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर उपचार के लिये जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों की ओर से जांच के बाद पवन को मृत घोषित कर दिया गया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

गोवंश को बरछी से गोद डाला

संवाददाता, घाटमपुर

पुलिस जांच में जुटी

- पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को दफनाया गया
- अज्ञात पर मुकदमा दर्ज, पुलिस कर रही मामले की जांच

अमृत विचार: रेउना क्षेत्र की मुस्लिम बस्ती में टहल रहे गोवंश को अराजक तत्वों ने बरछी मार दी, जिससे गोवंश की तड़प-तड़प कर मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों से पूछताछ की, लेकिन बरछी मारने वाले का पता नहीं चल सका। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद गोवंश के शव को दफना दिया है। गोवंश मालिक की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू की है।

रेउना थाना क्षेत्र के कोरों गांव निवासी रामसिंह यादव ने गुरुवार को रेउना थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी और बताया कि उन्होंने एक गोवंश पाल रखा था। वह बुधवार की देर रात खूंटा उखाड़ कर भाग गया था। वह उसे गांव में ढूंढते रहे। दोपहर में वह गांव की मुस्लिम बस्ती में पहुंचे तो वहां गोवंश मिला। उसके पेट में बरछी मारी गई थी। बरछी गोवंश के पेट के आर-पार हो गई थी। इससे गोवंश की तड़प-तड़प कर मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची रेउना पुलिस ने मोहल्ले वालों से पूछताछ की और निर्दयता पूर्वक हमला करने वाले का पता लगाने की कोशिश की, लेकिन बरछी मारने वाले का कोई भी सुराग नहीं लग सका। पुलिस के मुताबिक मोहल्ले वाले घटना के समय घर के अंदर होने की बात कह रहे हैं। उन्होंने किसी को भी बरछी मारते नहीं देखा। पुलिस ने गोवंश मालिक की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने गोवंश का पोस्टमार्टम कराया है। थाना प्रभारी अवधेश श्रीवास्तव ने बताया कि तहरीर के आधार पर अज्ञात पर मुकदमा दर्ज कर घटना की जांच की जा रही है।

एक नजर

पतारा क्षेत्र में आज सुबह से सात घंटे ठप रहेगी बिजली

घाटमपुर। पतारा के साथ आधा दर्जन गांवों में शुक्रवार को सुबह 10 बजे से लेकर शाम पांच बजे तक विद्युत आपूर्ति ठप रहेगी। इस दौरान विभाग की ओर से पेड़ों की छटाई और लाइनों की मरम्मत का कार्य होगा। सहायक अभियता के मुताबिक पतारा, तिलसड़ा, तरगांव, संभुआ और दहेली गांव की विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

गोवध एक्ट में आरोपी की जमानत अर्जी खारिज

कानपुर देहात। घाटमपुर क्षेत्र में दस महीने पहले संरक्षित पशु के मांस के साथ पकड़े गए आरोपी की अदालत ने जमानत अर्जी खारिज कर दी है। सहायक शासकीय अधिवक्ता धनंजय पांडेय व प्रदीप कुमार पाण्डेय ने बताया कि घाटमपुर क्षेत्र में 27 मार्च 2023 को एक घर में संरक्षित पशु के मांस की बिक्री होने की सूचना पर दबिश देकर पुलिस ने सिकंदरा क्षेत्र के गांधीनगर के रहने वाले इरशाद को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गोवध निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज जेल भेज दिया था। आरोपी की ओर से दाखिल जमानत अर्जी को अदालत ने खारिज कर दी है।

भागवत कथा में उमड़ पड़े श्रद्धालु

हथेही गांव में श्रीमद् भागवत कथा सुनने के लिए महिलाओं की खासी भीड़ उमड़ी। अमृत विचार

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार: तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत हथेही में श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया। फक्कड़ सेवा समिति की ओर से चौथी बार नारदानंद आश्रम नैमिषारण्य सीतापुर से पधारे कथा व्यास श्री 108 दंडी स्वामी ओमप्रकाशानंद सरस्वती जी महाराज ने कथा की अमृत वर्षा की।

घाटमपुर तहसीलक्षेत्र के हथेही गांव विगत वर्षों की भांति फक्कड़ सेवा समिति के कार्यकर्ताओं की ओर से श्रीमद् भागवत कथा महापुराण ज्ञान यज्ञ का आयोजन कराया जा रहा है, जहां संरक्षक के रूप में ग्राम प्रधान रवि शंकर अग्निहोत्री तथा समस्त ग्राम वासियों के सहयोग से कथा का शुभारंभ किया गया।

श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिन दंडी स्वामी की ओर से जल कलश यात्रा की प्रभात फेरी निकालकर कथा का शुभारंभ किया गया। भागवत कथा के आखिरी दिन दंडी स्वामी द्वारा सुदामा चरित्र सुना कर लोगों को भाव विभोर कर दिया। इस दौरान राघव बाबा, रवि शंकर अग्निहोत्री ग्राम प्रधान तथा फक्कड़ समिति के सदस्य गण उपस्थित रहे भागवत कथा की आखिरी दिन 9 तारीख को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

काला बच्चा की पुण्यतिथि बैरी मैदान में आज होगी श्रद्धांजलि सभा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी भाग लेंगे

शिवराजपुर में लगेगा भाजपा का जमघट

संवाददाता, शिवराजपुर

अमृत विचार: बिल्हौर विधायक राहुल बच्चा सोनकर के पिता पूर्व विधायक स्व.काला बच्चा सोनकर की शुक्रवार को श्रद्धांजलि सभा होगी। श्रद्धांजलि सभा में भाग लेने के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह शिवराजपुर के बैरी ग्राउंड पहुंचेंगे। श्रद्धांजलि सभा को लेकर ग्राउंड पर भव्य पांडाल लगाया गया है। तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए विधायक राहुल बच्चा सोनकर और उनके भाई ललित बच्चा सोनकर दिन भर डटे रहे।

क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर के पिता काला बच्चा सोनकर की 30वीं पुण्यतिथि पर शिवराजपुर के बैरी ग्राउंड पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है। इस श्रद्धांजलि सभा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता, जिलाध्यक्ष ग्रामीण दिनेश कुशवाहा, राधेश्याम पांडेय शुक्रवार को बैरी ग्राउंड पहुंचेंगे।

सभास्थल का निरीक्षण करते भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्ण मुरारी शुक्ला।

श्रद्धांजलि सभा को लेकर गुरुवार को दिन भर बैरी ग्राउंड पर तैयारियां चलती रहीं। कार्यक्रम स्थल पर भव्य पांडाल लगाया गया है, जहां करीब 25 हजार कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों के पहुंचने की संभावना जताई गई है। उनके बैठने के लिए कुर्सियों का इंतजाम किया गया है। कार्यक्रम को लेकर पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्ण मुरारी शुक्ला ने एक बैठक की और जरूरी दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर मोहित शुक्ला, बबलू कटियार, अश्वनी कटियार, मंडल अध्यक्ष अनुराग शुक्ला, अनुराग दुबे, जितेन्द्र सेंगर, देवेश कठेरिया, बिरजू मिश्रा, प्रदीप सिंह, पंकज सिंह चंदेल, बोनी ठाकुर, सोनू ठाकुर, ध्यानु सिंह आदि तमाम भाजपाई मौजूद रहे।

साइकिल और कंबल वितरण भी होगा

कार्यक्रम के संयोजक ललित बच्चा सोनकर ने बताया कि श्रद्धांजलि सभा में क्षेत्र के वरिष्ठजनों के सम्मान के साथ दिव्यांगों को साइकिल वितरण, जरूरतमंदों को कंबल वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर तीन प्रवेश द्वार बनाए गए हैं।

पेड़ पर लटकता मिला लापता युवक का शव

बुधवार रात बिना बताए घर से निकला था युवक

संवाददाता फतेहपुर चौरासी उन्नाव

अमृत विचार। फतेहपुर चौरासी थानांतर्गत बिना बताए घर से निकले युवक का शव गांव के बाहर पेड़ से लटका मिला। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजन शव देखकर बेहाल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के चौगवां गांव निवासी केसरी (22) पुत्र रामलाल निषाद पिता के साथ खेती में हाथ बंटाता था। उसकी अभी शादी नहीं हुई थी। बीती देरशाम वह घर से बिना बताए निकला और देररात तक वापस नहीं लौटा। परिजन रात भर उसकी तलाश करते रहे। गुरुवार को गांव से करीब एक किमी दूर संजय के खेत में लगे नीम के पेड़ पर उसके गमछे से उसका शव लटका मिला। वहां से निकले लोगों ने शव देख परिजनों को जानकारी दी। मौके पर पहुंचे परिजन शव देखकर बिलख उठे। पिता ने पुलिस को बताया कि बेटा मानसिक बीमार रहता था। संभवतः इसी के चलते उसने फांसी लगा ली है। वह छह

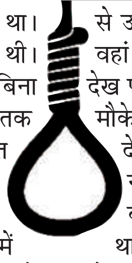

- पिता ने बताया मानसिक रूप से बीमार था युवक

भाई बहनों में पांचवे नंबर का था। बेटे की मौत से मां रामदेवी, पिता व अन्य परिजनों में कोहराम मचा है। इंस्पेक्टर राजेश पाठक ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। परिजनों का कोई आरोप नहीं है।

विवाद के चलते युवक ने निगला जहरीला पदार्थ, मौत

बांगरमऊ उन्नाव। बांगरमऊ कोतवाली अंतर्गत पारिवारिक विवाद के बाद युवक ने जहरीला पदार्थ निगल लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे सीएचसी ले गए। जहां से उसे डाक्टर ने जिला अस्पताल भेज दिया। परिजन उसे ले जाते इससे पहले उसकी मौत हो गई। जिसके बाद बिना पुलिस को सूचना दिए परिजन शव लेकर घर चले गए बंगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के लतीफपुर गांव निवासी त्रिलोकी (32) पुत्र रूपन ने गुरुवार दोपहर पारिवारिक कलह के बाद घर में रखा कीटनाशक निगल लिया। इसके बाद उसे उल्टियां शुरू हो गई और उसकी हालत बिगड़ने लगी। यह देख परिजनों को इसकी जानकारी हुई तो भाई कमल किशोर आनन-फानन में उसे सीएचसी लाया। जहां उसे गंभीर देख मौजूद डाक्टर ने प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन उसे जिला अस्पताल ले जाने की तैयारी ही कर रहे थे कि युवक ने दम तोड़ दिया। दिवंगत त्रिलोकी खेती करता था। उसकी अभी शादी नहीं हुई थी। वहीं परिजन पुलिस को सूचना दिए बिना ही शव लेकर घर लौट गए। पुलिस ने ऐसी किसी भी घटना की जानकारी होने से इंकार किया है।

बालिका से दुष्कर्म करने वाले को आजीवन कारावास

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

- टॉफी लेने गई बच्ची को कैथा खिलाने का लालच देकर किया था दुष्कर्म
- न्यायाधीश ने अंतिम सुनवाई में सजा के साथ 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया

अमृत विचार। अजगैन कोतवाली अंतर्गत एक गांव निवासी सात वर्षीय मासूम दुकान से टॉफी लेने गई थी। इसी दौरान एक युवक ने कैथा खिलाने का लालच देकर बाग में ले जाकर उससे दुष्कर्म किया था। मामले की अंतिम सुनवाई गुरुवार को कोर्ट में हुई। अभियोजन व बचाव पक्ष की दलीलों को सुनने के बाद कोर्ट ने युवक को आजीवन कारावास के साथ 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया।

अजगैन कोतवाली अंतर्गत एक गांव निवासी सात वर्षीय मासूम को गांव निवासी डगरू सिंह ने 17 सितम्बर-2016 को बाग चलकर कैथा खिलाने का लालच दिया और वहां उसके साथ दुष्कर्म कर भाग निकला था। खून से लथपथ घर पहुंची मासूम ने पूरी बात मां को बताई थी। पिता ने बेटी के साथ अजगैन कोतवाली में पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पिता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज होने के बाद मेडिकल सहित अन्य कार्रवाई करने

के बाद आईओ तत्कालीन इंस्पेक्टर रवींद्र बहादुर सिंह ने मामले की जांच में चार्जशीट दाखिल की थी। कोर्ट में दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद शासकीय अधिवक्ता राजीव कुमार अवस्थी की दलीलों व पेश किए गए साक्ष्यों के आधार पर न्यायाधीश जयवीर सिंह नागर ने आरोपी डगरू को आजीवन कारावास के आदेश दिये। इसके साथ 50 हजार का अर्थदंड भी लगाया। आदेश दिया कि जुर्माना अदा न करने पर दोषी को छह माह अतिरिक्त कारावास भुगतना पड़ेगा।

विधायक की शिकायत पर शुरू हुई जांच पूरी

वेयर हाउस में संबंधित जमीन की नाप करती अधिकारियों की टीम। अमृत विचार

संवाददाता सोहरामऊ उन्नाव

- 6 फरवरी को विधायक मोहान ने कमिश्नर के जनता दर्शन में पहुंचकर की थी शिकायत

अमृत विचार। सोहरामऊ थानाक्षेत्र के गांव रसूलपुर की जमीन पर एक वेयर हाउस का निर्माण हो रहा है। जिसमें दो ग्राम प्रधानों में अपनी हद को लेकर जंग छिड़ी हुई है। जमीन की लड़ाई मुख्यालय तक पहुंचने पर डीएम ने एडीएम को जांच के आदेश दिए थे। उच्चाधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर किसानों की जमीन को तलाबी नंबर बता कार्य जारी रखने का आदेश दिया था। नाराज किसान क्षेत्रीय विधायक ब्रजेश रावत के पास पहुंचे तो विधायक ने अधिकारियों को फोन कर किसानों का कहीं से अहित न होने की बात कही थी। कमिश्नर से शिकायत के बाद गठित हुई नई टीम द्वारा गुरुवार को पैमाइस पूरी हुई। अब जांच करने वाली टीम डीएम को इसकी रिपोर्ट देगी।

भैसौरा गांव के प्रधान रामचंद्र ने कमिश्नर रोशन जैकब को शिकायती पत्र देकर तालाबी भूमि नंबर-1199 पर ओसवाल ग्रुप द्वारा अवैध रूप से निर्माण कराने का शिकायती पत्र दिया था। कमिश्नर के आदेश पर डीएम ने दो एसडीएम नम्रता सिंह व शिवेंद्र सिंह कानून-गो कमलेश बाबू, लेखपाल रविकांत, मनोज, राजेंद्र, दीपचंद्र की टीम बनाकर दोनों गावों की हदों से पूर्ण पैमाइस कर रिपोर्ट देने के लिए निर्देश दिये थे। पूरी टीम मौके पर पहुंची भैंसौरा गांव की हद से ओसवाल वेयर हाउस तक और राष्ट्रीय राजमार्ग से वेयर हाउस तक दोनों गावों की हदों से पैमाइस गुरुवार को पूरी की। इस दौरान गांव के लोग और दोनों गांव के प्रधान मौजूद रहे। टीम में शामिल रहे अधिकारियों ने बताया कि नाप पूरी हो गई है। इसकी रिपोर्ट डीएम को दी जायेगी। इस बारे में वे अभी कुछ नहीं बता सकते।

सेल्समैन से हुई लूट में पुलिस खाली हाथ

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

- मंगलवार रात शराब की दुकान बंद कर लौटते समय हुई थी 61 हजार की लूट

अमृत विचार। अचलगंज थानांतर्गत कानपुर-लखनऊ हाईवे पर बीती मंगलवार शाम तमंचे की नोंक पर देसी शराब की दुकान की बिक्री के 61 हजार रुपये बदमाश लूटकर भाग गए थे। घटना के 40 घंटे से अधिक गुजरने के बाद भी पुलिस लुटेरों तक नहीं पहुंच पाई है। खुलासे में अचलगंज पुलिस के साथ स्वॉट को भी लगाया गया है।

सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के कुसैला गांव निवासी राजनारायण उर्फ कल्लू सिंह गंगाघाट कोतवाली के कर्मी बिजलामऊ स्थित देशी शराब ठेके पर सेल्समैन है। उसके साथ ठेके पर सदर क्षेत्र के बड़ा चौराहा निवासी हिमांशु जायसवाल भी कैंटीन का काम देखता है। मंगलवार रात करीब नौ बजे दोनों दुकान बंद कर बाइक से घर लौट रहे थे। बाइक राजनारायण चला रहा था और हिमांशु पीछे बैठा था। अचलगंज थानाक्षेत्र के आजाद मार्ग चौराहे से आगे सिटी ड्रेन के पास पीछे से काली बाइक सवार दो नकाबपोश लुटेरों ने ओवरटेक कर सेल्समैन की बाइक रोक ली थी। बाइक में पीछे बैठे लुटेरे ने सेल्समैन हिमांशु की कनपटी में तमंचा लगाकर रुपयों वाला बैग छीन लिया था। जिसमें ठेके पर शराब बिक्री के 61 हजार रुपये थे। घटना के खुलासे के लिए लगी पुलिस व स्वॉट ने दुकान में संचालित कैंटीन संचालक को पूछताछ के लिए उठाया है। लेकिन अभी तक पुलिस किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाई है। वहीं सीसीटीवी फुटेज की जांच में भी पुलिस के हाथ कुछ खास नहीं लगा है। घटना में किसी करीबी के शामिल होने और मिलीभगत की संभावना को देखते हुए सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। एसओ संजीव कुशवाहा ने बताया कि पुलिस खुलासे के करीब है। जल्द ही लुटेरों को गिरफ्तार किया जाएगा।

नकल विहीन परीक्षा कराने को प्रशासन मुस्तैद

बैठक में मातहतों को निर्देश देते एडीएम। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

- लोक सेवा आयोग के समीक्षा अधिकारी की परीक्षा रविवार को दो पाली में होगी

अमृत विचार। यूपी लोक सेवा आयोग, प्रयागराज की समीक्षा व सहायक समीक्षा अधिकारी पद के लिए 11 फरवरी को होने वाली परीक्षा नकल विहीन व शांतिपूर्वक कराने के लिए एडीएम ने नामित किए गए सेक्टर, स्टैटिक मजिस्ट्रेटों व परीक्षा केंद्र व्यवस्थापाकों के साथ बैठक की। परीक्षा से संबंधित सभी तैयारियां को पूरी करने के निर्देश दिए।

एडीएम वित्त एवं राजस्व नरेंद्र सिंह ने जिले में बनाए गए 26 परीक्षा केंद्रों पर नकल विहीन व पारदर्शिता से परीक्षा सम्पन्न कराने की मंशा से केंद्र व्यवस्थापकों/प्रधानाचार्यों को निर्देश दिए कि परीक्षा के दिन सुरक्षा, विद्युत, पेयजल, साफ-सफाई व परीक्षा केंद्र स्तर पर होने वाली तैयारियों का पूर्ण प्रबन्ध कर लें। बताया कि जिले में 11 फरवरी को दो पालियों में होने वाली परीक्षा में 10944 परीक्षार्थी भाग लेंगे। परीक्षा को सुचारु व नकल विहीन सम्पन्न कराने हेतु प्रत्येक स्तर पर नोडल एजेंसी को जिम्मेदारी सौंपी गयी है। इसके लिए 9 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 26 स्टैटिक मजिस्ट्रेट व प्रत्येक केंद्र पर सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस फोर्स तैनात रहेगी। एडीएम ने परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की चूक नहीं करने की चेतावनी दी। इसमें एएसपी अखिलेश सिंह, ज्वांइट मजिस्ट्रेट हिमाशु गुप्ता, डीआईओएस एसपी सिंह, उप्र लोक सेवा आयोग से नामित पर्यवेक्षक मंशा राम यादव व दीनदयाल गुप्ता, अटल बिहारी इंटर कालेज के प्रधानाचार्य अजब सिंह, बेनहर इंटरनेशनल स्कूल के केंद्र व्यवस्थापक जेपी वर्मा व सभी सेक्टर व स्टैटिक मजिस्ट्रेट और अन्य केंद्र व्यवस्थापक रहे।

भारतीय किसान यूनियन ने तहसीलदार को गिनाईं समस्याएं

पुरवा। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक लोकतांत्रिक गुट के प्रदेश अध्यक्ष अमरसिंह ने पदाधिकारियों के साथ क्षेत्रीय किसानों की जन समस्याएं लेकर तहसीलदार तरुण प्रताप सिंह से मिले। तहसीलदार ने उनकी समस्याएं सुनकर निराकरण का आश्वासन दिया।

समस्याओं में प्रमुख रूप से आवास, राशन कार्ड, विधवा, वृद्धावस्था, विकलांग पेंशन, चकरोड पर कब्जे, खाद के गड्ढे पर अवैध कब्जे, गावों में खराब पड़े इंडिया मार्का हैंडपंप, क्षेत्र में जर्जर विद्युत तार, विद्युत बिल अधिक आने, गावों में कच्ची व टूटी नालियां होने से गंदापानी गांव रास्ते में भरा होने समेत अन्य शिकायतें बताई गयीं। जिस पर तहसीलदार ने राजस्व संबंधी मामलों का तुरंत निस्तारण का भरोसा दिलाया। इस दौरान सूबेदार, लक्ष्मी नारायण लोधी, दुर्गादीन लोधी, सर्वेश, किरनबाला, पूनम, बिट्टो, मुनारे लोधी आदि थे।

सार-संक्षेप

लोगों से जानकारी लेते अधिकारी। अमृत विचार

टीबी मरीजों से संपर्क कर ली जानकारी

आसीवन उन्नाव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य सन-2025 तक भारत को टीबी मुक्त राष्ट्र बनाना है। उसी क्रम में गुरुवार को विकासखंड मियांगंज की 12 ग्राम पंचायत को सन-2023 में क्षय रोग से मुक्त घोषित किया गया है। उन सभी ग्राम पंचायतों का निरीक्षण चिकित्साधिकारी डॉ. नितिन श्रीवास्तव, एडीओ पंचायत निर्मल कुमार, वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक शिवचंद मिश्रा, वरिष्ठ क्षय रोग पर्यवेक्षक रामप्रकाश यादव ने किया। इसमें ग्राम पंचायत कोरारी कलां, अमेठां गड़ी, औराई में टीवी ग्रसित मरीजों से संपर्क कर जरूरी जानकारियां प्राप्त कीं। वर्ष-2023 में टीबी मुक्त हुई ग्राम पंचायत के प्रधानों को डीएम द्वारा कांस्य पदक दिया जाएगा। इस दौरान प्रधान प्रतिनिधि राधेश्याम राजपूत, वरिष्ठ लैब पर्यवेक्षक, आशा विनीता सिह रहीं।

महिला को जहरीले कीड़े ने काटा, भर्ती

पुरवा। असोहा थानाक्षेत्र के गांव मिल्की निवासी पिंकी गुरुवार दोपहर घर के बरामदे में बैठी थी। तभी अचानक उसे किसी जहरीले कीड़े ने काट लिया। शोर सुनकर घर के बाहर खड़ा पति लवकुश अंदर पहुंचा तो पिंकी की हालत बिगड़ती देख आनन फानन उसे सीएचसी पुरवा लेकर पहुंचा। जहां उसे गंभीर देख डाक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया है वहां पर उसका इलाज जारी है।

बैराज मार्ग पर जाम में फंसे वाहन सवार। अमृत विचार

बैराज मार्ग पर गड्ढों के कारण लगा जाम

शुक्लागंज उन्नाव। बैराज मार्ग स्थित सरैयां रेलवे क्रासिंग के दोनों ओर कई छोटे-बड़े गड्ढे बने हुये हैं। गड्ढों में वाहन फंसने के कारण गुरुवार दोपहर जाम लगना शुरू हो गया। कुछ ही देर में दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। गुरुवार दोपहर एक बजे अप और डाउन लाइन से एक के बाद एक ट्रेनें गुजरी। जिससे कुछ देर के लिये क्रासिंग बंद रही। इस दौरान एक ओर मरहला और दूसरी ओर नेतुआ गांव के सामने तक वाहन सवार कतारों में खड़े हो गये। क्रासिंग खुलने के बाद वाहन सवार जल्दबाजी में निकलने लगे और सरैयां क्रासिंग के पास बने गड्ढों में कई वाहन फंस गये। जिससे वाहन आगे नहीं बढ़ सके। जिस कारण जाम और विकराल हो गया। राहगीरों ने धक्का लगाकर वाहनों को गड्ढे से बाहर निकलवाया। जिसके बाद जाम हट सका। इस दौरान एक घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही। जाम में कानपुर, लखनऊ, उन्नाव के वीआईपी फंसे रहे। वहीं लोगों को भी जाम के कारण दिक्कतें उठानी पड़ी।

महिला पर लाठी से किया हमला

संवाददाता नवाबगंज उन्नाव

- पति-पत्नी का समझौता कराने गई महिला पर पति ने लाठी मारकर किया घायल

अमृत विचार। पति-पत्नी के विवाद का समझौता कराने गई महिला पर नाराज पति ने लाठी से हमला कर दिया। जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस ने उसे सीएचसी में भर्ती कराया।

सोहरामऊ थानाक्षेत्र के भल्लाफार्म के पास निर्माणाधीन भवन में अमरजीत पुत्र रामरतन व श्यामा देवी पत्नी राजेश निवासी भैसौरा और रेशमा निवासी टांडा जिला आंबेडकर नगर बीते वर्ष एक साथ काम करते थे। इस दौरान श्यामा देवी की मध्यस्थता से अमरजीत की शादी रेशमा से 7 माह पूर्व हुई थी। जिसके बाद अमरजीत आए दिन नशे में घर पहुंचता था और रेशमा से विवाद करता था। बीती रात अमरजीत नशे में घर पहुंचा तो पति-पत्नी में विवाद हो गया। तंग आकर रेशमा ने इसकी शिकायत श्यामा से की। श्याम देवी गुरुवार दोपहर पति-पत्नी के बीच समझौता कराने उसके घर पहुंची। जहां बातचीत के दौरान विवाद बढ़ा तो अमरजीत ने श्यामा देवी पर लाठी से हमला कर दिया। राजेश घायल पत्नी को एम्बुलेंस से नवाबगंज स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचा। जहां प्राथमिक इलाज के बाद परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर चले गए।

पैर फिसलने से नीचे गिरी महिला

बांगरमऊ। फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के गांव मौहाई निवासी सीमा (20) पत्नी दिनेश गुरुवार को कपड़े फैलाने मकान की छत पर गई थी। तभी अचानक उसका पैर फिसल गया और वह नीचे जमीन पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन सीमा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाए। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज के बाद उसे गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

रजिस्ट्री दफ्तर का हुआ निरीक्षण

संवाददाता पाटन उन्नाव

अमृत विचार। बीघापुर तहसील मुख्यालय स्थित उपनिबंधक कार्यालय का गुरुवार को डीआईजी स्टांप ने औचक निरीक्षण किया। मांगी गई सूचनाएं न दे पाने और अभिलेखों के रखरखाव समेत अन्य कई मामलों में लापरवाही मिलने पर उन्होंने प्रभारी सहायक उपनिबंधक पर नाराजगी व्यक्त की।

गुरुवार दोपहर तहसील मुख्यालय स्थित सहायक उपनिबंधक कार्यालय पहुंचे डीआईजी स्टांप अजय कुमार दीक्षित ने कार्यालय में सबसे पहले प्रभारी उपनिबंधक से राजस्व संबंधी अभिलेख व बैनामों की जांच संबंधी जानकारी मांगी।

जानकारी देने असफल रहे प्रभारी सहायक उपनिबंधक प्रमोद को डीआईजी ने फटकार लगाई। डीआईजी ने तहसील क्षेत्र की नगर पंचायत के पट्टों की सूचनाएं एकत्रित करने व बैनामों के स्थलीय निरीक्षण में किसी भी सूरत में लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। कहा प्रकार की बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

बदहाली — तत्कालीन सांसद द्वारा बनवाये गये यात्री प्रतीक्षालय का लोग लघुशंका के लिए कर रहे हैं इस्तेमाल

यात्री प्रतीक्षालय को है यात्रियों का इंतजार

संवाददाता नवाबगंज उन्नाव

अमृत विचार। प्रदेश के मौजूदा उपमुख्यमंत्री और जिले के पूर्व सांसद द्वारा सांसद निधि से बनवाया गया यात्री प्रतीक्षालय इन दिनों दुर्दशा का शिकार है। अजगैन कोतवाली के ठीक सामने बने इस प्रतीक्षालय में आज भी बृजेश पाठक का नाम लिखा है। इस रास्ते से वे अक्सर निकलते रहते हैं लेकिन इसकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। इन दिनों इसमें झाड़ियां उग आई हैं। जिससे आसपास के लोग इसे लघुशंका करने के लिये इस्तेमाल कर रहे हैं।

बता दें कि सूबे के मौजूदा डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने जिले के सांसद रहते लखनऊ-कानपुर हाईवे स्थित अजगैन कोतवाली के ठीक सामने बसों व अन्य वाहनों का इंतजार करने वाले यात्रियों की सुविधा के लिये एक यात्री प्रतीक्षालय का निर्माण अपनी निधि से करवाया था। बारिश व अधिक धूप होने पर लोग इसमें बैठकर वाहनों का इंतजार करते थे। इसमें बैठकर वे सुरक्षा का भी अहसास करते थे। लेकिन, देखरेख के अभाव में यह वर्तमान में दुर्दशा का शिकार हो गया है। साफ-सफाई व रखरखाव के अभाव में इसमें झाड़ियां उग आई हैं और भीषण गंदगी भी फैली हुई है। जिससे आसपास के लोग इसे लघुशंका के लिये इस्तेमाल करते हैं। वहीं, रात होने पर यह नशेड़ियों की पनाहगाह बनकर रह गया है। प्रतीक्षालय के पास पान की दुकान लगाने वाले बक्तू खेड़ा गांव निवासी पंकज सिंह बताते हैं कि शुरू में जब यह बना था तब लोग बड़े उत्साह से वहां बैठकर वाहनों का इंतजार करते थे। देखरेख न होने से अब यह खंडहर बनकर रह गया है।

दुर्दशाग्रस्त पड़ा पूर्व सांसद व मौजूदा डिप्टी सीएम द्वारा बनवाया गया यात्री प्रतीक्षालय।

- साफ-सफाई व रखरखाव के अभाव में झाड़ियां उग आई हैं और गंदगी भी फैली हुई है

निर्माणाधीन पुलिया में मानकों की उड़ाई जा रहीं धज्जियां

संवाददाता फतेहपुर चौरासी उन्नाव

अमृत विचार। उन्नाव-हरदोई मुख्य मार्ग पर स्थित पुलिस प्रशिक्षण केंद्र के पास हो रहे पुलिया निर्माण में मानकों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है। यह निर्माण पीली ईंटों से करवाया जा रहा है।

बता दें कि उन्नाव-हरदोई मुख्य मार्ग पर कालीमिट्टी क्षेत्र अंतर्गत पुलिस प्रशिक्षण केंद्र के पास बनी पुलिया काफी दिनों से क्षतिग्रस्त पड़ी थी। इस पुलिया का मौजूदा समय में पुनःनिर्माण करवाया जा रहा है। जिसमें मानकों को दरकिनार कर पीली ईंट लगाई जा रही है। वहीं जो पुलिया आधी टूटी थी उसे भी पीली ईंट से ही बनवाया जा रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि मुख्य मार्ग स्थित पुलिया के हो रहे निर्माण में पीली ईंट लगाई जा रही है। जिससे यहां से भारी वाहनों के निकलने से यह कब तक टिकेगी यह बात भी देखने वाली होगी। इसे लेकर अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण विभाग ने बताया कि अगर ऐसा हो रहा है तो इसकी जांच कराकर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

पुलिया निर्माण में लगाने को लाई गई पीली ईंट।

जांच करने पहुंची टीम को मिला अवैध खनन

अमृत विचार प्रभाव

संवाददाता सोहरामऊ उन्नाव

अमृत विचार। पुरवा तहसील व सोहरामऊ पुलिस के गठजोड़ से खनन माफियाओं ने क्षेत्र में हफ्तों खनन किया। सैकड़ों डंपर मिट्टी का अवैध खनन कर परिवहन भी हो गया। लेकिन, सरकारी नुमाइंदों को इसकी भनक तक नहीं लगी। इससे साफ है कि पुलिस व तहसील कर्मियों का गठजोड़ खूब फलफूल रहा है। अमृत विचार अखबार में बुधवार के अंक में खबर प्रकाशित होने के बाद गुरुवार को पुरवा तहसील की राजस्व टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच की। जांच में लेखपाल ने पाया कि अवैध खनन हुआ है।

बता दें कि पुरवा तहसील क्षेत्र के गांव दतौली में किसान रामप्रताप उर्फ गुन्ने के खेत में खनन माफियाओं ने करीब हफ्ते भर दो जेसीबी व आधा दर्जन डंपर लगाकर बिना परमीशन के अवैध खनन कर परिवहन किया। खनन की गई मिट्टी को पास में बन रहे वेयर हाउस में बेचा गया। ग्रामीणों के अनुसार खनन माफियाओं की थाना पुलिस व तहसील प्रशासन में मजबूत पकड़ है। जिसके चलते यह क्षेत्र में आए दिन अवैध खनन करते रहते हैं। अवैध खनन से आम लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त है। इससे संबंधित खबर अमृत विचार ने बुधवार के अंक में प्रमुखता से प्रकाशित की। इसके बाद गुरुवार को पुरवा एसडीएम के आदेश पर लेखपाल विक्रांत मौके की जांच करने पहुंचे। लेखपाल ने बताया कि जांच में 1263 घन मीटर अवैध खनन मिला है। जिसकी रिपोर्ट एसडीएम को सौंपी गई है।

खनन स्थल पर जांच करती तहसील की टीम। अमृत विचार

पुलिस करती रहती गश्त और होता रहता अवैध खनन

क्षेत्र में रात भर गश्त करने का दावा करने वाली सोहरामऊ पुलिस की आखों के सामने खनन हो रहा है। वहीं अमृत विचार के सोमवार के अंक में मानक से अधिक अवैध खनन व परिवहन होने के मामले में विधायक ब्रजेश रावत को एसडीएम से शिकायत करनी पड़ रही है। विधायक ने गुरुवार को खनन की शिकायत एसडीएम से की तो आनन-फ़ानन हसनगंज तहसील से टीम जांच के लिए भेजी गई। एसडीएम हिमांशु गुप्ता के आदेश पर सुनील सिंह ने जांच की।

सड़क पार कर रही मासूम को डंपर ने रौंदा

परिजनों ने मैरावां-मोहनलालगंज रोड पर लगाया जाम, सीओ के कड़ी कार्रवाई के आश्वासन पर शांत हुए परिजन

संवाददाता पुरवा उन्नाव

अमृत विचार। असोहा थानांतर्गत सड़क पार करते समय तेज रफ्तार डंपर ने पांच वर्षीय मासूम को रौंद दिया। इसमें उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गांव के बाहर हुए हादसे के बाद परिजनों ने सड़क पर शव रख जाम लगा दिया। असोहा पुलिस की सूचना पर सीओ सर्किल अन्य थानों की फोर्स के साथ मौके पर पहुंची और नाराज लोगों को चालक पर कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिलाकर सबको शांत कराया।

असोहा थानाक्षेत्र के कंचनपुर गांव निवासी नीरज रावत की पांच वर्षीय बेटी पिंकी गुरुवार शाम करीब छह बजे गांव के बाहर गई थी। मौरावां-मोहनलालगंज रोड पार करते समय मौरावां से गिट्टी लादकर जा रहे डंपर ने उसे रौंद दिया। इसमें बच्ची की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जानकारी मिलते ही रोड पर ग्रामीण एकत्र हो गए। गुस्साए परिजनों ने ग्रामीणों के साथ रोड पर जाम लगा दिया। सूचना पर असोहा पुलिस पहुंची और जाम खुलवाने के प्रयास किए।

लेकिन नाराज लोग नहीं माने। सूचना पर सीओ सोनम सिंह सर्किल के अन्य थानों की फोर्स के साथ पहुंची और परिजनों को सांत्वना देने के साथ चालक पर कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिया। साथ ही चालक व डंपर के पकड़े जाने की भी जानकारी दी। इसके बाद नाराज लोग सड़क से हटे। तब पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेजा। पिंकी की मौत से पिता नीरज, मां गुड़िया व अन्य परिजन रो-रोकर बेहाल रहे। सीओ ने बताया कि चालक को हिरासत में लिया गया है। जाम खुलवा दिया गया है। तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सड़क पर जाम लगाए परिजन। अमृत विचार

परिजनों को समझाते पुलिस कर्मी।। अमृत विचार

डीसीएम की टक्कर से साइकिल सवार वृद्ध घायल

आसीवन। थानाक्षेत्र के गांव भारत खेड़ा निवासी नन्हेलाल (60) पुत्र दुरविजय साइकिल से अपनी बेटी के घर रजापुर गांव जा रहे थे। अभी वह लखनऊ-बांगरमऊ मार्ग स्थित किरमिली के पास पहुंचे ही थे कि उनकी साइकिल में डीसीएम ने टक्कर मार दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें मियागंज सीएचसी में भर्ती कराया। जहां से डाक्टर ने उनकी हालत गंभीर देखकर ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया। घटना के बाद डीसीएम चालक मौके से फरार हो गया।

अनियंत्रित ई-रिक्शे की टक्कर से बतासे का ठेला पलटा

शुक्लागंज उन्नाव। गुरुवार दोपहर एक पानीपूरी बेचने वाला युवक ठेला लेकर कानपुर की ओर जा रहा था, तभी नवीन पुल पर अनियंत्रित ई रिक्शा ने उसे टक्कर मार दी। जिससे उसका ई रिक्शा पलट गया और उसके बताशे, पानी सड़क पर फैल गये। जिससे उसे हजारों का नुकसान हुआ है। वहीं नवीन पुल पर कुछ देर के लिये जाम की स्थिति बनी रही। चंपापुरवा निवासी विजय सिंह पानी पूरी का कानपुर में ठेला लगाता है। गुरुवार दोपहर वह ठेला लेकर जा रहा था, तभी नवीन पुल पर अनियंत्रित ई रिक्शे की टक्कर से ठेला पलट गया और उसके बताशे पानी सब सड़क पर फैल गये। यह देख विजय ने ई रिक्शा चालक मुन्ना को पकड़ लिया। जिस पर दोनों में विवाद होने लगा। जिस पर पुल पर जाम लग गया। राहगीरों ने बीच बचाव किया और नुकसान की भरपाई करने को कहा। मुन्ना ने विजय को कुछ रुपये दिये। जिसके बाद मामला शांत हो सका और ठेला को हटाया गया। जिस पर जाम हट सका।

नवीन पुल परर लगा जाम। अमृत विचार

सार-संक्षेप

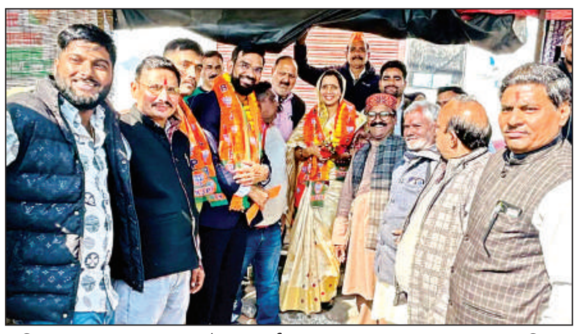

पालिकाध्यक्ष का स्वागत करते भाजपाई। अमृत विचार

पालिकाध्यक्ष का भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

शुक्लागंज। नगर की डाकतार कॉलोनी निवासी पालिकाध्यक्ष बुधवार को लखनऊ में भाजपा में शामिल हुईं। जिस पर गुरुवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। बुधवार को प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी, डिप्टी सीएम केशव मौर्य, बृजेश पाठक की मौजूदगी में कौमुदी पांडे भाजपा में शामिल हुई थी। गुरुवार को मंडल अध्यक्ष आदित्य त्रिपाठी ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ पालिकाध्यक्ष और उनके पति संदीप पांडे का स्वागत किया। इस मौके पर अंकुर शुक्ला, अवधेश बाजपेई, अमरेन्द्र गुप्ता, गोरेलाल दीक्षित, जय सिंह कुशवाहा, इंद्रेश शुक्ला समेत नगर के तमाम भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया गया। इसके साथ ही मरहला चौराहे से लेकर जगह-जगह उनका फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया।

आग जलाते सम य झुलसा युवक, हालत गंभीर

नवाबगंज उन्नाव। अजगैन कोतवाली अंतर्गत तापने के लिए गीली लकड़ी जलाने का प्रयास कर रहा युवक आग की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। परिजनों ने उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के बाकी गांव निवासी सालाऊद्दीन (38) पुत्र हबीब हसन देरशाम घर पर आग तापने के लिए लकड़ी जला रहा था। गीली लकड़ी को जलाने के लिए उसने अपने घर में रखा ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दिया। अचानक उठी तेज लपटों की चपेट में आकर वह गंभीर रूप से झुलस गया। परिजनों ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसे भर्ती कर इलाज किया जा रहा है।

ग्रामीणों को संबोधित करतीं पूर्व सांसद अन्नू टंडन। अमृत विचार

सांसद बनी तो छुट्टा पशु सड़क पर नहीं होंगे

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। सपा से लोकसभा प्रत्याशी व पूर्व सांसद अन्नू टंडन ने गुरुवार को सफीपुर क्षेत्र के कई गावों में पहुंचकर लोगों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने लोगों को सांसद बनने पर अन्ना मवेशियों से निजात दिलाने का आश्वासन दिया।

ग्रामीणों से मुलाकात के दौरान पूर्व सांसद अन्नू टंडन ने कहा कि अन्ना जानवर किसानों की मेहनत से तैयार फसल को रौंदकर उन्हें खून के आसूं रुला रहे हैं। बड़े शर्म की बात है कि वर्तमान की डबल इंजन की सरकार उन किसानों के दर्द को सुन नहीं रही है। कहा कि यदि वे सांसद बनीं तो सबसे पहला काम किसानों को अन्ना जानवरों के आतंक से मुक्ति दिलाने का होगा। वे गुरुवार को सफीपुर ब्लाक क्षेत्र के चकलवंशी, पावा, अतहा, बहाउद्दीनपुर, सकहन, गहोली, न्यामतपुर, जमालनगर, इब्राहिमाबाद, ददलहा आदि गावों में पहुंची थीं। उनके साथ रहे सपा जिलाध्यक्ष राजेश यादव ने कहा कि सपा प्रत्याशी जिले के लोगों के हर दुख में खड़ी रही हैं। उनकी पहचान जनसेवक की रही है। इस दौरान सपा के सफीपुर विधानसभा अध्यक्ष मकसूद अली, शिवशंकर वर्मा, ब्लाक अध्यक्ष मनोज रावत, जितेंद्र रावत, फरान सफवी, साधू यादव, जितेन्द्र कुशवाहा खवीर सिंह मेजर, सरीफ भाई, खालिक प्रधान, सन्तू यादव, राम जीवन यादव तेह बहादुर, अभिमन्यु यादव सहित अन्य सपाई मौजूद रहे।

द्वेष और घृणा कर हम कुछ हासिल नहीं कर सकते

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा आयोजित शिविर के अंतिम दिन लोगों को द्वेष और घृणा से होने वाले नुकसान के बारे में बताया गया।

नंदन वन में खुशियों का बिग बाजार कार्यक्रम के अंतिम दिन अंतर्राष्ट्रीय मोटिवेशनल ब्रह्माकुमार शक्ति राज सिंह ने कहा कि पानी को हम अधिकतम तापमान पर उबालते हैं। लेकिन, बाद में वह अपने मूल स्थिति में ठंडा हो जाता है। ईर्ष्या, द्वेष व घृणा से हम कुछ भी हासिल नहीं कर सकते हैं वास्तव में इससे हम खुद को नुकसान पहुंचाते हैं। यह एक आग है जो एक दूसरे पर प्रयोग करने से पहले खुद को जलाती है। जैसे माचिस की तीली पहले खुद को जलाती है। बताया कि मनुष्य अपने विचारों का उत्पाद है। हम जैसा सोचते हैं वैसा ही बन जाते हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि हम आज जो भी कुछ हैं वह हमारे विचारों की ही देन है। हमें अपने विचारों को श्रेष्ठ बनाना हमारी जिम्मेदारी है। अंत में श्रोताओं का अलौकिक जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया और पुष्प वर्षा के साथ केक काटा गया। वहीं, संकल्प सूत्र बंधवाकर प्रतिज्ञा कराई गई। क्लीनिंग और हीलिंग विधि से खुशियों की अनुभूति कराई गई।

कार्यक्रम में मौजूद विश्व विद्यालय के सदस्यगण। अमृत विचार

मौनी अमावस्या स्नान आज, घाटों की पालिका प्रशासन ने कराई सफाई

गंगा घाट की साफ-सफाई करते पालिकाकर्मी। अमृत विचार

संवाददाता शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार। मौनी अमावस्या पर दूर दराज से श्रद्धालु गंगा स्नान करने के लिये शुक्लागंज के घाटों पर आते हैं। जिसको देखते हुए पालिका ने घाटों की एक दिन पहले ही साफ सफाई करवाई है। वहीं सुरक्षा को देखते हुए नावें और गोताखोर भी तैनात किये गये हैं।

पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे और ईओ मुकेश मिश्रा के निर्देश पर अतिरिक्त सफाई कर्मियों को लगाकर गंगा विशुन घाट, शिव घाट, मोनू घाट, बालूघाट, आनंद घाट, आदि घाटों की साफ सफाई कराई गई। क्योंकि मौनी अमावस्या के स्नान को लेकर लखनऊ, कानपुर, जैतीपुर, हरौनी, नबावगंज, रायबरेली, बालामऊ, हरदोई, उन्नाव के आस पास क्षेत्रों से श्रद्धालु गंगा स्नान करने आते हैं। वहीं सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर मिश्रा कॉलोनी से लेकर जाजमऊ चंदन घाट तक सुरक्षा का व्यापक इंतजाम किया।

वहीं पालिका की ओर से महिलओं के कपड़े बदलने के साथ ही मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही गहरे पानी में कोई न जाये, इसके लिये नावें और गोताखोर को भी तैनात किया गया। इस बावत ईओ ने बताया कि मौनी अमावस्या को देखते हुये घाटों की साफ सफाई कराई गई है। इसके साथ ही महिलाओं के वस्त्र बदलने की भी व्यवस्था की गई है। सर्दी को देखते हुये अलाव भी जलवाये जायेंगे।

किशोरी के अपहरणकर्ता को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता गंजमुरादाबाद उन्नाव

अमृत विचार। बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र के गांव निवासी एक किशोरी अचानक घर से लापता हो गयी थी। पिता ने कमल किशोर पुत्र राजेंद्र निवासी गांव नेवादा परस थाना मल्लावां हरदोई के विरुद्ध बेटी को बहला फुसलाकर भगा ले जाने की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई थी। तब से पुलिस लापता किशोरी व आरोपी की तलाश कर रही थी।

पुलिस ने बीती 5 फरवरी को आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे अंडरपास के पास से किशोरी को बरामद कर उसका मेडिकल कराने के बाद न्यायालय में उसके बयान भी कराए थे। गुरुवार को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर उसे दबोच लिया। पुलिस ने उसके विरुद्ध कार्यवाही कर कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे जेल भेजा गया।

पुलिस ने दो वारंटी पकड़े

शुक्लागंज। माखी थाना क्षेत्र के किरना गांव निवासी मथुरा का कोर्ट से वारंट जारी हुआ था। जिस पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। वहीं कोतवाली प्रभारी रामफल ने बताया कि मूरत खेड़ा निवासी जीतन लोधी उर्फ जीतेन्द्र कोर्ट में हाजिर नहीं हो रहा था। जिस पर उनका वारंट जारी हो गया। वारंट जारी होने पर दोनों को मुखबिर की सूचना पर गुरुवार को गिरफ्तार किया गया। जहां दोनों को कोर्ट भेजा गया है।

कागज के बजाए ऑनलाइन मिलेगी छुट्टी

कार्यालय संवाददाता, फतेहपुर

- पुलिसकर्मियों की छुट्टी का ऑनलाइन रिकार्ड होगा
- पुलिस कर्मियों की हर छुट्टी अधिकारी देख सकेंगे

अमृत विचार। शिक्षा विभाग की तरह अब पुलिस अधिकारी और कर्मचारी भी मानव संपदा पोर्टल से जोड़े जाएंगे। पोर्टल से जुड़ने के बाद पुलिसकर्मियों की हर छुट्टी का ऑनलाइन रिकार्ड होगा।

साधारण प्रार्थना पत्र पर छुट्टी लेकर जाने वाले पुलिसकर्मियों का विवरण जुटाना मुश्किल होने लगा तो सभी के लिए कार्ड जारी कर दिया गया है।

> मानव संपदा पोर्टल से सभी अधिकारी और कर्मचारियों का डाटा जोड़ा जाएगा। इससे पुलिसकर्मियों की छुट्टी, तैनाती व अन्य कार्यों की जानकारी आसानी से हो सकेगी। कहीं कोई गड़बड़ी नहीं हो सकेगी।
>
> -उदय शंकर सिंह, एसपी

अब शिक्षा विभाग की तरह पुलिस विभाग में भी सभी का विवरण मानव संपदा पोर्टल पर अपडेट किया गया है। इससे अधिकारियों से लेकर पुलिसकर्मियों तक की छुट्टी, वेतन, उनकी तैनाती के साथ ही तबादले का भी पूरा विवरण होगा। ऐसे में पुलिसकर्मियों की हर छुट्टी सभी अधिकारी आसानी से देख सकेंगे।

बाइक मैकेनिक का शव खेत में मिला

संवाददाता हथगाम फतेहपु

अमृत विचार। दुकान बंद कर घर जाने के लिए निकले एक बाइक मैकेनिक का शव गुरुवार सुबह एक खेत में पड़ा मिला। कुछ ही दूरी पर उसकी बाइक भी मिली है। परिजन हत्या होने की आशंका जता रहे हैं।

हथगाम थाना क्षेत्र के मानापुर गांव निवासी मुकेश पाल (25) छिवलहा में बाइक रिपेयरिंग का गैरेज खोले था। परिजनों ने बताया कि बुधवार को शाम सात बजे के बाद वह दुकान बंदकर घर आ था। पर वह देर रात तक घर नहीं पहुंचा था। तलाश करने के बावजूद उसका पता न हीं चला।

गुरुवार सुबह रास्ते में जगन्नाथ बाबा मंदिर के पास गेहूं के एक खेत में उसका शव पड़ा मिला। शव से करीब डेढ़ सौ मीटर दूर एक बाइक खड़ी थी जो कि लॉक थी। थानाध्यक्ष अभिलास तिवारी ने बताया कि शरीर में कोई चोट के निशान नहीं हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

क्रिकेट टूर्नामेंट | लकी सिंह को मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजा गया

फ्रेंडस क्रिकेट ने 37 रनों से जीता मैच

संवाददाता शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार। उन्नाव शुक्लागंज मां ज्वालादेवी द्वारा संस्थापित शुक्लागंज नगर के 89वें स्थापना दिवस पर आयोजित 20वां मां ज्वालादेवी क्रिकेट ट्राफी टूर्नामेंट का पहला मैच फ्रेंडस क्रिकेट और रामलला क्रिकेट के बीच खेला गया। जिसे फ्रेंडस क्रिकेट ने 37 रनों से मैच अपने नाम कर किया।

रामकली स्टेडियम पर 89वां शुक्लागंज स्थापना दिवस मनाया गया। इस दौरान आयोजित पचास कैशमनी टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच फ्रेंडस क्रिकेट और रामलला क्रिकेट के बीच खेला गया। रामलला की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। बल्लेबाजी करते हुए फ्रेंडस क्रिकेट की टीम ने 30 ओवर में 5 विकेट खोकर 200 रन बनाए। जिसमें यश ने 69 और कामरान ने 56 रनों का योगदान दिया। रामलला की ओर से गेंदबाजी करते हुए आलोक ने 32 रन देकर दो विकेट झटके। जवाब में उतरी रामलला की टीम ने अपने सभी विकेट खोकर 163 रन ही बना सकी। जिसमें आर्यन वर्मा ने 36 रनों का योगदान दिया। फ्रेंड्स की ओर से गेंदबाजी करते हुए लकी ने चार विकेट झटके। फ्रेंड्स क्रिकेट की टीम ने 37 रनों से मैच अपने नाम कर लिया। इस दौरान शानदार गेंदबाजी करने वाले लकी सिंह को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। टूर्नामेंट के उद्घाटन से पहले सदर विधायक पंकज गुप्ता ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इस मौके पर अजय त्रिवेदी, वीरेंद्र शुक्ला, राजेश गुप्ता, कार्तिकेय त्रिवेदी, एहसान इमरान, रूपम बाजपेई, अंकुर शुक्ला, रितेश मिश्रा, राजेश भारती, जॉनी आदि रहे।

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते सदर विधायक पंकज गुप्ता। अमृत विचार

किसानों ने छुट्टा मवेशियों को किया कैद, जिम्मेदार परेशान

संवाददाता किशनपुर, फतेहपुर

- किसान रात-रात भर जागकर पहरेदारी करने को मजबूर
- शुक्रवार को दूसरी गौशालाओं में पहुंचाने का मिला आश्वासन

अमृत विचार। विजयीपुर क्षेत्र के रामपुर गांव में अन्ना मवेशियों से परेशान किसानों ने जानवरों को एक स्थान पर कैद कर दिया। इससे जिम्मेदारों के बीच खलबली मची हुई है।

बता दें कि क्षेत्र में अन्ना मवेशियों की भरमार है जो लगातार किसानों की फसल बर्बाद कर रहे हैं। रात भर रतजगा करने के बाद भी किसान अपनी फसल नहीं बचा पा रहे हैं। जिससे तंग आए रामपुर गांव के किसानों ने गुरुवार को सभी अन्ना मवेशियों को विद्यालय के पीछे बने सुरेश सिंह के हाता में कैद कर दिया और अधिकारियों को बुलाने की मांग करने लगे। काफी देर तक ग्रामीण जानवरों को कैद कर हंगामा करते रहे। कुछ देर बाद जिम्मेदारों को किसानों के हंगामें की खबर लगी,जिसके बाद अन्ना मवेशियों को गोशाला में भेजने का आश्वासन मिला। इसके बाद किसानों ने हंगामा खत्म किया। गांव के रहने वाले किसान हौसला पाल, चिम्मन सिंह, ठाकुर सिंह, इंदल सिंह, राजेंद्र सिंह व लल्लन सिंह ने बताया कि क्षेत्र में अन्ना मवेशियों की भरमार है। जिससे वह लोग अपनी फसल नहीं बचा पा रहे हैं।

रात भर रतजगा करने के बाद भी फसल बचना नामुमकिन हो रहा है। जिम्मेदारों द्वारा अन्ना जानवरों को गोशाला में नहीं शिफ्ट कराया जा रहा। जिससे तंग आकर हम लोगों ने सभी जानवरों को एक हाता में कैद कर दिया। मामले में सचिव अभिलाष चन्द्र मिश्रा ने बताया कि आज गाड़ी की व्यवस्था नहीं हो पाई है शुक्रवार को सभी मवेशियों को दूसरी गोशालाओं में पहुंचाया जाएगा।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत, परिजन हुए बेहाल

कार्यालय संवाददाता फतेहपुर

अमृत विचार। कल्यानपुर थाना क्षेत्र के चौडगरा के पास बुधवार की देर शाम एक बाइक सवार हादसे का शिकार हो गया। ट्रक की टक्कर से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

कौशांबी जनपद के थाना मंझनपुर गांव नारा सहिदाबाद निवासी उल्लन का पुत्र शाहरूख औंग थाना क्षेत्र के तहत टायर पंचर की दुकान खोले था। बुधवार की देर शाम वह बाइक से कौशांबी जा रहा था। जब वह चौडगरा के पास पहुंचा तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी,जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन सहित भाग गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

हाईवे पर पलटी अनियंत्रित मैजिक, महिला की मौत

कार्यालय संवाददाता फतेहपुर

अमृत विचार। कल्यानपुर थाना क्षेत्र के रेवाड़ी गांव के पास गुरुवार को गलत दिशा से आ रहे ट्रैक्टर के कारण शहर की ओर से जा रही मैजिक पलट गई। सात लोग घायल हो गए। एक की हालत गंभीर देख सदर अस्पताल भेजा। डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कानपुर प्रयागराज हाईवे में रेवाड़ी के पास पलटी मैजिक में गूंझी निवासी गुड्डन पत्नी बृजेश, सुखराना पत्नी गजराज, विनीता, शांति, कौशिक, राम कुमारी और रामशंकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पुलिस की मदद से स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां सभी घायलों को भर्ती कर उपचार शुरू कराया गया। वहीं डाक्टर ने गुड्डन को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में डाक्टरों ने गुड्डन को मृत घोषित कर दिया।

बाइक की टक्कर से बाइक सवार घायल

फतेहपुर। बिंदकी कस्बा के मुहल्ला कटरा निवासी अनिल निमंत्रण में हथगाम थाना क्षेत्र के नवाबगंज गया था। गुरुवार सुबह बाइक से वापस घर जा रहा था। इसी दौरान जोनिहां के पास पीछे से आ रहे बाइक सवार ने उसे टक्कर मार दिया जिससे वह घायल हो गया। एंबुलेंस से उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसने बताया कि पीछे से आ रहा बाइक सवार सिपाही ने उसे टक्कर मार दिया।

शैले शैले न माणिक्यं, मौक्तिम न गजे गजे।
साधवो नहि सर्वत्र, चंदन न वने वने।।

प्रत्येक पर्वत पर अनमोल रत्न नहीं होते, प्रत्येक हाथी के मस्तक में मोती नहीं होता।
सज्जन लोग सब जगह नहीं होते और प्रत्येक वन में चंदन नही पाया जाता ।

संपादकीय

जैव ईंधन पर जोर

पश्चिम एशिया में भूराजनीतिक तनाव के चलते जीवाश्म ईंधन की आपूर्ति श्रृंखला संकट का सामना कर रही है। ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन राजनीतिक रूप से ध्रुवीकरण करने वाले मुद्दे बने हुए हैं। जबकि अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने कहा है कि शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण वर्ष 2030 तक भारत की ऊर्जा मांग प्रति वर्ष तीन प्रतिशत से अधिक तक बढ़ सकती है। तेजी से उभर रही अर्थव्यवस्था में परिवहन ईंधन के लिए भारत में मांग का बढ़ना जारी रहेगा। जबकि अन्य देशों में यह स्थिर है या इसमें गिरावट आ रही है। भारत अपनी तेल आवश्यकताओं के 80 प्रतिशत भाग का आयात करता है और दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता है। इसके साथ ही, भारत की ऊर्जा खपत के अगले 25 वर्षों तक प्रत्येक वर्ष 4.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान किया जाता है। यानि 2030 तक भारत दुनिया का सबसे बड़ा तेल आयातक बन सकता है। 2030 तक भारत में प्रतिदिन तेल की खपत 66 लाख बैरल हो जाएगी। कहा जा सकता है कि सरकार ने जीवाश्म ईंधन के विकल्पों पर जोर देकर सही किया है। गौरतलब है कि जी-20 शिखर सम्मेलन के मौके पर भारत के नेतृत्व वाले समूह, ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस ने पेट्रोलियम जैसे जीवाश्म ईंधन के विकल्प के रूप में जैव ईंधन के उत्पादन और उपयोग को बढ़ावा देने का निर्णय लिया था। जैव ईंधन बायोमास से बने ईंधन हैं, जैसे कि पौधे या अपशिष्ट पदार्थ जिन्हें ऊर्जा में परिवर्तित किया जा सकता है। जैव ईंधन के समर्थकों का तर्क है कि वे जीवाश्म ईंधन के विपरीत ऊर्जा का एक स्थायी और नवीकरणीय स्रोत हैं जो सीमित हैं और अंततः समाप्त हो जाएंगे। इसके अतिरिक्त, यह भी कहा जाता है कि जैव ईंधन जीवाश्म ईंधन की तुलना में कम ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन करता है, जिससे यह अधिक पर्यावरण-अनुकूल विकल्प बन जाता है।

जीवाश्म ईंधन दुनिया भर में 70 प्रतिशत कार्बन डाई आक्साइड उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार है। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि वायु प्रदूषण प्रतिवर्ष होने वाली 80 लाख मौतों के लिए जिम्मेदार है। इस परिदृश्य में ऊर्जा सुरक्षा के निरंतर जोखिमों को कम करने के लिए नवीकरणीय स्रोतों की ओर संक्रमण में तेजी लाना और जीवाश्म ईंधन की प्रमुखता को तेजी से समाप्त करना भारत की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। हालांकि सरकार का लक्ष्य तेल की खोज में निजी क्षेत्र का निवेश बढ़ाने का है। ऐसे में भारत घरेलू उत्पादन और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला मजबूत करने पर ध्यान दे।

जातियां किसने बनाईं, धर्म किसने बनाए

डॉ. राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

लोक जीवन चारों ओर से चिंताओं से घिरा है, समस्याओं से संत्रस्त है-मंहगाई, बेरोजगारी, पर्यावरण-प्रदूषण, भ्रष्टाचार, देश के प्राकृतिक-संसाधनों की लूट, बैंकों की लूट, लोकतांत्रिक संस्थाओं का क्षरण, शिक्षा और चिकित्सा जैसे क्षेत्र माफिया से आक्रांत हैं और देश की संसद हाहाकार कर रही है?

देश की जनता अपने प्रतिनिधियों को चुन कर संसद में भेजती है कि देश की प्रत्येक समस्या पर वहां खुल कर चर्चा हो क्योंकि देश की सबसे बड़ी पंचायत संसद है लेकिन संसद नहीं चल पाती और ऐसा आज से नहीं, बरसों से हो रहा है। जितना गहन विचार-विमर्श होना चाहिए वह नहीं हो पाता। सवाल यह है कि क्या संसद और विधानसभाएं जनमत का प्रतिनिधित्व कर पा रही हैं या जनमत के नाम पर सत्ता और पैसे के संगठित स्वार्थ द्वारा संचालित हो रही हैं? क्या सचमुच वहां देश के सच्चे प्रतिनिधि लोग हैं? क्या सचमुच वहां देश की मेधा पंहुच पाती है?

संसद सदस्यों के आडंबर, इनकी सुख-सुविधा, इनके सांमती खर्च, इनकी पल-पल बदलने वाली वेशभूषा, इनके वेतन भत्ते इस विकासशील और गरीब देश पर भार नहीं बन चुके हैं? प्रतिदिन हजारों करोड़ रुपया इन नए सामंतों पर खर्च नहीं हो रहा है? लोकतंत्र के संचालन के लिए लोक ने जिन्हें अपना प्रतिनिधि चुना है, वे अपने को लोक के अंतर्गत मानते हैं या अपने को लोक के ऊपर समझते हैं? क्या यह संसद की महिमा का ही क्षरण नहीं है? ये देश की सेवा है? क्या संविधान निर्माताओंने ऐसी ही संसद की परिकल्पना की थी? क्या भीड़तंत्र को लोकतंत्र बतलाना, जनता को धोखा देना नहीं है?

लोक जीवन चारों ओर से चिंताओं से घिरा है, समस्याओं से संत्रस्त है-मंहगाई, बेरोजगारी, पर्यावरण-प्रदूषण, भ्रष्टाचार, देश के प्राकृतिक-संसाधनों की लूट, बैंकों की लूट, लोकतांत्रिक संस्थाओं का क्षरण, शिक्षा और चिकित्सा जैसे क्षेत्र माफिया से आक्रांत हैं और देश की संसद हाहाकार कर रही है? बैंकों की लूट का सिलसिला जारी है। चर्चा के लिए संसद है किंतु संसद में गंभीर चर्चा कहां होती हैं?

उन चैनलों पर जो निहित-स्वार्थ के द्वारा संचालित होते हैं। जहां विमर्श की आवश्यकता है, वहां तमाशा किया जा रहा है। जातियुद्ध और मजहबी-उन्माद को हवा देने के लिए लोकतंत्र का तमाशा। उनके कार्यक्रमों के नाम ही उनकी प्रवृत्ति को उजागर कर सकते हैं, किसी का नाम है-दंगल तो किसी का नाम है-मुकाबला और कोई हल्ला बोल है। दूरदर्शन और आकाशवाणी

जाति और धर्म किसने बनाए? इस सवाल को लेकर किताबों को देखने की जरूरत नहीं है, उनको बहुत देखा जा चुका है। आज जरूरत है आदिवासियों और जनजातियों के जीवन के अध्ययन की। जाति किसने बनाई और धर्म किसने बनाया? इसके प्रत्यक्ष सूत्र हमें आदिवासियों और जनजातियों के जीवन में मिल जाएंगे।

इतिहास बन चुके हैं। जाति और मजहब को लेकर जनता की एकता को निरंतर तोड़ते रहने का सदाव्रत, इसी सदाव्रत का नाम आज राजनीति बन चुका है। चर्चा उठी है कि जातियां किसने बनाईं, धर्म किसने बनाए?

ये दोनों सवाल राजनीति के नहीं, समाजशास्त्र के हैं, मानव शास्त्र के हैं, संस्कृति शास्त्र के हैं, इतिहास के हैं। ये दोनों सवाल विश्वविद्यालयों और दूसरी राष्ट्रीय अनुसंधान-संस्थाओं के हैं। मुश्किल यह है कि विश्वविद्यालय मौन हैं और जिनका क्षेत्र राजनीति है, वे वितंडा कर रहे हैं।

जहां तक अनुसंधान की बात है, तो मेरे अध्ययन में जाति को लेकर जितना स्पष्ट चिंतन बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर का है, उतना किसी का नहीं। जन्मना जाति के सिद्धांत को उन्होंने स्वयं भोगा था। उन्होने लिखा है कि-'मेरे स्कूल में एक मराठा जाति की स्त्री नौकरी पर थी। वह स्वयं अशिक्षित थी, लेकिन छूआछूत मानती थी। मुझे छूने से बचती थी। मुझे याद है कि एक दिन मुझे बहुत प्यास लगी थी। नल को छूने की मुझे अनुमति नहीं थी। मैंने मास्टरजी से कहा-मुझे पानी चाहिए। उन्होंने चपरासी को आवाज देकर नल खोलने के लिए कहा। चपरासी ने नल खोला और तब मैंने पानी पिया। चपरासी गैरहाजिर होता तो मुझे प्यासा ही रहना पड़ता।' जाति को लेकर डॉ. भीमराव आंबेडकर का महत्वपूर्ण अनुसंधान है। जब कोई बुद्धिजीवी किसी मिशन को लेकर खड़ा हो जाता है, तब वह कितनी प्रचंड शक्ति बन जाता है, डॉ. भीमराव आंबेडकर इसके उदाहरण थे। भारतीय समाज के सताए हुए वर्ग से जो बुद्धिजीवी पैदा हुआ, उसने अधिकार की सत्ता को विचार-शक्ति का दमखम दिखा दिया। उनके विरोधी भी उनके तर्कों की धार को मान गए थे। डा भीमराव आंबेडकर की जाति की अवधारणा को गहराई से समझना होगा।

अभी कुछ दिन पहले ही इतिहास के प्रोफेसर डा. रामेश्वरदास का शोधपत्र सुना, उन्होंने बतलाया कि शूद्र एक कबीले का नाम था, शूद्र नामक कबीले में क्रमशः अन्य कबीले समाते रहे और वह एक बड़ा वर्ण बन गया।

जाति और धर्म किसने बनाये? इस सवाल को लेकर किताबों को देखने की जरूरत नहीं है, उनको बहुत देखा जा चुका है। आज जरूरत है आदिवासियों और जनजातियों के जीवन के अध्ययन की। जाति किसने बनाई और धर्म किसने बनाया? इसके प्रत्यक्ष सूत्र हमें आदिवासियों और जनजातियों के जीवन में मिल जाएंगे। ईसाई मिश्नरी अवश्य वहां पहुंची थीं किन्तु पुरोहित-प्रपंच अभी भी वहां से दूर है।

मानव-शास्त्रियों ने मनुष्य-जीवन को समझने के लिए आदिवासी-जीवन का अध्ययन प्रारंभ किया था, जिसका निरन्तर विकास हो रहा है। सभ्यता के कितने सोपान हैं? लेकिन मनुष्य मनुष्य ही है और आदिवासियों को भी मनुष्य के रूप में ही पहचाना जा सकता है। संसार के विभिन्न देशों की तरह भारत में भी आदिवासियों का बहुत विस्तार है और अध्येताओं ने उनका वर्गीकरण भी किया है।

आदिवासी-संस्कृति के अध्येताओं ने एक तथ्य को देखा है कि आदिवासी मानते हैं कि नारी और प्रकृति एक ही तत्त्व है। जंगल और प्रकृति उनकी मां है। समुद्र देवी का रूप है, हवा और बादल भी दिव्य हैं। उनके लोकनृत्य प्रकृति और जीवन की एकता की अवधारणा पर ही आधारित हैं। वे मानते हैं कि वृक्ष दिव्य शक्ति हैं। उनका जीवन आवश्यकता पर आधारित है, लालच या तृष्णा पर नहीं। प्रकृति का सहज साहचर्य, आनन्द और नृत्य उनका जीवन है। उनके पास लिखित साहित्य नहीं है। लेकिन वाचिक-परंपरा से उन्होंने सामाजिक विवेक की धरोहर को संजो कर रक्खा है। चेतना और आत्मा में वे भरोसा करते हैं। रोग- मातृका की पूजा करते हैं। मृत्यु के समय भी वे नृत्य करते हैं क्योंकि यह भी भगवान की लीला है।

हम उनको मनुष्य नहीं मानते, उनकी भाषा को भाषा नहीं मानते, उनकी कला को कला नहीं मानते। हां, जहां दाव लग जाता है, उनका शोषण करते हैं, उनके जंगल और प्राकृतिक-संसाधन छीनना विकास का सहज स्वभाव है। विकास की इस अवधारणा का केन्द्रीय तत्व तृष्णा या लालच है। बहुत से शोधार्थी अरुणाचल प्रदेश की जनजातियों पर शोध कर रहे हैं, मात्र चौदह लाख के आस-पास की आबादी वाले इस अकेले प्रदेश में ही जो शताधिक जनजातियां निवास करती हैं, इनमें लाख से ऊपर की जनसंख्यावाली जनजातियां भी हैं, तो कुछ ऐसी भी जनजातियां हैं, जिनकी गिनती सैकड़ों तक ही सिमटकर रह जाती है। मूलतःजनजातीय स्वरूप वाले इस राज्य में निवास करने वाली जो सौ से अधिक जनजातियां हैं, इनमें से 25 या 26 की पहचान प्रमुख जनजातियों के रूप में की गई है। इन सबकी अपनी अलग-अलग बोली-बानी, कला-साहित्य, सामाजिक-सांस्कृतिक वैशिष्ट्य आदि। ऐसे में किसी एकरेखीय पद्धति से इनकी लोक-संस्कृति का विवेचन करना कोई आसान काम नहीं।

यह जाति और धर्म के उद्भव की एक कहानी है। भारत में हजारों ही जनजातियां हैं और उनके हजारों ही लोकदेवता हैं और अलग अलग धर्म-रीतियां हैं, कोई यह दावा नहीं कर सकता कि इन जातियों की रचना अमुक जाति ने की है। इन लोगों के पास आज भी न वेद हैं, न पुराण, न मनुस्मृति और न रामचरित मानस फ़िर भी इनके पास इनका देवता है, ईश्वर का एक समरूप, इनके पास जातियों के अनन्त भेद हैं। विविध बोलियाँ हैं और विविध विश्वास। राजनैतिक-निहित स्वार्थों को पर्दे के पीछे छिपा कर भाषण देने या भारतीय-चिन्तन को नकारने से जाति-समस्या का समाधान नहीं हो सकता। क्या जन्म को आधार बना कर आज नई-नई जातियां पैदा नहीं हो रहीं? जैसे-जन्मना जातिः नेता का बेटा नेता? अफ़सर का बेटा अफ़सर।

प्रसंगवश

धर्म की प्रकृति

अक्सर लोगों को कहते सुनता हूं कि धर्म अज्ञान की उपज है। पर यह विचार तथ्यों से परे है, क्योंकि संसार के जितने भी धर्म हैं, चाहे वह जैन धर्म हो, बौद्ध धर्म हो, ईसाई धर्म हो, इस्लाम हो या अन्य कोई धर्म हो, सभी अपने समय के महानतम विचारकों और ज्ञानियों द्वारा शुरू किए गए हैं। वास्तविकता यह है कि सारे धर्म अपने उद्भव काल में उतने ही ज्यादा क्रांतिकारी थे और व्यवस्था के विरोधी थे जितना कि 19वीं सदी में मार्क्स द्वारा प्रतिपादित साम्यवाद के सिद्धांत।

राना सिंह
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

धर्म की उत्पत्ति का मुख्य कारण समाज का शासक और शोषित वर्गों में विभाजित होना और परिणामस्वरूप जीवन में वैषम्य और दुख का आगमन होना रहा। जीवन में दुख का मुख्य कारण धन का अभाव नहीं बल्कि असमानता की उपस्थिति है। एक सर्व शक्तिमान ईश्वर की कल्पना कर के शोषित वर्ग ने धरती के शासकों को मानों खुली चुनौती दी कि तुमसे भी बड़ा कोई और है जिसके हम अनुयाई हैं। स्वर्ग की कल्पना इस बात का प्रमाण है कि इस दुनिया में दुख है। यह आदमी के इस आकांक्षा की अभिव्यक्ति है कि वह दुख विहीन समाज का स्वप्न पाले हुए है। चूंकि ऐसा समाज उसके तमाम प्रयासों के बावजूद धरती पर उसे नहीं मिल पाता तो वह मरणोपरांत इसे पाने की कल्पना कर सुख की अनुभूति करता है। कार्ल मार्क्स ने धर्म के सटीक अवधारणा दी कि धर्म दुनिया के वास्तविक दुखों की अभिव्यक्ति है और इसके खिलाफ विरोध भी।

इतिहास में हमेशा ऐसा हुआ है कि शासक वर्ग जब किसी नए क्रांतिकारी विचार से लड़ने में अक्षम होता है तो वह उसे अपने अनुकूल बनाकर उसको अपने हथियार के रूप में प्रयोग करने लगता है। व्यवस्था विरोधी बुद्ध और ईसा मसीह दोनों को शासक वर्ग ने बाद में इसी तरह अपना बना लिया। आजकल धर्म का जो रूप है और उसमें जो व्याप्त कुरीतियां, ढकोसले, अंधविश्वास आदि हैं, ये सभी शासक वर्गों तथा पंडों-पुजारियों, पादरियों और मुल्लाओं द्वारा बाद में पैदा किए हुए उत्पाद है जिनका धर्म के मौलिक स्वरूप से कोई संबंध नहीं। ये सभी अज्ञानी जनता को ठगने और अंधविश्वासों में उलझाए रखने के साधन हैं। निष्कर्ष यह है कि जीवन में जब तक विषमताएं हैं और दुख है, तब तक धरती पर धर्म रहेगा।

मुक्त बाजार का सिद्धांत संदेहों के दायरे में

डॉ. हेमंत कुमार झा
एसोसिएट प्रोफेसर, पाटलिपुत्र विवि, पटना (बिहार)

रोजगार का मतलब सरकारी नौकरी नहीं'...यह सिर्फ सरकार का ही प्रिय वक्तव्य नहीं था, मध्यवर्गीय सयाने लोग भी इस तरह की बातें करते मिलते थे।

1990 के दशक में, जब हमारे बैच या उसके कुछ आगे-पीछे के बैच के लोग पढ़-लिख कर रोजगार की दुनिया में जगह तलाशने निकले तो उन्हें अपने सामने एक वीराना के सिवा कुछ नजर नहीं आया। कहीं कोई वैकेंसी नहीं। अखबारों में रोज खबरें छपा करती थीं कि सरकार की माली हालत बेहद खस्ता है और इस कारण सरकारी भर्त्तियों पर अघोषित रोक है। तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह अपने वक्तव्यों में उम्मीद जताते थे कि आर्थिक उदारीकरण अपना असर दिखाने में कुछ समय लेगा और उसके बाद रोजगार के क्षेत्र में अवसरों की भरमार होगी।

बिहार-यूपी के हमारे जैसे छात्रों-नौजवानों को बचपन से ही अभिभावक और शिक्षक सरकारी नौकरी के लिए तैयार करने में लगे रहे थे। हम लोग भी यही सोच कर मिड्ल स्कूल से एमए तक की पढ़ाई में लगे रहे कि एक दिन कलक्टर-प्रोफेसर-बीडीओ से लेकर क्लर्क-मास्टर तक बन जाएंगे। लेकिन, यहां तो सन्नाटा था। संघ और राज्य लोक सेवा आयोगों में हर साल वैकेंसीज कम होती जा रही थी, विश्वविद्यालयों के कर्ता-धर्ता कसम खाए बैठे थे कि भर्त्तियां नहीं करनी हैं। कभी-कभार कोई छोटी-मोटी वैकेंसी आई नहीं कि अभ्यर्थियों का रेला टूट पड़ता था।

मीडिया उदारीकरण के पक्ष में माहौल बना रहा था और मध्य वर्ग, जो अपने बच्चों को सरकारी नौकरी में देखना चाहता था, जो अपनी बेटियों के लिए किसी भी तरह सरकारी नौकरी वाला दामाद चाहता था, उदारीकरण और निजीकरण का न सिर्फ स्वागत कर रहा था, बल्कि इसके पक्ष में बहस तक करने को उतारू नजर आता था। एक माहौल बन गया था कि सरकारी कंपनियां देश के लिए बोझ हैं, सरकारी कर्मी सरकार के लिए बोझ हैं, और कि सरकारी पद जितने खत्म किये जाएंगे, देश का उतना भला होगा।

'रोजगार का मतलब सरकारी नौकरी नहीं'...यह सिर्फ सरकार का ही प्रिय वक्तव्य नहीं था, मध्यवर्गीय सयाने लोग भी इस तरह की बातें करते मिलते थे। तो, बैंकों में, रेलवे में, पब्लिक सेक्टर की अन्य इकाइयों के साथ ही एसएससी आदि में भी वैकेंसी या तो नदारद थी या बहुत कम आ रही थी।

1996-97 आते-आते हालात ऐसे बन गए थे कि अच्छे-खासे यूनिवर्सिटी टॉपर्स प्राइमरी स्कूल की मास्टरी की लाइन में लग गए थे, बीटेक किए लोग बैंक क्लर्की की फार्म निकलने का इंतजार कर रहे थे। और, जो सरकारी प्राइमरी मास्टर बन गए उनके यहां बड़े-बड़े अधिकारी गण भी अपनी बेटियों की शादी के लिए दौड़ लगाने लगे थे। उस दुःकाल में, जब बड़े सरकारी पद वाले अविवाहित युवाओं का अकाल सा पड़ गया था, स्कूल टीचर की डिमांड भी काफी बढ़ गई थी। बस, उसे सरकारी होना था। हालांकि, प्राइवेट नौकरियों का भी अकाल सा ही था तब। लेकिन, उम्मीद जताई जा रही थी कि खुलता हुआ बाजार रोजगार के क्षेत्र में क्रांति लाएगा एक दिन। आज अगर बाप की पीढ़ी इस संक्रमण काल में दिक्कतों का सामना कर रही है तो कल बेटे की पीढ़ी के सामने रोजगार की विकट समस्या नहीं होगी।

तब से ढाई-तीन दशक बीते। आज के रोजगार परिदृश्य को देखें। सरकारी भर्त्तियों पर लगभग ताले लगे हुए हैं, प्राइवेट सेक्टर में रोजगार के क्षेत्र में भी मंदी है। जनवरी, 2020 को याद करें। देश में बेरोजगारी का स्तर पिछले 45 वर्षों में अधिकतम हो गया था। बाद में हालात कुछ सुधरे लेकिन फिर...

आज भी मध्य वर्गीय सयाने लोग निजीकरण की मुहिम का गुणगान कर रहे, हालांकि, तब की तरह आज भी उन्हें बेटे के लिए सरकारी नौकरी चाहिए, दामाद तो सरकारी नौकरी वाला चाहिए ही। तो... तब और अब के बीच में फर्क क्या आया? सरकारी कर्मियों से पेंशन छीन ली गई, प्राइवेट कर्मियों को मालिकान के रहमोकरम पर छोड़ने वाले तथाकथित 'श्रम सुधार कानून' पारित किए गए, परमानेंट की जगह कांट्रेक्ट और आउट सोर्सिंग को प्रोत्साहित किया जाने लगा। यानी बाप से बड़ा संकट बेटे की पीढ़ी के सामने है। तीन दशकों की यात्रा के बाद मुक्त बाजार का सिद्धांत संदेहों के दायरे में आ गया है। इसकी अमानवीयता जैसे-जैसे उजागर हो रही है, विचारक गहन मंथन के दौर से गुजर रहे हैं। तीन दशक कम भी तो नहीं होते।

सोशल फोरम

आस्था विश्वास और अस्तित्व

इतिहासकार इरफान हबीब मानते हैं कि मथुरा और काशी में भी मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाई गई है इसका प्रमाण है और इसके लिए किसी सर्वे या कोर्ट कचहरी की जरूरत ही नहीं है। यह सच है कि औरंगजेब ने मथुरा और काशी में मंदिरों को तुड़वाया। अगर आप काशी या मथुरा जाएं तो देख कर ही पता चल जाता है क्या हुआ होगा। मुगलों से पहले भी जो आक्रांता आए उन्होंने अपने निशान छोड़े। दिल्ली का लालकिले की बात हो या पुराना किले की या कुतुबमीनार की सब अवशेष गवाही देते हैं और बताते हैं कि वह क्या थे और क्या कर दिए गए। अमेरिका आज विश्व शक्ति है वह भी गुलाम था कभी, जब वह आजाद हुआ तो उसने सबसे पहले अपने देश में गुलामी के सभी चिन्ह मिटा दिए। और भारत अपने 75 साल आजादी के बाद भी अपने चिन्हों के लिए संघर्षरत है। भारतीयों में सहिष्णुता नाम का गुण भी अवगुण हो जाता है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक ऐसे हज़ारों स्थान है जो तोड़कर बनाए गए हैं। उनमें से सिर्फ तीन स्थान ऐसे थे जिनका पुनर्निर्माण आवश्यक था यह आस्था विश्वास और अस्तित्व के चिन्ह है। जिसमें से एक अयोध्या का संकल्प पूरा हुआ। अब मथुरा और काशी के लिए सभी को एक मिसाल कायम करनी चाहिए। इतिहास गवाह है भारत में दुनिया की दूसरी मस्जिद बनी थी कूबा के बाद। पैगंबर मोहम्मद साहब के जीवन काल में यह मस्जिद बनी। दुनिया में जुम्मे की नमाज़ भी यहीं से शुरू हुई। 629 ईसवी में यह मस्जिद बनी जिसे हिंदू राजा चेरामन ने बनवाया था और उसका नाम भी चेरामन मस्जिद है।

धीरेंद्र वीर सिंह धीरू
बरेली

केरल में बनी इस मस्जिद पर शायद ही कोई लुटेरा तुगलक, क़ासिम या मुगल नमाज को पहुंचा हो। दुर्भाग्य है भारत के मुसलमानों ने लुटेरों को इस्लाम का मान लिया जबकि इसमें से मुग़ल तो चंगेज़ ख़ान और हलाकू के खानदान के थे जिन्होंने मक्का और मदीना भी लूटा। भारत के मुसलमानों को अल्लाह के इस्लाम पर चलना चाहिए न कि मुल्ला के बताए गए पर। यही वजह है अखंड भारत के मुसलमानों को सऊदी प्रिंस ने अल हिंदी मुस्कीन कहा यानी दोयम दर्जे के मुसलमान।

– फेसबुक वॉल से

पेयजल हेतु जागरूकता की आवश्यकता

आजकल सरकार की ओर से भी जन-जन को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने पर पूरा ध्यान दिया जा रहा है। विभिन्न गैर सरकारी संगठन भी इस दिशा में कोशिश कर रहें हैं। यद्यपि अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है किन्तु यदि आमजन में पेयजल के रखरखाव संबंधी पर्याप्त जागरूकता न हो तो ये प्रयास सफल नहीं हो सकते।

दिनेश चंद्र शर्मा
वरिष्ठ विज्ञान संचारक

देश में जल जीवन मिशन जारी है, जिसकी शुरुआत अगस्त 2019 में सभी ग्रामीण परिवारों को सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल प्रदान करने के लिए समर्पित एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में हुई थी। पिछले चार वर्षों में, इस मिशन ने महत्वपूर्ण सफलताएं प्राप्त की हैं। नल जल कनेक्शन को 13.91 करोड़ घरों तक पहुंचाया गया है। इस अभूतपूर्व कार्यक्रम ने ग्रामीण क्षेत्रों में करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव किया है। इस मिशन की प्रशंसा विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी की है और उम्मीद जताई है कि इससे देश में प्रति वर्ष डायरिया के कारण होने वाली चार लाख मौतों को रोका जा सकता है। साथ ही अन्य जलजनित बीमारियों और उनसे से संबंधित लगभग 1.4 करोड़ विकलांगता को भी रोका जा सकता है ।

जल की गुणवत्ता को सुनिश्चित करना जल जीवन मिशन के मुख्य उद्देश्यों में से एक है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपूर्ति किए गए जल में पर्याप्त गुणवत्ता है- कार्यक्रम स्रोत और वितरण बिंदुओं पर पानी के नमूनों के नियमित परीक्षण को बढ़ावा देता है। देश में कुल 2,113 जल परीक्षण प्रयोगशालाएं हैं। महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए, प्रत्येक गांव में कम से कम पांच महिलाओं को ग्रामीण स्तर पर पानी गुणवत्ता का परीक्षण करने हेतु फील्ड टेस्ट किट (एफटीके) का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। अब तक 4.97 लाख गांवों में 23.50 लाख से ज्यादा महिलाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

इसके बाबजूद आज भी हमारे देश की लगभग 50 प्रतिशत जनसंख्या को शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं है। यूनिसेफ की एक जानकारी के अनुसार देश में 1.96 करोड़ आवासों में फ्लोराइड और आर्सेनिक युक्त पानी उपलब्ध हो पा रहा है । विश्व स्वास्थ्य संगठन देश के 19 राज्यों के करोड़ों लोगों को मानक से अधिक फ्लोराइड युक्त पेयजल उपलब्ध होने की जानकारी दी है। इसके अतिरिक्त देश के कुल जिलों में से दो तिहाई पानी के अत्याधिक अभाव से प्रभावित हैं।

एक विशेष बात और है कि यदि यदि सभी को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो भी जाए तब भी पानी के रखरखाव में होने वाली लापरवाही के कारण शुद्ध जल भी अशुद्ध हो जाता है। अतः आमजन में पानी के रखरखाव संबंधी जागरूकता फैलाना अति आवश्यक है।

राहुल के आरक्षणास्त्र के मायने

लोकसभा के चुनाव अब कभी भी घोषित हो सकते हैं। इसे दृष्टिगत रखते हुए राजनीतिक दल नए नए वायदे, पैंतरे और गठबंधन कर रहे हैं। इस क्रम में देश और दुनियां ने अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रामास्त्र देखा, जिसका भारी प्रभाव पड़ता दिख रहा है। कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल और 'इण्डिया' गठबंधन का प्रथम दृष्ट्या अगुवा है। अयोध्या में राम और उनके मंदिर, प्राण प्रतिष्ठा आदि का कोई दल खुलकर विरोध नहीं कर सकता और जो करेगा वह घाटे में रहेगा, अतः भाजपा की इस बढ़त का तोड़ निकालने के लिए विपक्ष तरह-तरह के उपाय कर रहा है।

रघोत्तम शुक्ला
सेवानिवृत्त पीसीएस

इसमें से एक राहुल गांधी की सद्यः कृत यह घोषणा है कि यदि उनका गठबंधन सत्ता में आया, तो वे आरक्षण की सुप्रीमकोर्ट द्वारा तय 50 प्रतिशत की अधिकतम सीमा को समाप्त कर देगा। ऐसा कहकर उन्होंने कथित पिछड़ी जातियों का अधिक वोट प्रतिशत अपने पक्ष में करने का प्रयास किया है। बताते चलें कि सर्वोच्च न्यायालय ने वर्ष 1992 के इंदिरा साहनी केस में अपने निर्णय में यह सीमा निर्धारित की है, जिसे अधिक्रांत करना दुरूह और झंझट भरा है। इसके लिए यदि अपेक्षित बहुमत से कानून पारित कर किसी तरह संविधान की नवीं अनुसूची तक पहुंचा भी दिया गया, तो भी सुप्रीमकोर्ट कह चुकी है कि ऐसे नवीं सूची वाले कानून का भी वह न्यायिक पुनरीक्षण कर सकेगी, यदि इससे मौलिक अधिकारों या संविधान की मूल संरचना का उल्लंघन होता है। ऐसे में यह घोषणा मतदाता को केवल सब्ज़बाग दिखाना ही है। साथ ही इससे जाति विद्वेष बढ़ेगा। प्रतिभा के असम्मान में वृद्धि होगी, जिससे राष्ट्रीय क्षति होगी। सामान्य वोट बैंक नाराज होकर दूरी बनाएगा। यानी राहुल और उनकी कांग्रेस छब्बे बनने की बजाय दुबे रह जाएंगे। वे बार-बार भारत जोड़ो यात्राएं कर रहे हैं, किंतु जातीय आरक्षण की वृद्धिकारक नीति तो भारत तोड़ो के समतुल्य होगी। कांग्रेस कह रही है, 'जितनी आबादी उतना हक'।

तो ऐसे में फिर भारत एक सुगठित राष्ट्र कैसे माना जायगा? तब तो यह तमाम जातियों को जोड़ कर पैबंद लगी कथरी ही होगा। हम राहुल को याद दिला दें कि जिस सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश की बदौलत ही वे आज सांसद पद पर टिके हैं,उसकी नौ जजों की पीठ के बहुमत निर्णय को पलटने की वे सोच ही कैसे रहे हैं? समय की मांग तो यह है कि शुरू में केवल 10 साल के लिए की गई आरक्षण व्यवस्था की अब समीक्षा की जाय और संविधान का अनुच्छेद 14 सही मायने में प्रभावी हो, जिसमें 'समानता' का सिद्धांत संरक्षित है। ज्ञातव्य है कि वर्तमान में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और उसके मातृ संगठनों जनसंघ और संघ का कभी नारा था 'सब हैं भारत मां के लाल। आरक्षण का कौन सवाल'। कुछेक वर्ष पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा भी था कि इसकी समीक्षा होनी चाहिए, लेकिन अब कहीं किसी कोण से इस बिंदु पर विचार होता नहीं परिलक्षित हो रहा है, जो दुःखद है।

आपका पत्र

कानूनी एकता का वाहक सीएए

समान नागरिक संहिता कानून को लागू कर उत्तराखंड ने देश की राजनीति में एक महत्वपूर्ण स्थान बनाया है। यह कानून सबके हित में रहेगा। समान नागरिक आचार संहिता समय की आवश्यकता भी है, क्योंकि भारत के अधिकांश प्रदेशों में विभिन्न धर्म, संप्रदाय, जाति के लोगों का संगम है। ऐसे में जाति/धर्म के आधार पर अलग-अलग व्यक्तियों के लिए अलग-अलग कानून किसी भी दृष्टिकोण से उचित एवं न्यायिक नहीं कहा जा सकता। इसलिए जरूरी है कि समान नागरिक संहिता को प्रदेश में सत्ताधारी भाजपा सरकार के अलावा विपक्ष के विधायकों द्वारा भी स्वेच्छा से स्वीकार करना चाहिए। हर किसी बात पर अनावश्यक रूप से राजनीति करना उचित नहीं है। सही को सही और गलत को गलत कहना चाहिए, चाहे वह किसी भी दल के नेता हो। वर्तमान में राजनीति की स्थिति ऐसी हो गई है कि भाजपा की केंद्रीय सरकार जनता के फायदे में जो भी फैसला लेती है, विरोधी दल के नेता किसी न किसी बहाने उनके लिए गए जनहित के फैसलों पर भी आलोचना अथवा कमियां निकालने लगती है। हमारा मानना है कि जनता के फायदे व राष्ट्र के हित के लिए यदि कोई भी सरकार देश हित के लिए फैसले लेती है तो बिना किसी राजनीतिक प्रतिद्वंता के सभी दलों को इस प्रकार के निर्णय और कानून का न केवल स्वागत करना चाहिए वरन उनका पालन करने में भी जनता को भी जागरूक चाहिए। समान नागरिक संहिता कानून के तहत बिना रजिस्ट्रेशन लिव इन रिलेशन में रहने से पर जेल जाने का प्रावधान वास्तव में बहुत ही अच्छा का निर्णय है। सरकार का कानून युवक और युक्तियां में अनावश्यक रूप से बढ़ रही चरित्रहीनता के कदमों को रोकने में महत्वपूर्ण साबित होगा। साथ ही समान नागरिक संहिता से देश में कानूनी एकरूपता आएगी।

- **डॉ. प्रमोद अग्रवाल गोल्डी,** कपिल कॉलोनी मुखानी हल्द्वानी ।

सोते समय ईंट से कूंचकर फोटोग्राफर की हत्या

इंद्रानगर में हुई घटना से मचा हड़कंप, साथी युवक ने प्रताड़ना से तंग आकर दिया घटना को अंजाम

संवाददाता, तिर्वा, कन्नौज

- आरोपी ने ही पुलिस को दी सूचना, भाई ने लिखाई रिपोर्ट
- पुलिसबल समेत एसपी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

अमृत विचार। साथी युवक ने प्रताड़ना से तंग आकर फोटोग्राफर की सोते समय ईंट से कूचकर हत्या कर दी। इसके बाद खुद ही पहुंचकर पुलिस को घटना की जानकारी दे दी। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाल समेत एसपी भी पहुंच गए और मौके का निरीक्षण किया। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के भाई ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर हिरासत में ले लिया है।

शकील।

कस्बे के इंद्रानगर निवासी शकील उर्फ मुन्ना (50) पुत्र मेंहदी हसन फोटोग्राफी का काम करता था। वह घर पर अकेला रहता था। बुधवार की रात करीब 10 बजे वह घर में सो रहा था। उस दौरान ईंट से कुचलकर हत्या कर दी गई। गुरुवार की सुबह घटना की खबर से मोहल्ले मे सनसनी फैल गई। जानकारी होते ही कोतवाल विजय सिंह मौके पर पहुंचे तो मृतक के घर के दरवाजे अंदर से बंद थे। उन्होंने किसी तरह से दरवाजा खुलवाया और घटना स्थल का निरीक्षण किया। एसपी अमित कुमार आनंद ने घटना स्थल का निरीक्षण कर लोगो से जानकारी ली। मृतक के भाई शराफत अली ने आरोपी डम्मरपुर गांव निवासी अमित गौतम पुत्र लक्ष्मीनारायण के खिलाफ हत्या का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है।

घटना के बाद मौके पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक अमित आनंद। अमृत विचार

आरोपी ने ही पुलिस को पहले घटना की सूचना दी थी। इस पर पुलिस उसके साथ मृतक के घर आई। उसने कोतवाल को बताया कि दो लोग उसके घर आए और उसकी कनपटी पर तमंचा लगाकर शकील की ईंट से हत्या करके छत से फरार हो गए। पुलिस को उसकी बात हजम नहीं हुई क्योंकि हत्या के समय वह अंदर था और फिर बाहर आ गया। इसके बाद भी घर का दरवाजा अंदर से बंद ही रहा। पुलिस ने कड़ाई की और मोहल्ले मे लगे सीसीटीबी फुटेज भी चेक किए तो आरोपी छत के रास्ते से मकान के बाहर निकलते दिखाई दिया। पुलिस ने जब पूछताछ की तो उसने हत्या की बात कबूल की। कोतवाल विजय सिंह ने बताया कि आरोपी ने हत्या करने के बाद पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की पर वह सफल नहीं हो सका। मुन्ना फोटोग्राफर और उसकी पत्नी से विवाद आठ साल पहले हो गया था। पति से परेशान होकर पत्नी उसे छोडकर चली गई थी। तब से वह घर पर अकेले रहता था।

साथ ही करता था फोटोग्राफी

तिर्वा, कन्नौज। आरोपी अमित फोटोग्राफर मुन्ना के साथ काफी दिन से फोटोग्राफी का काम करता था। मुन्ना ने कोई दुकान नहीं की थी। आरोपी ने बताया कि शकील कुकर्म का दबाव बनाकर उसे आए दिन प्रताड़ित करता रहता था। बुधवार की रात भी उसने इसी तरह से प्रताड़ित किया था। आक्रोशित होकर उसने पास में रखा से ईंट से हमलाकर उसकी हत्या कर दी।

पुलिस ने बैग से बरामद की हत्या में प्रयुक्त ईंट

तिर्वा, कन्नौज। फोटोग्राफर की हत्या के बाद आरोपी ने उस ईंट को एक बैग मे डालकर दीवार के नीचे छिपा दिया। इसके बाद सूचना देने थाने आ गया था। पुलिस ने पूछताछ के बाद हत्या में प्रयोग की गई ईंट को बरामद कर लिया। पुलिस ने जब सीसीटीवी फुटेज देखे तो आरोपी बैग में कैमरा लेकर छत के जरिए नीचे आता दिखाई दिया।

लापता युवक का शव फंदे से लटका मिला

तिर्वा, कन्नौज। खेत पर खड़े पेड़ पर युवक का शव फंदे पर लटका मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक 24 घंटे से लापता था।

थाना ठठिया के तिलसरा गांव निवासी मुकेश (35) पुत्र मन्नीलाल बुधवार को गांव के पास पेट्रोल पंप पर डीजल लेने गया था। दिन भर जब वह नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी खोज शुरू कर दी। गुरुवार की सुबह लापता युवक की खोजबीन चल रही थी कि खेतों की ओर गए ग्रामीणों ने उसका शव पेड़ पर फंदे से लटका देखा। सूचना पर पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के भाई हरमोहन सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर पोस्टमार्टम कराने की मांग की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष अजय कुमार आवस्थी ने बताया कि फौती सूचना के आधार पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

मुकेश।

कोर्ट ने पत्नी की हत्या में पति को दोषी करार दिया

कार्यालय संवाददाता, इटावा

- ग्यारह साल पहले पत्नी की गला दबाकर की थी हत्या

अमृत विचार। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट नंबर दस यज्ञेश चंद्र पांडे ने पत्नी की गला दबाकर की गई हत्या के ग्यारह साल पुराने मामले की सुनवाई करते हुए पति को दोषी करार दिया। सजा के बिंदु पर सुनवाई 13 फरवरी को होगी।

अपर जिला शासकीय अधिवक्ता संजीव कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि चौबिया थाना के गांव मुकुंदपुरा निवासी सुरेश चंद्र यादव ने सिविल लाइन थाने में लिखाई रिपोर्ट में आरोप लगाया कि उसने पुत्री मंजू की शादी 17 साल पहले चतुरीपुरा थाना किशनी हाल पता शांति कालोनी मैनपुरी फाटक निवासी सुनील यादव पुत्र ओम प्रकाश के साथ की थी। शादी के बाद से सुनील मंजू के साथ मारपीट करता था। उसे समझाने का भी प्रयास किया गया लेकिन वह बाज नही आया। कोर्ट में घरेलू हिंसा का भी मामला चल रहा था। 12 दिसम्बर 2012 को सुनील ने मंजू की गला दबाकर हत्या कर दी। जब उसने जानकारी मिली तो वह मौके पर पहुंचा और अपनी पुत्री को जीवित समझकर अस्पताल ले गया। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने पति सुनील व ससुर ओम प्रकाश के खिलाफ हत्या की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। बाद में पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ आरोपपत्र कोर्ट में पेश कर दिए। बाद में उन्हें जमानत मिल गई। मामले की सुनवाई के दौरान ससुर ओम प्रकाश की मौत हो गई।

मामले की सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट नंबर दस में हुई। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता के द्वारा पेश किए साक्ष्यों व गवाहों के आधार पर कोर्ट ने पति सुनील को हत्या का दोषी पाते हुए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। सजा के बिंदु पर 13 फरवरी को सुनवाई की जाएगी।

इटावा के पर्यावरण प्रेमी प्रयागराज में सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, इटावा

- स्वामी अधोक्षजानंद देव तीर्थ शिविर में दो दिवसीय प्रकृति धर्म अध्यात्म मंथन

अमृत विचार। पर्यावरण के क्षेत्र कार्य करने वाले जिले के पर्यावरण प्रेमियों को प्रयागराज में स्वामी अधोक्षजानंद देव तीर्थ शिविर में दो दिवसीय प्रकृति धर्म अध्यात्म मंथन में सम्मानित किया गया। इसके साथ ही नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पर्यावरण के प्रति श्रद्धालुओं को जागरूक किया गया। जल संरक्षण के अलावा पीपल, नीम और तुलसी का पौधा लगाने की अपील की गई। इसमें जल संरक्षक निर्मल सिंह को स्वामी अधोक्षजानंद ने सम्मानित किया। इसके साथ ही पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य करने वाले जगत सिंह, संजय सक्सेना, विशाल स्नातक तथा धर्मेन्द्र कुमार को सम्मानित किया गया।

बिहार के डा. धर्मेंद्र कुमार के संयोजन में हुए कार्यक्रम में पड़ोसी देश नेपाल , उड़ीसा, यूपी, बिहार, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों के पर्यावरण प्रेमी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि पानी, हवा और भूमि में हो रहे प्रदूषण से मुक्ति के लिए पौधारोपण जरूरी है। नेपाल से आए राम गुलाम कर्ण ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण सबकी आवश्यकता है। नाज मोहम्मद ने पालीथिन के बहिष्कार की अपील की। साथ ही बताया कि मक्के छिलके से कई जरूरी वस्तुएं बनाई जा सकती है।

अटल एक्सप्रेस वे का काम शुरू हो

कार्यालय संवाददाता, इटावा

- भाजपा सांसद डा. रामशंकर कठेरिया ने लोकसभा में उठाया मुद्दा

अमृत विचार। भाजपा सांसद डा. रामशंकर कठेरिया ने गुरुवार को लोकसभा में चंबल क्षेत्र में बनने वाले अटल एक्सप्रेसवे का मुद्दा उठाया। उन्होंने इस पर शीघ्र ही काम शुरु कराए जाने का अनुरोध करते हुए गंगा एक्सप्रेस वे से भी इटावा को जोड़ने के लिए आवाज उठायी। गंगा एक्सप्रेस से इटावा को जोड़ने से गंगा और यमुना के बीच सीधे कनेक्टिवटी हो सकेगी। इसके बाद इटावा जिले में एक साथ पांच एक्सप्रेस वे जुड़ जाएंगे। इससे इटावा में उद्योग और पर्यटन की अपार संभावनाएं पैदा होंगी।

सांसद डा. रामशंकर कठेरिया ने लोकसभा में बोलते हुए कहा कि भारत सरकार ने कोटा से होते हुए चंबल क्षेत्र में एक्सप्रेस वे बनाए जाने का निर्णय लिया गया है। पहले चंबल एक्सप्रेस के नाम से बनने वाले इस मार्ग का नाम अब पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई के नाम पर करते हुए अटल एक्सप्रेस वे कर दिया गया है। इस एक्सप्रेस वे से इटावा के जोड़ने के लिए जमीन को चिन्हित भी कर दिया गया है।

सांसद डा. रामशंकर कठेरिया।

जमीन चिन्हित हो जाने के कारण किसानों ने यहां फसल भी नहीं बोई है। ऐसे में अटल एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य जल्द शुरू कराया जाए। सांसद ने यह मांग भी की कि अटल एक्सप्रेसवे को फर्रुखाबाद में गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ दिया जाए। इससे आवागमन में और सुविधा हो जाएगी। सांसद ने यह भी कहा कि चंबल क्षेत्र पूर्व मंत दस्यु प्रभावित रहने के कारण विकास से वंचित रहा है। इस क्षेत्र में विकास भी नहीं हुआ है। अब एक्सप्रेस वे बन जाने से इस क्षेत्र में विकास के नये द्वार खुल जाएंगे।

दावा: मकबरा नहीं शिवालय है, न्यायालय ने कराया सर्वे

संवाददाता, कायमगंज-फर्रुखाबाद

अमृत विचार। कस्बे में ज्ञानवापी जैसा मामला प्रकाश में आया है। हिंदू जागरण मंच ने मऊरशीदाबाद स्थित एक मकबरे को पूर्व में मंदिर होने का दावा करते हुए न्यायालय में याचिका दायर की थी। इस मामले में गुरुवार को न्यायालय सिविल जज सीनियर डिवीजन ने सर्वे कमीशन को मौके पर भेजकर सर्वे करवाया।

हिंदू जागरण मंच के नेता प्रदीप सक्सेना ने कुछ माह पहले न्यायालय में एक याचिका दाखिल की थी जिसमें दावा किया गया है कि 1649 ई से कस्बे के मऊरशीदाबाद मोहल्ले में पहले एक विशाल शिवालय था। नवाब रशीद मियां की मृत्यु के बाद इसी शिवालय में उन्हें दफन कर दिया गया था। याचिका में दावा किया गया है कि शिवलिंग के ऊपर कब्र बना दी गई। न्यायालय को मामले को संज्ञान लेते हुए इसका सर्वे कराने के आदेश दिए। इसके न्यायालय द्वारा गठित अहल कमीशन ने गुरुवार को विवादित स्थान का सर्वे किया।

विवादित स्थल। अमृत विचार

मारपीट में महिला सहित पांच घायल, रिपोर्ट दर्ज

गुरसहायगंज। ग्राम राजापुरवा निवासी रवि का कहना है कि रंजिशन गांव के रामनाथ, सीताराम, लालू, पंकज ने गुरुवार की सुबह लगभग 11 बजे उसके घर आकर गालीगलौज की। मना करने पर उसे लाठी डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया। बीच बचाव में आए चचेरे भाई प्रवीण, भाभी ममता देवी व भतीजे अमन को भी मारपीट कर घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। इसी प्रकार ग्राम बिलंदपुर निवासी लईक खान का कहना है कि मामूली विवाद को लेकर गुरुवार की सुबह गांव के दयारूल, अयाज, इकरार व इसरार ने गालीगलौज की। मना करने पर लाठी डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया। कोतवाली पुलिस ने दोनों मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

बाबू की अलमारी में कटी चेसिस पटियां

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- एआरटीओ को निरीक्षण में मिलीं महीनों से रुकीं फाइलें
- लापरवाही व गंदगी मिलने पर बाबू को लगाई फटकार

अमृत विचार। एआरटीओ ने कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान पटलों पर रखी फाइलें चेक कीं। अलमारी खुलवा कर देखी तो वाहनों की कटी चेसिस पटियां रखी मिलीं। दराजों में गंदगी मिलने पर संबंधित बाबू को फटकार लगाई।

एआरटीओ इज्या तिवारी ने गुरुवार को कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान राजस्व जमा काउंटर पर रखी फाइलें देखीं। इसके बाद ड्राइविंग लाइसेंस पटल पर जानकारी ली। कुछ देर बाद वह पटल चार पर पहुंची। यहां पर फाइलें बिखरी देख चेक किया। इस दौरान पाया कि फाइलों में आदेश हो चुका थे पर पटल पर ही रखी मिलीं। दराज खुलवा कर देखी तो गंदगी मिली। इस पर बाबू अजीत सचान को फटकार लगाते हुए कार्य में सुधार लाने की हिदायत दी। इसके बाद वह पटल तीन पर पहुंचीं तो मेज पर फाइलें बिखरीं तो कई नीचे भी पड़ी मिलीं। चेक किया तो पाया कि कई फाइलों पर आदेश के बाद भी आगे नहीं बढ़ाया गया। अलमारी को खुलवाया तो उस में कई वाहनों की चेसिस पटिया रखी मिलीं जिनको फाइलों के साथ लगा कर स्टोर में रखा होना चाहिये थे। इस पर पटल बाबू रजनीकांत को फटकार लगाते हुए सुधरने की चेतावनी दी गई। इस के बाद उन्होंने कार्यालय के अन्य पटलों का भी निरीक्षण किया।

कार्यालय के पटल का निरीक्षण करती प्रशासन एआरटीओ इज्या तिवारी।

अलमारी में मिली वाहन की चेसिस नंबर प्लेटों को निकालता कर्मचारी।

सामूहिक विवाह: कन्नौज समेत चार जिलों का बढ़ाया गया लक्ष्य

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 1060 की बजाय 1312 हुआ नया लक्ष्य

अमृत विचार। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत राजधानी वाले जिले लखनऊ का लक्ष्य घटा दिया गया है। उसके सापेक्ष कन्नौज समेत तीन जनपदों का लक्ष्य बढ़ाया गया है। अब यहां 1060 जोड़ों की शादियों के सापेक्ष 1312 का नया लक्ष्य आवंटित किया गया है।

समाज कल्याण विभाग के उप निदेशक आरपी सिंह की ओर से जिला समाज कल्याण अधिकारी कन्नौज, शामली, रामपुर व लखनऊ को पत्र भेजा गया है। उसमें कहा गया है कि लखनऊ को छोड़कर मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का आवंटित लक्ष्य घटाया गया है, जबकि अन्य तीन जनपदों का लक्ष्य बढ़ाया गया है।

पत्र में जिक्र है कि शामली का लक्ष्य 882 से बढ़ाकर 921, रामपुर का 1270 से बढ़ाकर 1793 और कन्नौज का 1060 से 1312 किया गया है। दूसरी ओर लखनऊ का 2204 से घटाकर 1200 कर दिया गया है। जिला समाज कल्याण अधिकारियों से कहा गया है कि नए आवंटित लक्ष्य के मुताबिक सामूहिक विवाह कराए जाएं। 14 फरवरी को अब कन्नौज में आयोजन होना है। माना जा रहा है कि इस वित्तीय वर्ष का यह अंतिम आयोजन होगा।

आगे लोकसभा क्षेत्र के चुनाव भी होने हैं। इस बाबत जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी का कहना है कि लक्ष्य तो 1060 जोड़ों की शादी का पूर्व में ही आवंटित हुआ था। अब तक जो शादियां व निकाह हो चुके हैं, उसे ही नए लक्ष्य में शामिल किया गया है। पोर्टल पर भी वही आंकड़ा दिखता है।

मुर्दों को बना दिया गया मतदाता

अजय मिश्र, कन्नौज

- गांव में रहते नहीं या हो गई युवतियों की शादी उसके बाद भी है वोटरलिस्ट में नाम

अमृत विचार। लोकसभा क्षेत्र की मतदाता सूची को जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर से 23 जनवरी को अंतिम रूप दे दिया गया है। उसके बाद भी ढेरों खामियां हैं। खास बात यह है कि आगामी चुनाव के लिए तैयार की गई मतदाता सूची से मुर्दों का नाम हटाया ही नहीं गया। लापरवाही हर स्तर पर हुई परिणाम स्वरूप मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया।

जनपद में तीन विधानसभा क्षेत्र कन्नौज सदर, छिबरामऊ व तिर्वा हैं। कुछ बूथों की मतदाता सूची में काफी खामियां हैं। बूथ नंबर 174 पर मृतक जागेश्वर प्रसाद, माया देवी, सुखरानी, शकुंतला, हर्षराज, कमलेश कुमारी, असफीर्लाल के नाम शामिल हैं। बूथ नंबर 174 की वोटरलिस्ट में रामलड़ैते, आदित्य, गौरी दयाल, पार्वती, अवधेश, सुधा देवी, कौशिल्या, सोनी, नेहा, श्रीकृष्ण व रामू के नाम हैं। इन सबकी भी मौत हो चुकी है। बूथ नंबर 174 पर ही मनीष नाम के दो वोट बने हैं। इनको भी लिस्ट से नहीं हटाया गया है। बूथ नंबर 153 पर विनीता नाम का बाहरी वोट बनाया गया है। इसी बूथ पर कई मृतकों के नाम अब भी दर्ज हैं। बूथ नंबर 176 पर दर्ज सितारा बानो, रुखसाना बानो, रुबीना बेगम, महमूद अहमद व मोहम्मद सलीम आदि रहते ही नहीं हैं, लेकिन उनके वोट बने हैं। बूथ नंबर 259 पर अनिल कुमार जैन का नाम गलत है। इन्हीं का नाम अनिल राजपूत सही दर्ज है। देवकी समेत अन्य कुछ मतदाताओं के नाम तीन-तीन बार तक छपे हैं। कुछ इसी तरह की खामियां, बूथ नंबर 162, 211, 150, 154 समेत अन्य बूथों पर अब भी बनी हैं। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी बिनीत कटियार ने बताया कि सपा जिलाध्यक्ष की ओर से शिकायत आई है। उसकी जांच के आदेश हुए हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही कहा जा सकता है कि आरोपों में कितनी सच्चाई है। अगर गलती मिली तो संबंधित विभाग की ओर से कार्रवाई की जाएगी।

सपा ने उठाया मुद्दा, आयोग में भी शिकायत

समाजवादी पार्टी ने वोटर लिस्ट की खामियों के मामले को मुद्दा बना दिया है। निर्वाचन आयोग में भी सपा मुखिया ने शिकायत की है। इसके अलावा जिलाध्यक्ष मोहम्मद कलीम खां, पूर्व विधायक कल्यान सिंह दोहरे, प्रदेश सचिव आकाश शाक्य, नेम सिंह यादव, उदय प्रताप सिंह व यश दोहरे आदि ने भी डीएम से शिकायत की है। पत्र में वह सूची भी लगी है, जो नाम गलत तरीके से अब भी शामिल हैं। इससे पहले सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चंदुआहार-फकीरेपुर्वा में मृतकों के नाम शामिल होने और जीवित के नाम मतदाता सूची से हटाने का आरोप लगाया था। मौके पर पीड़ितों ने तख्तियां लेकर प्रदर्शन भी किया था। जांच में मामला सही पाया गया।

राहत | शीतगृहों में भंडारण शुरू होते ही बाहर की मंडियों में फर्रुखाबादी आलू की मांग बढ़ी

आलू के भाव में 50 रुपये प्रति क्विंटल आया उछाल

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। शीत गृहों में भंडारण शुरू होते ही आलू मंडी सातनपुर में आलू के भाव मे 50 रुपये उछाल आया है। बाहर की मंडियों में भी फर्रुखाबादी आलू की मांग बड़ी है।

बताते चलें कि पिछले एक माह से आलू मंडी सातनपुर में लिवाली न होने की बजह से किसानों का आलू माटी के मोल बिक रहा था। जिले के शीत गृहो में भंडारण शुरू होते ही आलू उछल कर 600 से 700 रुपये प्रति क्विंटल पहुंच गया। आलू के भाव बढ़ते ही मंडी समिति में आलू की आमद बढ़ कर 150 ट्रक प्रतिदिन पहुंच गई। आलू आढ़ती अरविंद राजपूत ने बताया कि गुरुवार को मंडी समिति सातनपुर में वाहर के व्यापारियों ने पहुंच कर आलू खरीदा। मंडी में आया आलू देखते देखते बिक गया। अरविंद बताते हैं कि पिछले एक महीने से सर्दी पड़ने की बजह से व्यापारी न के बराबर आ रहा था। सूर्य निकलते ही यहां व्यापारियों का आना शुरू हो गया है। उनका कहना है कि सर्दी के समय 50 ट्रक आलू मुश्किल से आलू मंडी में आता था। वह भी बिकना मुश्किल हो जाता था। शीत गृहो में भंडारण शुरू होते आलू की मांग, आमद और भाव सभी बढ़ गए हैं। शीत गृह एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय गंग वार उर्फ सन्नू बताते हैं कि जिले में लगभग 80 शीत गृह हैं।जिनकी भंडारण क्षमता साढ़े छह लाख मीट्रिक टन है। इस बजह जब तक शीत गृह फुल नही हो जाते तब तक आलू के भाव बढ़ते रहेंगे। इनका कहना है बाहर की मंडियों में भी आलू की मांग बढ़ गई है। जिससे अब आलू के भाव कम होने का कोई सवाल ही नही उठता।

आलू आढ़ती एसोसिएशन के अध्यक्ष सुधीर वर्मा उर्फ रिंकू भैया बताते है कि गुरुवार को 100 मोटर आलू वाहर से आये व्यापारी खरीद ले गए। 50 मोटर आलू शीत गृहों में भंडारण के लिए खरीदा गया। मंडी समिति में आते ही आलू बिक गया। जिससे किसानों को अपना समय जाया नही करना पड़ा। उनका मानना है कि अभी और बाहर की मंडियों से व्यापारी आने की उम्मीद है। बाहर की मंडियों में फर्रुखाबादी आलू की मांग बढ़ने का लाभ यहां के किसानों को मिलेगा।

मंडी समिति में बिक रहा आलू। अमृत विचार

क्या कहते हैं जिम्मेदार

किसानों को धीरे धीरे अपने आलू को खोद कर मंडी लाना चाहिए। मंडी में आलू की आमद अधिक होने से भाव गिर सकते हैं। जिला आलू विकास अधिकारी का कहना है कि किसानों को अपना आलू बेचते रहना चाहिए।आलू को रोकना नही चाहिये आलू को वही किसान रोकें जो शीत गृह में भंडारण करना चाहते है। आलू के भाव अभी और बढेगे । जिसकी बजह इस साल आलू की पैदावार कम हो रही है। झुलसा रोग की बजह आलू का उत्पादन कम हो रहा है।

-राम नरायन वर्मा, जिला आलू विकास अधिकारी, फर्रुखाबाद

कारोबारी का शव फंदे पर लटका पाया गया

अमृतपुर फर्रुखाबाद। अमृतपुर थाना क्षेत्र में टेंट हाउस मालिक का शव टेंट हाउस की दुकान में फांसी पर लटकता पाया गया। पुलिस ने मौके पर पहुंच जांच पड़ताल की।

थाना क्षेत्र के ग्राम चपरा निवासी बृजभान (20) पुत्र रामऔतार की गांव मे ही टेंट की दुकान है। कल दो कार्यक्रमों मे टेंट लगाने गया था। इस वजह से रात मे बृजभान घर पर नहीं गया। आज दोपहर तक घर न पहुंचने पर परिजनों ने खोजबीन की। दुकान के अंदर शटर उठाकर देखा तो देखकर दंग रह गए। बृजभान का शव दुकान के कुंडे मे रस्सी के फंदे मे लटक रहा था। जानकारी होने पर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठी हो गई। परिजनों की सूचना पर थाना अध्यक्ष मिनेश पचौरी घटना स्थल पर पहुंची। उन्होंने शव को उतरवाया।पंचनामा भरने की कार्यवाही के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

छात्र की ट्रैक्टर से कुचल कर मौत, रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। तिर्वा-जसोदा वाईपास पर अनियंत्रित ट्रैक्टर की टक्कर से इंटरमीडियट के छात्र की मौत हो गई। परिजनों ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ सदर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव अटारा निवासी संतोष तिवारी का 17 वर्षीय पुत्र अनुभव तिवारी बुधवार को जसोदा-तिर्वा बाईपास के निकट क्रिकेट मैच देखने गया था। दोपहर 12 बजे के करीब वह पैदल लौट रहा था। इसी दौरान बाईपास पर तेज रफ्तार से जा रहे ट्रैक्टर ने उसे कुचल दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा। गुरुवार को परिजनों ने अंतिम संस्कार किया। इसके बाद पीड़ित पिता अन्य परिजनों व गांव के लोगों के साथ सदर कोतवाली पहुंचे। जहां अधिवक्ता रावेंद्र त्रिवेदी ने तहरीर लिखी। पुलिस ने ट्रैक्टर के अज्ञात चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। बताया जाता है कि अनुभव अपने पिता का इकलौता पुत्र था। इसके अलावा एक पुत्री भी है, जो बीएससी की छात्रा है। कोरोना के चलते 2021 में उसकी मां का निधन हो गया था।

रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंचे मृतक के पिता।

सपा ने किया विधानसभा से वाकआउट

सदन में गूंजा शहरी और ग्रामीण निकायों में वित्त आयोग को आवंटित धनराशि का मामला

विधानसभा कार्यवाही

- विपक्ष ने कहा-आवंटित होने वाली धनराशि को घटा कर पैसा दूसरे मदों में लगा
- नगर विकास मंत्री बोले, विकास पर खर्च होने वाली राशि में कटौती नहीं हुई
- जिलाधिकारी के प्रयास से एक एनजीओ ने मतदाता सूची में नाम कराया शामिल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार। राज्य विधानसभा में गुरूवार को समाजवादी पार्टी के सदस्य कमाल अख्तर, मनोज पांडेय और रविदास मेहरोत्रा ने शहरी और ग्रामीण निकायों के क्षेत्रों में राज्य वित्त आयोग द्वारा आवंटित होने वाली धनराशि को घटाए जाने व इस मद का पैसा दूसरी मदों में लगाए जाने का मामला उठाया। नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने सपा सदस्यों द्वारा उठाए गये इस मुद्दे को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि राज्य वित्त आयोग द्वारा निकाय संस्थाओं के विकास पर खर्च होने वाली धनराशि में कोई कटौती नहीं हुई। नगर विकास मंत्री के जवाब से असंतुष्ट होकर सपा के सदस्यों ने सदन से वाकआउट किया।

प्रश्न प्रहर के बाद शून्य प्रहर में सपा के सदस्य कमाल अख्तर सहित अन्य सदस्यों ने कहा कि राज्य के अस्सी हजार जनप्रतिनिधियों के अधिकारों का राज्य वित्त आयोग द्वारा हनन किया जा रहा है। शहरी और निकाय संस्थाओं के विकास, उसके कर्मचारियों को मिलने वाले वेतन आदि की जो धनराशि राज्य वित्त आयोग द्वारा दी जाती है उस धनराशि का उपयोग अन्य मदों में किया जा रहा है। सपा सदस्य कमाल अख्तर ने सरकार पर निकाय संस्थाओं के चुने गए जनप्रतिनिधियों के अधिकारों में भी कटौती की जा रही है। सपा के ही वरिष्ठ सदस्य मनोज कुमार पांडेय ने कहा कि जिस हिसाब से निकाय संस्थाओं का क्षेत्रफल बढा है उस हिसाब से राज्य वित्त आयोग द्वारा मिलने वाली धनराशि पर्याप्त होना तो दूर उसमें भी कटौती हो रही है। वित्त आयोग से मिलने वाली धनराशि का उपयोग अन्य मदो में किया जा रहा है। सपा के ही वरिष्ठ सदस्य रविदास मेहरोत्रा ने कहा कि तेरह साल से आबादी के हिसाब से धन आवंटन नहीं किया गया है। उन्होने कहा कि राजधानी लखनऊ में धनाभाव में नालों और सीवरों की सफाई नहीं हो पा रही है ।इस मुद्दे पर सपा के ही इरफान ने मांग की कि प्रधानों के अधिकाधिक धन आवंटन किया जाए ताकि ग्रामीण क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास हो सके। जवाब में नगर विकास मंत्री ए के शर्मा ने कहा कि राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के अनुरूप ही 6 नगरीय और 40 ग्रामीण निकायों को क्षेत्र में विकास कार्यो के लिए पर्याप्त धनराशि दी जा रही है। निकाय संस्थाओ के विकास के लिए राज्य सरकार ने सीएमएनएसवाई योजना शुरू की है। जहां तक विपक्ष के सदस्यों का आरोप है कि निकाय संस्थाओं के विकास की धनराशि का गौशालाओं में किया जा रहा है तो ऐसा नहीं है।

विधानसभा में समाजवादी पार्टी द्वारा उठाए गए प्रश्नों का जवाब देते मंत्री। अमृत विचार

दस सालों में चार फीसदी बजट बढ़ा : एके शर्मा

उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों के रखरखाव के लिए वंदन योजना शुरू की गयी है। जबकि नगरीय क्षेत्रों के विकास के लिए सीएम ग्रिड्स योजना शुरू कर गयी है। उन्होने कहा कि राज्य सरकार निकाय क्षेत्रों में सर्वांगीण विकास के साथ ही आडिटोरियम, और एक्जीबिशन सेंटर बनाने का प्राविधान किया गया है। बजट की समस्या नहीं है। दस सालों में चार फीसदी बजट बढा है। नगर विकास मत्री के इस जवाब से असंतुष्ट होकर सपा के सदस्यों ने सदन से वाकआउट किया।

केवल डिग्री बांटने का काम कर रहे निजी विवि

गुरुवार को ही सपा के सदस्य इंजीनियर संचिन यादव ने राज्य सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक प्रस्तुत होने से पूर्व कहा कि निजी विश्वविद्यालय केवल डिग्री बांटने का काम कर रहे है। इन निजी विश्वविद्यालों में प्रवेश और नियुक्तियों में आरक्षण नियमों की अनदेखी हो रही है। इन निजी विश्वविद्यालयों यूजीसी के मानकों की अनदेखी हो रही है। सरकार को चाहिए ऐसी व्यवस्था इन निजी विश्वविद्यालयों में होनी चाहिए कि इनमें अध्ययन का भी कार्य होना चाहिए। कांग्रेस की विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि 27 निजी विश्वविद्यालय स्थापित किए जा चुके है। निजी विश्वविद्यालय अनियंत्रित हो गए है। मनमानी नियुक्तियां हो रही है और भारी भरकम फीस ली जा रही है। यूजीसी के नियमों की अवहेलना हो रही है। सपा के सदस्य अतुल प्रधान ने कहा कि निजी विश्वविद्यालयों पर सरकार अपना नियंत्रण होना चाहिए। शासन से यदि स्कालरशिप न मिले तो निजी विश्वविद्यालय बंद हो जायेगे। उच्च शिक्षामंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि निजी विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक बहुत ही महत्वपूर्ण है। सरकार द्वारा शिक्षा के उन्नयन की दिशा में निजी विश्वविद्यालयों संशोधन विधेयक लाया गया।

ज्ञानवापी पर भड़काऊ पोस्टर चस्पा कर माहौल बिगाड़ने की कोशिश

- खुराफाती लोगों ने नगर से सटे मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में पोस्टरों को चस्पा किया
- सुनगढ़ी क्षेत्र के शहर से सटे चिड़ियादाह गांव में जुमे से एक दिन पहले की खुराफात

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार। ज्ञानवापी पर आए फैसले को लेकर जहां बरेली के मौलाना तौकीर रजा खां ने जेल भरो आंदोलन का ऐलान किया हैं वहीं, नगर में कुछ लोगों ने साम्प्रदायिक माहौल बिगाड़ने की साजिश रच दी। जुमे से ठीक एक दिन पहले तराई की फिजा खराब करने के लिए शहर से सटे मुस्लिम बाहुल्य चिड़ियादाह गांव में कुछ खुराफाती लोगों ने ज्ञानवापी से जुड़े भड़काऊ और विवादित पोस्टर चस्पा कर दिए। इसकी जानकारी मिलने पर एएसपी, सीओ सिटी पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे। ग्रामीणों से शांति व्यवस्था बनाए रखने और किसी के बहकावे में न आने की अपील की। पोस्टरों को हटवाकर फेंक दिया। फिलहाल गांव में पुलिस बल तैनात कर सतर्कता बढ़ा दी गई है। खुराफात करने वालों की सुरागरसी कराई जा रही है।

घटना गुरुवार सुबह की है। सुनगढ़ी थाना क्षेत्र का शहर से सटा गांव चिड़ियादाह मुस्लिम बाहुल्य इलाका है। गुरुवार सुबह ग्रामीण घरों से बाहर निकलकर कामकाज पर जा रहे थे। इस बीच उनकी नजर दीवारों और बिजली के खंभों के साथ मकानों के बाहर लगे पोस्टरों पर गई। जिसमें सेव ज्ञानवापी समेत कोर्ट के फैसले का विरोध करने की बातें लिखी थीं। ये पोस्टर देखकर खलबली मच गई। काफी लोग जमा हो गए। पोस्टरों को लेकर चर्चाएं शुरू हो गईं। सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) विक्रम दहिया, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी, सुनगढ़ी इंस्पेक्टर संजीव कुमार शुक्ला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीण जमा हो गए थे, हालांकि किसी तरह के तनाव के हालात नहीं हैं। ग्रामीणों ने यही बताया है कि पोस्टरों के बारे में उन्हें कुछ पता नहीं लगा है, सुबह घरों से निकले तो पोस्टर चस्पा थे। ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने पोस्टरों को हटवा दिया है। अधिकारियों ने गांव की गलियों में गश्त की। अन्य क्षेत्रों में भी पोस्टर की जांच की जा रही है। माना जा रहा है कि पोस्टर बुधवार की देर रात लगाए गए। खुफिया विभाग के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर जानकारी की है।

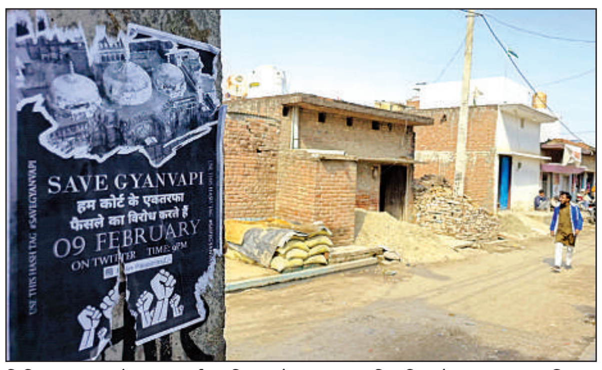

चिड़ियादाह गांव में मुख्य मार्ग पर विद्युत पोल पर चस्पा विवादित पोस्टर। अमृत विचार

09 फरवरी ऑन ट्विटर टाइम 09 पीएम... क्या है मकसद?

इन पोस्टरों में सेव ज्ञानवापी लिखा हुआ था। माना जा रहा था कि ये पहले सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। उसके बाद उसका प्रिंट निकलवाने के बाद चस्पा किए गए हैं। वहीं, पोस्टर के अंत में 9 फरवरी की तारीख लिखी हुई थी। उसके आगे ये भी लिखा था कि ऑन ट्विटर टाइम 9 पीएम यानी रात के 9 बजे। इसके पीछे की मंशा को लेकर भी चर्चाएं हो रहीं हैं। पुलिस जांच कर सख्त कार्रवाई की बात कह रही है।

अतिसंवेदनशील गांव है चिड़ियादाह : शहर से सटा मुस्लिम बाहुल्य मिश्रित आबादी क्षेत्र चिड़ियादाह गांव पुलिस रिकॉर्ड में अति संवेदनशील श्रेणी में दर्ज है। वहां पर बीते सालों में कई बार खुराफातें सामने आ चुकी हैं। फिजा खराब की कोशिश की गई हैं। धार्मिक जुलूसों के साथ त्योहारों के मौके पर कई बार टकराव की स्थिति तक बन चुकी है। हालांकि गांव में शांति व्यवस्था बनी है।

रिमोट सॉफ्टवेयर से प्रश्नपत्र हल कर रहा था सॉल्वर गैंग

- दूर से ही अभ्यर्थी के कम्प्यूटर की स्क्रीन शेयर कर पेपर कर रहे थे सॉल्व

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार। दूर बैठकर रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर के जरिए प्रश्न पत्र हल करने वाले गिरोह को एसटीएफ ने अपनी फुलप्रूफ योजना के तहत दबोचा। एसटीएफ को पुलिस की रेडियों संवर्ग में असिसटेंट ऑपरेटर की ऑनलाइन भर्ती परीक्षा में सिस्टम हैक करने और सॉल्वर बैठाकर परीक्षा कराने कराने वाले गिरोहों के सक्रिय होने की सूचना मिली थी।

जांच में एसटीएफ को पता चला कि बड़ौत की आवास विकास कालोनी स्थित अनिल कुमार के मकान में कुछ व्यक्ति किराए पर हैं। वह सात फरवरी को होने वाली रेडियों संवर्ग में अस्टिंट ऑपरेटर की ऑनलाइन भर्ती परीक्षा में सिस्टम हैक करके अभ्यर्थियों से मोटी रकम लेकर प्रश्नपत्र हल कराने वाले हैं। इस पर एसटीएफ टीम ने तीन लोगों को धर दबोचा।

उनसे पूछताछ में पता चला कि यह गैंग 7 फरवरी 2024 को उप्र पुलिस में रेडियों संवर्ग में असिसटेंट ऑपरेटर की ऑनलाइन भर्ती परीक्षा में अभ्यर्थी के कम्प्यूटर की स्कीन शेयर कर यहीं से पेपर सॉल्व कर रहे थे। रचित चौधरी द्वारा शामली के बिजेन्द्र फौजी के कहने पर विधान पब्लिक स्कूल दुहाई गाजियाबाद में स्थित लैब को फर्जी तरीके से अपने नाम से अप्लाई कर परीक्षा कराने के लिए केंद्र आवंटित करा रखा है। जहां से अपने अन्य सहयोगियों की मदद से ये लोग ऑनलाइन परीक्षा हैकिंग का कार्य करते हैं। इस सूचना के बाद एसटीएफ टीम परीक्षा केंद्र पहुंचकर पुलिस ने 7 अभ्यर्थियों और लैब के सहयोगी रजनीश कुमार व अश्वनी कुमार हिरासत में ले लिया।

गाजियाबाद में तैयार किया था कंप्यूटर सिस्टम लैब

इस गिरोह ने भर्ती परीक्षा में अभ्यर्थियों से पेपर हल कराने के नाम पर पैसा कमाने के उद्देश्य से गाजियाबाद दुहाई में स्थित विधान पब्लिक स्कूल में कंप्यूटर सिस्टम की लैब तैयार की। कंप्यूटर हैकिंग एक्सपर्ट पलवल हरियाणा निवासी राम चौहान ने रोहित चौधरी के कहने पर लैब में आकर 28 जनवरी 2024 को एक सिस्टम पर कुछ सॉफ्टवेयर (एनीडेस्क, नोड .जेएस, पाइथॉन लांचर) इंस्टाल कर इस सिस्टम को मास्टर सिस्टम बनाया। जिससे जब जरूरत हो तब लैब में मौजूद अन्य सिस्टमों को इस मास्टर सिस्टम के जरिए जोड़ कर उनका रिमोट एक्सेस ले सकें और मास्टर सिस्टम को लैब में मौजूद अपने सहयोगियों की मदद से अलग रखा गया। जिससे किसी अभ्यर्थी को परीक्षा के समय यह सिस्टम आवंटित न हो।

भारत-नेपाल सीमा के जिलों में 700 डॉक्टर रवाना

- गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 4.0 का शुभारम्भ, ग्रामीण क्षेत्रों में लगेंगे स्वास्थ्य मेले
- 8 से 11 फरवरी तक स्वास्थ्य मेले में 125 लाख मरीजों को मिलेगा निःशुल्क इलाज

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अमृत विचार। भारत-नेपाल सीमा के जिलों में थारू जनजातियों के इलाज के लिए केजीएमयू से करीब 700 डॉक्टरों की टीम गुरुवार को रवाना की गई। उप मुख्यरमंत्री ब्रजेश पाठक ने अटल बिहारी वाजपेयी कन्वेंशन सेंटर से टीम को रवाना कर यात्रा का शुभारम्भ किया। इस मौके पर परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, जनजातीय मंत्री असीम अरुण, प्रांत प्रचारक कौशल जी, स्वयंसेवी प्रशांत भाटिया सहित केजीएमयू के कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद ने डॉक्टर्स टीम को झंडी दिखाकर रवाना किया।

गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 4.0 का शुभारम्भ अवसर पर उप मुख्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जनमानस को बेहतर स्वास्थ्य सेवायें प्रदान करने व प्रदेश को स्वस्थ बनाने की दिशा में कार्यरत है। नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन अवध प्रान्त (एमएमओ)एवं गुरु गोरक्षनाथ सेवा न्यास की ओर से आयोजित यात्रा के सह संयोजक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन की ओर से भारत-नेपाल सीमा पर बसे जिलों के आदिवासी व जनजातीय समूहों के साथ ही दूरस्थ ग्रामीणों के लिए विगत चार सालों से लगातार विशाल स्वास्थ्य मेला आयोजित किए जा रहें हैं। इस बार बहराइच, श्रावस्ती, लखीमपुर खीरी, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और महराजगंज जिलों में स्वास्थ्य सेवा मेला आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 9 व 10 फरवरी को इन जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों खासकर थारू बाहुल्य क्षेत्रों में छोटे-छोटे स्वास्थ्य मेले लगाए जाएंगे और 11 फरवरी को सभी जिला मुख्यालय पर मेगा स्वास्थ्य मेला लगेगा। मेले में चेकअप, निःशुल्क दवाओं का वितरण तथा गंभीर बीमारियों का इलाज दिया जाएगा। 14 बसों से टीम को रवाना करते हुए एनएमओ के संरक्षक डॉ एमएलबी भट्ट ने बताया कि आगामी 8, 9, 10 एवं 11 फरवरी 2024 को लगभग सवा लाख मरीजों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा दी जाएगी। प्रान्त प्रचारक अवध कौशल ने बताया कि सेवा शिविरों का उद्घाटन प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 9 फरवरी को वर्चुअल माध्यम से किया जायेगा।

मंजिल सैनी बनी आईजी सतर्कता अधिष्ठान

लखनऊ। शासन ने गुरूवार को दो आईपीएस अफसर को नई तैनाती दी है। इसमें केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटी आईपीएस अफसर मंजिल सैनी को आईजी सतर्कता अधिष्ठान बनाया गया है।

वहीं डीजीपी मुख्यालय में पुलिस अधीक्षक के पद पर तैनात रहे आईपीएस कासिम आबिदी को भी सतर्कता विभाग में नियुक्ति दी गई है। प्रतिनियुक्ति से लौटने के बाद मंजिल सैनी ने पुलिस महानिदेशक आफिस से ज्वाइनिंग दी थी। उसके बाद से ही वह प्रतीक्षारत थीं।

मनरेगा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाएंगी मेट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) में महिला श्रमिकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए उनकी भागीदारी और बढ़ाई जाएगी। महिलाओं की रुचि को देखते हुए अयोध्या ने ग्राम्य विकास मुख्यालय को सुझाव दिया कि जिलों में जो काम कराए जाएं उनमें 10 श्रमिकों में छह महिलाओं को वरीयता दी जाए। इससे महिलाओं की संख्या बढ़ेगी और उन्हें काम मिलेगा। साथ ही अनुसूचित व अनुसूचित जनजाति वर्ग का प्रतिशत बढ़ेगा। वैसे मनरेगा में महिलाओं की 33 प्रतिशत भागीदारी होती है। जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में बढ़कर 42 प्रतिशत पहुंच गई है। इसे और बढ़ाने के लिए तैनात महिला मेट सहायक बनेंगी। जो गांव में महिलाओं को प्रेरित कर नियोजित करेंगी और उनकी उपस्थिति दर्ज करेंगी। गांवों में पुरुषों के साथ काम करने में महिलाओं में हिचक रहती है। इस कारण उनकी संख्या अक्सर कम रहती है। अब यह विषमता दूर हो गई है।

पूर्व सपा विधायक संतोष पांडेय की बढ़ीं मुश्किलें

सुलतानपुर। लंभुआ विधानसभा सीट से पूर्व सपा विधायक संतोष पांडेय समेत 12 आरोपियों पर एमपी/एमएलए कोर्ट के मजिस्ट्रेट योगेश यादव ने गुरुवार को आरोप तय किए। सभी पर आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन का आरोप है। बचाव पक्ष के वकील संतोष पांडेय ने बताया कि पूर्व सपा विधायक सन्तोष पांडेय व उनके दर्जन भर साथियों पर फरवरी 2022 में दो मुकदमे बीते विधानसभा चुनाव के दौरान उड़नदस्ता प्रभारी रहे वीडीओ संदीप सिंह ने कोतवाली देहात थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

सार-संक्षेप

रक्षा बलों में पुरानी भर्ती प्रक्रिया को बहाल करे केंद्रः सुप्रिया

लखनऊ। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि केंद्र सरकार रक्षा बलों में पुरानी भर्ती प्रक्रिया को बहाल करे। उन्होंने कहा कि अग्निपथ योजना के जरिए मोदी सरकार ने 1.5 लाख युवाओं के सपनों को चकनाचूर कर दिया। राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने करोड़ों युवाओं को धोखा दिया है। बेरोजगारी 45 साल के उच्चतम स्तर पर है। उन्होंने कहा कि 16 फरवरी को राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा प्रदेश में प्रवेश करेगी। यात्रा को सफल बनाने के लिए पार्टी कार्यकर्ता तैयार हैं।

स्वामी प्रसाद का मानसिक संतुलन ठीक नहींः मनोज पांडेय

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य को लेकर उनकी ही पार्टी के अंदर खींचतान है। इस बीच सपा नेता मनोज पांडेय ने स्वामी प्रसाद मौर्य को निशाने पर लिया। पत्रकारों से बात करते हुए सपा नेता मनोज पांडेय ने गुरुवार को स्वामी प्रसाद मौर्य की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके अनर्गल बयानों को लेकर पार्टी द्वारा उन्हें कई बार हिदायत दी जा चुकी है। लेकिन विक्षिप्त आदमी जब नहीं सुन रहा तो उसके लिए कोई कुछ नही कर सकता। वहीं अयोध्या धाम को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि भारत में रहने वाले हर सनातनी का, हर हिंदू का सब धाम है। उन्होंने कहा कि जो आस्था रखता है, धाम उसका ही है। उन्होंने कहा कि धाम किसी की विरासत नहीं हुआ करती है।

कोडीनयुक्त कफ सीरप का ब्यौरा देना होगा हर हफ्ते

लखनऊ। दवा विक्रेताओं को कोडीनयुक्त कफ सीरप के स्टॉक का विवरण हर सोमवार को जिले के औषधि निरीक्षक को देनी होगी। अन्य प्रदेश में निर्मित सीरप को मंगाने या दूसरे राज्यों में बिक्री करने की दशा में भी संपूर्ण विवरण ड्रग कंट्रोलर को देना होगा। यह निर्देश अपर मुख्य सचिव अनीता सिंह ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के आयुक्त को लिखित दिए हैं। अफीम के पौधे से तैयार होने वाले कोडीन का उपयोग नशे के रूप में न हो सके, इसके लिए शासन ने कोडीन युक्त कफ सीरप का दुरपयोग रोकने व अवैध बिक्री पर नियंत्रण रखने के निर्देश दिए हैं। एसीएस ने स्पष्ट किया है कि सीरफ को रखने वाले औधषि विक्रेता, स्टॉकिस्ट व सीएंडएफ एजेंट व हॉस्पिटल्स को हर हाल में हर सप्ताह के सोमवार को कफ सीरप का विवरण उपलब्ध कराना है। कितनी मात्रा में मंगाई और कितनी बिक्री हुई और मौजूदा स्टॉक का व्यौरा उपलब्ध कराना होगा। निर्देशों का अनुपालन न करने की दशा में दोषी विक्रेता फर्म के लाइसेंस को निरस्त कर दिया जाएगा।

जो जीतने की स्थिति में होगा उसे टिकट मिलेगाः अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि गठबंधन का प्रत्याशी जीत के आधार पर तय होगा। इंडिया गठबंधन जीत का गठबंधन है। जो जीतने की स्थिति में होगा उसे टिकट मिलेगा। देश की जनता भी यही चाहती है। जो जीत सके वहीं प्रत्याशी मैदान में आये। सपा प्रमुख ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा कि, भाजपा सरकार में अपराध, भ्रष्टाचार, महंगाई, बेरोजगारी लगातार बढ़ती जा रही है। कानून व्यवस्था पर जीरो टॉलरेंस का दावा जीरो हो चुका है। भाजपा सरकार अपराध नहीं न्यूज कंट्रोल करती है। उप्र. में बहन-बेटियों के साथ आपराधिक घटनाएं लगातार बढ़ रही है। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। महंगाई बढ़ती गयी। खेती का लागत मूल्य बढ़ गया। किसानों को फसलों की कीमत नहीं मिली।

आज रामनगरी आएंगे अमिताभ बच्चन

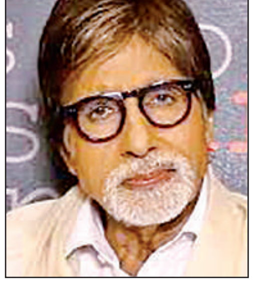

अयोध्या। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में 22 जनवरी को शामिल हुए अमिताभ बच्चन शुक्रवार को एक बार फिर अयोध्या आ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक लगभग चार बजे महर्षि बाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से वह अयोध्या धाम श्रीरामलला का दर्शन करने जाएंगे। उसके बाद वह शाम पांच बजे सिविल लाइंस में एक प्रतिष्ठान का उद्घाटन करेंगे। सूत्रों के अनुसार वह अपनी जमीन भी देखने जा सकते हैं। उनके आगमन के मद्देनजर सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे।

उमंग

फिजी के उपप्रधानमंत्री बोले, रामलला के दर्शन के लिए आना परम सौभाग्य, भारत से गए थे पूर्वज, दीपावली पर होता है अवकाश

राममंदिर से और प्रगाढ़ होंगे भारत-फिजी के संबंध

- कहा, फिजी में रामराज्य की परिकल्पना पर ही सरकार की व्यवस्था

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार। राममंदिर निर्माण से भारत और फिजी के संबंध और प्रगाढ़ होंगे। फिजी में गवर्नेंस रामराज्य की परिकल्पना पर ही संचालित है। बहु धार्मिक देश होने के बाद भी फिजी में मठ-मंदिरों पर रामायण पाठ और दीपावली मनाई जाती है। ये बातें गुरुवार को महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट अयोध्या पर फिजी के उप प्रधानमंत्री बिमान प्रसाद ने कहीं। वो अपने प्रतिनिधि मंडल के साथ यहां रामलला के दर्शन के लिए पहुंचे थे।

विमान से उतरने के बाद भावुक और अभिभूत दिखे उप प्रधानमंत्री ने एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि हमारे पूर्वज भारत खासकर उत्तर प्रदेश और बिहार से रामायण और गीता लेकर गए थे। एक लंबे संघर्ष के बाद फिजी में स्थापित हुए। उन्होंने कहा कि फिजी में हिंदू की पहचान पूर्वजों के कारण बनी है।

वहां हिंदू धर्म के मानने वाले लोगों के दिल और दिमाग में अयोध्या हर समय रहती है। उन्होंने बताया कि बहु धार्मिक देश होने के बाद भी दीपावली का पर्व एक राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया जाता है। उस दिन अवकाश रहता है।

कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि आज यहां रामलला के दर्शन के लिए जा रहा हूं। यह भारत और फिजी के संबंधों को और मजबूत करेगा। भारत से फिजी का संबंध बहुत प्राचीन है और हमारे पूर्वजों की देन है। अयोध्या में फिजी दूतावास के सवाल पर उन्होंने कहा कि हमारे राजदूत दिल्ली में हैं। हमारी भी विशेष बैठकें विदेश मंत्री से प्रस्तावित हैं।

एयरपोर्ट से बाहर निकलते फिजी के उप प्रधानमंत्री बिमान प्रसाद व अन्य।

गोंडा के मूल निवासी हैं फिजी के उप प्रधानमंत्री

रामलला के दर्शन के लिए पहुंचे फिजी के उप प्रधानमंत्री बिमान प्रसाद ने एयरपोर्ट पर बताया कि वह मूल रूप से गोंडा के ही रहने वाले हैं। इसीलिए अयोध्या से उनका लगाव बहुत भावनात्मक है।

उत्तर प्रदेश और बिहार से फिजी का है विशेष लगाव

फिजी के उप प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश और बिहार से खासा लगाव है। वहां बसे भारतीय मूल के लोगों के पूर्वज यहीं से गए थे। उन्होंने कहा कि श्रीराम के जीवन और रामायण से मिली प्रेरणा से फिजी में सनातन समाज जीवन में न्याय प्रिय प्रकार से रह रहा। फिजी की गर्वनेंस भी इसी आधार पर चल रही है। हमारे देश में भी राम मंडलियां है जो नियमित रूप से रामायण और रामलीला की प्रस्तुति करतीं हैं।

प्रशासनिक अधिकारियों के साथ गुजारे 20 मिनट

यहां गुरुवार दोपहर बाद पहुंचे फिजी के उप प्रधानमंत्री का स्वागत जिलाधिकारी नीतीश कुमार ने बुके देकर किया। इतना ही नहीं करीब 20 मिनट उप प्रधानमंत्री लाउंज में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बातचीत करते रहे। बताया जाता है प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उप प्रधानमंत्री को राममंदिर व अयोध्या से संबंधित जानकारियां दी गईं। इस मौके पर महापौर गिरीशपति त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष संजीव सिंह व एसएसपी आर के नैय्यर ने उप प्रधानमंत्री की एयरपोर्ट पर अगुवानी की।

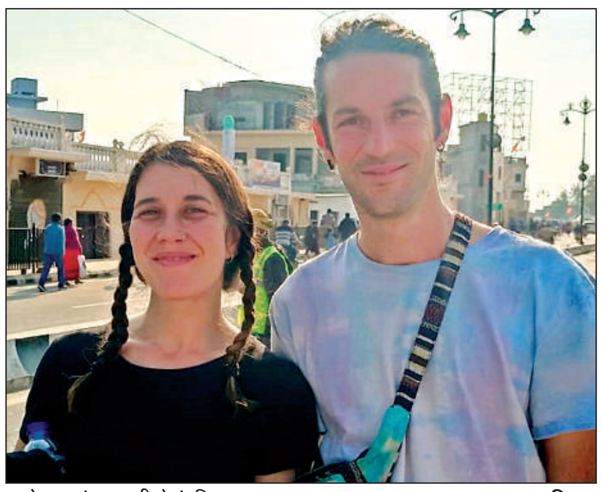
अयोध्या पहुंचा इटली से दंपति। अमृत विचार

रामललला के दर्शन को अयोध्या पहुंचा इटली से दंपति

अयोध्या। अयोध्या धाम में आस्था के पग थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। इटली से एक दंपति गुरुवार को यहां रामलला का दर्शन करने पहुंचा। अल्बर्टो अपनी पत्नी इलोनोरा के साथ आए हुए हैं। उन्होंने कहा कि हम दोनों यहां दो दिन रहकर अयोध्या को जानने का प्रयास करेंगे। इटालियन नागरिक अल्बर्टो ने अयोध्या धाम में आकर बहुत खुशी जाहिर की।

एक नजर

प्रादेशिक फल, शाकभाजी व पुष्प प्रदर्शनी 17 फरवरी से

अमृत विचार, लखनऊ : राजभवन में तीन दिवसीय प्रादेशिक फल, शाकभाजी व पुष्प प्रदर्शनी 17 फरवरी से शुरू होगी। उद्यान विभाग में प्रदर्शनी को लेकर दो सौ से ज्यादा आवेदन भेजे गये हैं। इसका मूल्यांकन निर्णायक मंडल की टोलियों की ओर से 10 व 11 फरवरी को किया जाएगा।निदेशक उद्यान अतुल कुमार सिंह ने बताया कि प्रदर्शनी में लखनऊ के व्यक्तिगतगत बंगलों के उद्यान, गृहवाटिकाओं, कार्यालयों, शिक्षा संस्थाओं व सार्वजनिक पार्क आदि के उद्यानों और प्राचीन-ऐतिहासिक स्थल के उद्यानों के 70 वर्गों में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता की प्रविष्टियों का पंजीकरण किया गया है। विशेष जानकारी के लिए राजकीय उद्यान आलमबाग के कार्यालय अधीक्षक से सम्पर्क किया जा सकता है।

जांच की आंच में प्रदेश के कई मदरसे

निर्धारित समय सीमा के बाद भी जिलों से नहीं भेजी गईं आख्याएं

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: यूपी मदरसा बोर्ड के रडार पर प्रदेश के जनपदों में संचालित कई मदरसे हैं। जानकारों का मानना है कि मदरसों की जांच के दौरान कुछ तथ्य सामने आए है। इसी को लेकर बोर्ड के जिम्मेदार गुणा-भाग में जुट गए हैं। हाल - फिलहाल बड़ी कार्रवाई को लेकर चचाएं गर्म हो चली हैं।

उप्र मदरसा शिक्षा परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त मदरसों की जांच को लेकर गत माह पूर्व अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की निदेशक जे. रीभा की ओर से एक आदेश जारी किये गए। जिसमें कहा गया कि मदरसों के प्रबंधक, शिक्षक, कर्मी और संचालित शिक्षण संस्थान का सत्यापन और भौतिक जांच कराई जाए। 73 जनपदों के जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों को एक समय सीमा देकर जांच की आख्या भेजने के लिए बोर्ड रजिस्ट्रार प्रियंका अवस्थी द्वारा निर्देशित किया गया। सूत्रों की मानें तो जांच के बढ़ते दायरे के बीच लखनऊ और बरेली मण्डल से जुड़े दो जनपदों में संचालित कुछ मदरसों में घालमेल सामने आए हैं, ऐसे में गुरुवार को लेकर विभागीय मंथन किया गया। रजिस्ट्रार कहती हैं कि जांच को अंतिम रूप दिया जा रहा है। जल्द ही परिणाम सामने आ जाएगे। फिलहाल बोर्ड की प्राथमिकता मदरसा परीक्षा है।

बोर्ड अध्यक्ष कर चुके हैं विरोध

जांच का विरोध बोर्ड अध्यक्ष डॉ. इफ्तिखार अहमद जावेद की ओर से किया जा चुका है। परीक्षा व अन्य मामलों का हवाला देते हुए इसे रद करने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री तक को पत्र अध्यक्ष द्वारा लिखा जा चुका है।

▸▸ अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की निदेशक ने दिया था जिलावार आदेश

लखनऊ और गोरखपुर के अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों से सवाल-जवाब

विभाग अपनी जांच में लखनऊ और गोरखपुर में संचालित मदरसों पर खास नजर बनाए है। बताते हैं कि जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों से सवाल-जवाब हुए हैं। कई मामलों में जानकारियां मांगी गई हैं। ऐसे में बोर्ड के जिम्मेदारों से बातचीत को लेकर देर शाम तक फोन की घंटिया बजती रहीं।

पराली और गोबर से बनेगी 28 टन बायो गैस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

▸▸ गोरखपुर में जल्द शुरू होगा सीबीजी का व्यावसायिक उत्पादन

▸▸ 169 करोड़ रुपये की लागत से बने प्लांट का अक्टूबर 2023 से हो रहा ट्रायल

अमृत विचार: जल्द ही गोरखपुर देश के बायो फ्यूल उत्पादन करने वाले जिलों की रैंकिंग में शामिल हो जाएगा। इसके लिए धुरियापार के बायो फ्यूल कॉम्प्लेक्स में कम्प्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी) के कमर्शियल उत्पादन की तैयारियां जोरशोर से चल रही हैं। अक्टूबर 2023 से ही यहां स्थापित प्लांट का ट्रायल जारी है। उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही इसकी औपचारिक शुरुआत होगी।

गुरुवार को कमिश्नर अनिल ढींगरा, जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश और मुख्य विकास अधिकारी संजय मीना ने इंडियन ऑयल की तरफ से लगाए गए प्लांट का निरीक्षण कर ट्रायल देखा और इसे पूरी तरह से संचालन योग्य बनाने के आयामों पर चर्चा की।

धुरियापार की बंद पड़ी चीनी मिल के 50 एकड़ परिसर में बायो फ्यूल कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराने की जिम्मेदारी इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड के पास है। इसका शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और तत्कालीन केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने 18 सितंबर 2019 को किया था।

इस कॉम्प्लेक्स में पहले चरण में सीबीजी और दूसरे चरण में एथेनाल का उत्पादन होना है। 169 करोड़ रुपये की लागत वाली सीबीजी प्लांट में प्रतिदिन 230 टन कचरे से 28 टन बायो गैस बनाई जाएगी। इसका निर्माण कार्य पूरा हो जाने के बाद अक्टूबर 2023 से ही ट्रायल चल रहा है। इसमें पराली (पुआल, गेहूं के डंठल, मक्के की डाठ, गन्ने की पत्ती) और गोबर का इस्तेमाल किया जाएगा। प्लांट में कमर्शियल उत्पादन शुरू होने के साथ ही प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से पांच हजार लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। वहीं क्षेत्रवासियों को बायो गैस के माध्यम से एनर्जी का नया स्रोत भी मिलेगा।

विप में गूंजा मदरसा शिक्षकों का मामला

विधान मंडल सत्र

सपा ने फार्मासिस्टों के रिक्त पदों पर नियुक्ति के सवाल उठाया

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अमृत विचार: विधान परिषद में गुरुवार को मदरसा आधुनिकीकरण योजना के तहत मदरसा शिक्षकों के उत्पीड़न, ग्रामीण एवं असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की मजदूरी का मामला गूंजा। वहीं सपा के आशुतोष सिन्हा ने फार्मासिस्टों के रिक्त पदों पर नियुक्ति के सवाल उठाया, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया, प्रदेश में फार्मासिस्टों के 7080 पदों के सापेक्ष 6396 पद भरे हैं, 684 रिक्त पदों पर नियुक्ति व नव स्थापित 50 बेडेड अस्पतालों के लिए नियमानुसार अधियाचन भेजा है।

सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह के सभापतित्व में सपा सदस्य शाहनवाज खान के एक सवाल का जवाब देते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा दवाएं प्रत्येक मरीज की जरूरत के अनुसार डाक्टर द्वारा अपने विवेक से लिखी जाती हैं। दवाएं कहीं से भी खरीदी जा सकतीं हैं। वैसे राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर द्वारा जेनरिक दवा ही लिखी जाती है। भोजनावकाश बाद डॉ.जयपाल सिंह व्यस्त के सभापतित्व में सदन के कार्यसूची के मदों को निपटाया गया। सपा के लाल बिहारी यादव ने समाजवादी पेंशन बंद करने व अन्य खामियां गिनाते बजट का विरोध किया। वहीं मत्सय मंत्री संजय निषाद ने मछली उत्पादन में वृद्धि की जानकारी देते हुए कहा कि मछुआ कोष की स्थापना की गई है। उन्होंने बजट का समर्थन किया। शाम 05.05 बजे अधिष्ठाता ने सदन शुक्रवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

पैथोलॉजी के बाहर पैथोलॉजिस्ट के नाम की होगी जाचंः ध्रुव कुमार त्रिपाठी द्वारा मदरसा मिनी आईटीआई में पूर्ण कर्मचारियों को गैरमद से वेतन देने के सवाल पर अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि कर्मचारियों को आंशिक व गैर वेतन मद शब्दावलि का प्रयोग करने मामले की जांच कराकर दोषी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वहीं शहर में पैथोलॉजिस्ट से ज्यादा पैथोलॉजी का सवाल सपा के शहनवाज खान ने उठाया, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि डीम का पत्र लिखकर पैथोलॉजी के बाहर पैथोलॉजिस्ट के नाम अंकित कराने संबन्धी आदेश का अनुपालन कराया जाएगा।

धार्मिक स्थलों के पास से मांस की दुकानें हटाई जाए

शून्य प्रहर में नियम 115 में भाजपा सदस्य विजय बहादुर पाठक ने धार्मिक स्थलों के पास से मांस की दुकानें बन्द करने के उच्च न्यायालय के आदेश को सुनिश्चित कराने की सूचना दी। जिसमें कहा गया कि धार्मिक स्थलों के 50 मीटर के आस-पास मांस बिक्री की दुकानों को चिहिंत कर तत्काल हटवाया जाये। न्यायालय के इस आदेश का अभी अनुपाल नहीं हो पाया है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा सरकार धर्म एवं पंथ के नाम पर भेदभाव कर रही है। जांच के नाम पर लगातार प्रताड़ना ठीक नहीं। लाल बिहारी यादव ने कहा मदरसा शिक्षक भीषण ठंड में भी बीती 18 दिसम्बर से इको गार्डन में धरने पर बैठे हैं। सरकार की उपेक्षा से 21 हजार शिक्षक भुखमरी की कगार पर हैं। सत्ता पक्ष होने की वजह से भाजपा के मोहसिन रजा को पीठ ने बोलने से रोक दिया। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा मदरसों के बच्चे भी इंजीनियर, डाक्टर, वैज्ञानिक बनें, इसके लिए प्रदेश सरकार ने कई योजनाएं शुरू की हैं। पूरा वेतन देने के संबन्ध में उन्होंने बताया कि मदरसों में शिक्षकों को लेकर केन्द्र सरकार का जो निर्णय होगा उसी के अनुरूप हम काम करेंगे। सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने सरकार को निर्देश दिया कि अपने संसाधनों से देखिये शिक्षकों को काम का मात्र 40 फीसदी वेतन उचित नहीं है।

मजदूरों को भी मिले अवकाश का मानदेय

बसपा के भीमराव आंबेडकर ने असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को उपयुक्त मजदूरी न मिलने का मामला कार्य स्थगन के रूप में कार्य स्थगन के रूप में उठाया। उन्होंने कहा प्रदेश में अब तक मजदूरी सलाहकार बोर्ड का गठन नही हुआ है। मजदूरों की मजदूरी दोगुनी की जाये और सरकारी छुट्टी रविवार की मजदूरी इनके खाते में भेजी जाये। जवाब देते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा न्यूनतम मजदूरी पर रिब्यू के लिए सरकार ने कमेटी बनायी है। कमेटी की सिफारिशें आने पर सरकार कार्रवाई करेगी। पांच हजार श्रमिकों को सवा लाख प्रतिमाह वेतन पर इजराइल भेजे जा रहे हैं। जहां उनको खाना-पीना फ्री है, उनकी संरक्षा और सुरक्षा की जिम्मेदारी भारत सरकार की है।

निर्धारित वेतन का 60 प्रतिशत नहीं मिल रहा

शून्य प्रहर में सपा के लाल बिहारी यादव, स्वामी प्रसाद मौर्या, आशुतोष सिन्हा, डॉ.मानसिंह यादव, शहनवाज खान, मो.जासमीर अंसारी और मुकुल यादव ने प्रदेश में मदरसा के आधुनिकीकरण योजना के तहत मदरसा शिक्षकों के केन्द्रांश की राशि जारी कराने का मामला कार्य स्थगन के रूप में उठाया। उन्होंने कहा कि मदरसा शिक्षकों को निर्धारित वेतन का 60 प्रतिशत नहीं मिल रहा है।

ओडीओपी सीएफसी की 13 परियोजनाएं शुरू

अमृत विचार, लखनऊः इंटरनेशनल ट्रेड शो के द्वितीय संस्करण के कर्टेन रेजर कार्यक्रम में गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ओडीओपी सीएफसी की 13 परियोजनाओं की शुरुआत की।

इस क्रम में मुख्यमंत्री ने एमएसएमई क्लस्टर पार्क योजना के तहत रायबरेली, मऊ, प्रतापगढ़ और महोबा में औद्योगिक अस्थानों का शिलान्यास, इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड एक्सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत गोमती नगर लखनऊ में ट्रेड प्रमोशन सेंटर का शिलान्यास, खाद्य एवं प्रसंस्करण के अंतर्गत कौशाम्बी में केला और गोंडा में दाल एवं मक्का में ओडीओपी सीएफसी परियोजनाओं का शिलान्यास किया।

साथ ही मिनी औद्योगिक अस्थान बिल्हौर कानपुर नगर, पचरावां रायबरेली और अयोध्या का उच्चीकरण, जिला उद्योग केंद्र कौशाम्बी, अमेठी और वाराणसी के नवीन भवनों का शिलान्यास किया।

योगी ने अपने हुनर से अपना स्थान बनाने वाले श्रमसाधकों का भी सम्मान किया। इसमें विश्वकर्मा श्रम सम्मान के अंतर्गत बाराबंकी के राहुल (नाई), लखनऊ से निधि मल्होत्रा (दर्जी), सीतापुर के फिरोज अहमद (मोची) को सम्मानित किया गया। ओडीओपी प्रशिक्षण एवं टूलकिट वितरण योजना के अंतर्गत रायबरेली के रंजीत कुमार का सम्मान किया।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के सभागार में प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस के सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म की चेयरपर्सन सुप्रिया श्रीनेत, साथ में प्रदेश प्रवक्ता अंशू अवस्थी व अन्य। अमृत विचार

परिवहन निगम की 10 लग्जरी बसों से अयोध्या जाएंगे मंत्री-विधायक

अमृत विचार,लखनऊ : प्रदेश के मंत्री व विधायक उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की 10 लग्जरी बसों से अयोध्या जाएंगे। निगम ने 11 फरवरी को विधानसभा के सभी सदस्यों को अयोध्या में रामलला के दर्शन कराने का फैसला लिया है। राज्य सरकार की ओर से उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक को बसों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने बीते दिन सभी सदस्यों से 11 फरवरी को रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या चलने का आग्रह किया था। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने भी सभी सदस्यों को अयोध्या चलने का निमंत्रण दिया। शासन के आकिरियों ने बताया कि विधानसभा के सभी सदस्यों को ले जाने के लिए निगम की बसें विधानभवन के गेट संख्या-एक व तीन के सामने सुबह सवा आठ बजे उपलब्ध रहेंगी। परिवहन राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर सिंह ने अयोध्याधाम के दर्शन कराने वाली बसों की बाहरी व आंतरिक सफाई बेहतर करने व पर्दे की व्यवस्था करने, बसों में सुरक्षा की दृष्टि से अग्निशमन यंत्र सुनिश्चित करने, साथ ही फर्स्ट एड किट उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं। परिवहन राज्यमंत्री ने कहा है कि बसों में रामधुन अवश्य बजाएं। चालक-परिचालक व्यवहार कुशल हों। साथ ही वर्दी में नेम प्लेट जरूर लगाएं।

अब तक 66 हजार युवाओं को मिला रोजगार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

▸▸ विधानसभा में मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने दी जानकारी

अमृत विचारः राज्य सरकार को वित्तीय वर्ष 2023-24 में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से प्रशिक्षित 36843 अभ्यर्थियों को सेवायोजित कराने में सफलता मिली। वहीं उप्र. कौशल विकास मिशन के माध्यम से कुल 29354 प्रशिक्षार्थियों को विभिन्न कंपनियों में सेवायोजित कराया गया है। इस तरह व्यावसायिक शिक्षा के जरिए प्रदेश के 66 हजार से ज्यादा युवाओं को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं।

खास बात यह रहा कि रोजगार प्राप्त करने वालों में सभी 18 मंडलों के 75 जिलों से छात्र शामिल हैं। विधानसभा में जारी बजट सत्र के दौरान प्रश्नकाल में पूछे गए एक सवाल के जवाब में यह जानकारी साझा की गई है।

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग कपिल देव अग्रवाल ने सवाल के जवाब में लिखित जानकारी देते हुए सदन को अवगत कराया कि सभी 75 जिलों के छात्रों को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और कौशल विकास पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण लेने के बाद सेवायोजित करने में सफलता मिली है। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से प्रशिक्षित अभ्यर्थियों की बात करें तो सर्वाधिक 4824 अभ्यर्थी राजधानी लखनऊ से चयनित हुए हैं तो वहीं कानपुर नगर से 1901, गोरखपुर से 1523 और झांसी से सर्वाधिक 1414 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है।

हत्थे चढ़ा जाली नोट सप्लायर गैंग का मास्टर माइंड

अमृत विचार,लखनऊः एटीएस ने बंगाल से जाली नोट लाकर उप्र में सप्लाई करने वाले गैंग के मास्टर माइंड को बुधवार की देर रात गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से डेढ़ लाख रुपये से अधिक जाली नोट बरामद किया गया है। गिरफ्तार सरगना, प्रतापगढ़ जिले के महेशगंज थाना क्षेत्र का निवासी अच्छे लाल चौरसिया उर्फ बच्चा है। बीते दिनों एटीएस के हत्थे चढ़े इस गैंग के चार सदस्यों से पूछताछ में मिली सूचना के आधार पर उसको पाण्डेयपुर (वाराणसी) से पकड़ा गया है।

एटीएस के मुताबिक अच्छे लाल चौरसिया जाली नोट सप्लायर गैंग बना रखा है। वह मालदा क्षेत्र (पश्चिम बंगाल) के जाली नोट के तस्करों के संपर्क में था। वह तस्कर बांग्लादेश देश में छपने वाले जाली नोटों को मालदा लाकर अच्छे लाल या उसके बताए कैरियरों को देते थे।

बाढ़ प्रबंधन के लिए 227 .18 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को मंजूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

▸▸ मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक संपन्न

अमृत विचारः मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई राज्य कार्यकारिणी की बैठक में लखनऊ, गोरखपुर, झांसी व गाजियाबाद में नगरीय बाढ़ प्रबंधन व न्यूनीकरण के लिए कुल 227.18 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। प्रस्ताव के तहत लखनऊ में 71.24 करोड़ रुपये की लागत से भूमिगत आरसीसी पाइप नाले के निर्माण व किला मोहम्मदी ड्रेन के रीमॉडलिंग का कार्य कराया कराया जाएगा।

इसके अलावा गोरखपुर में प्रथम चरण में 20 करोड़ रुपये की लागत से बड़े और छोटे पंपिंग स्टेशन व गाजियाबाद में 119.32 करोड़ रुपये से वार्ड-24 बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र में बरसाती पानी के नालों के रीमॉडलिंग का कार्य कराया जायेगा। इसी प्रकार झांसी में 16.62 करोड़ रुपये से नालों क निर्माण व सफाई के लिए मशीन का क्रय किया जायेगा।

इसी क्रम में बैठक में बाढ़ से होने वाली जनहानियों के रोकने के लिये फ्लड सेंटर, जलप्लावित ग्रामों में नौकाओं की उपलब्धता, रिवर सेन्सर्स व अर्ली वॉर्निंग सिस्टम के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। इसी प्रकार गंभीर रूप से जलमग्न होने वाले 2412 ग्रामों के बीच 804 बाढ़ राहत नौकाओं का क्रय किया जायेगा। पहले चरण में 40 करोड़ रूपये की लागत से 400 नौकाएं क्रय करने की स्वीकृति दी गई है।

वर्ग पहेली-337

बाएं से दाएं

1. छोटा लोटा।(मु.) -डुबो देना : बहुत बड़ी हानि कर बैठना।-डूब जाना : (कोई काम) बुरी तरह से बिगड़ जाना।

3.1. नगरमोथा 2. जलीय भूमि में होने वाला एक क्षुप 3. उक्त की जड़ जो औषध के काम आती है।

5.1. गांव में रहने वाला 2. खेती करने वाला किसान 3. ग्रामीण, गांव में रहने वाला व्यक्ति, देहाती।

7.1. कागज़

8. रेल द्वारा भेजे जाने वाले सामान या माल की रसीद जिसे प्रस्तुत करने पर वह सामान मिलता है, जावकपत्र।

ऊपर से नीचे

2.1. टिके होने की अवस्था या भाव, स्थायित्व 2. स्थिरता से टिकने की जगह, पड़ाव।

4.1. सरल या आसान काम 2. ठट्ठा

5.1. एक प्रकार की घास जिसकी जड़ सुगंधित होती है, जिसे खस कहते हैं 2. एक दूब 3. गंडदूर्वा नामक घास।

6.1. पूछताछ 2. रोककर पूछने की क्रिया या भाव 3. रोक, मनाही, निषेध।

7.1. जो सुडौल न हो 2. भद्दा, कुरूप, भद्दी बनावट का, बेढंगा।

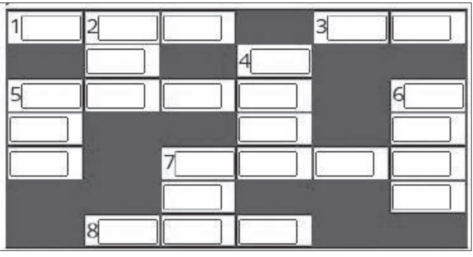

वर्ग पहेली - 336 का हल

1 टँ	का	ई	■	2 ध	■
■	■	■	3 ट	प	रा
■	■	4 बु	ला	ना	■
■	■	■	ट	■	5 के
6 को	ख	7 ज	ली	■	ला
■	■	ड़े	■	■	सी
8 अँ	धि	या	री	■	य

सुडोकू-54

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1			7		6	8	
3		2	4					9
			5		1		7	
	9			2		4		
7								5
		8		9			2	
	5		8		3			
4	6					9		8
		7		4			1	

सुडोकू - 53 का हल

2	5	3	9	7	6	3	1	8
8	6	1	2	3	5	9	7	4
3	9	7	4	1	8	6	2	5
6	1	8	7	4	3	2	5	9
4	7	2	1	5	9	8	3	6
5	3	9	8	6	2	7	4	1
1	8	3	6	2	4	5	9	7
9	4	5	3	8	7	1	6	2
7	2	6	5	9	1	4	8	3

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 9 फरवरी, शुक्रवार 2024 संवत-2080, शक संवत 1945 मास-माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तिथि-चतुर्दशी 08 .02 तक तत्पश्चात अमावस्या।

आज का पंचांग

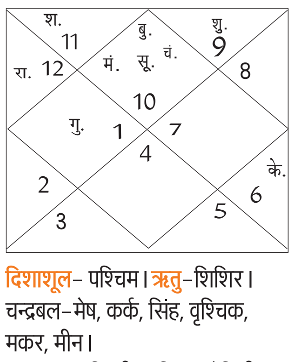

दिशाशूल- पश्चिम। ऋतु-शिशिर। चन्द्रबल-मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन। ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद। नक्षत्र- श्रवण 23 .29 तक तत्पश्चात धनिष्ठा।

मेष: आज जॉब में आपके ऊपर लक्ष्यों को पूर्ण करने का दबाव रहेगा। संतान की शिक्षा में आ रही बाधा दूर होगी। करियर को लेकर एकाग्रचित्त रहेंगे। कार्यक्षेत्र में अनुकूल स्थान-परिवर्तन हो सकता है। परोपकार के कार्यों में आप धन खर्च करेंगे।

वृष: आज विदेश में रह रहे परिजनों से कुछ अच्छी सूचना मिल सकती है। अपना लक्ष्य पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। गुरुजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। बच्चों की उन्नति से उत्साहित रहेंगे। जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं।

मिथुन: आज प्रेम संबंधों को लेकर ज्यादा गंभीर होना फिलहाल आपके लिए उपयुक्त नहीं है। कारोबार में भी अत्यधिक लालच के कारण ग्राहक नाराज हो सकते हैं। जॉब में आपका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहेगा। संकोच के कारण आप अपनी परेशानियों को भी शेयर नहीं कर पा रहे हैं।

कर्क: आज जीवनसाथी से अपने विचारों को साझा कर सकते हैं। वाणी में मधुरता की प्रशन्सा होगी। छोटी-मोटी बातों को ज्यादा महत्व न दें। शारीरिक रूप से चुस्त-दुरुस्त रहेंगे। परिवार में मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं। विरोधी आपका अहित करने का प्रयास करेंगे।

सिंह: आज कारोबार की अधूरी पड़ी योजनाओं को लेकर थोड़े चिन्तित हो सकते हैं। विद्यार्थियों को परीक्षा परिणामों में उत्तम सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। कानूनी विवादों को तीव्र बुद्धि और सूझबूझ से आप सुलझा लेंगे।

कन्या: आज आत्मविश्वास के साथ सभी कार्यों में आगे बढ़ेंगे। विदेश में व्यापार कर रहे लोगों की आय में वृद्धि होगी। संतान के व्यवहार से आप दुखी हो सकते हैं। दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आप ख़रीदारी करने जा सकते हैं।

तुला: आज जॉब में आपका प्रदर्शन बहुत ही शानदार रहने वाला है। संतान की तरफ से शुभ समाचार मिलेंगे। किसी कारणवश आपकी बदनामी हो सकती है। इसीलिए ऐसी स्थितियों को लेकर सावधान रहें। व्यापार में आप नये प्रयोग कर सकते हैं।

वृश्चिक: आज कारोबार में विस्तार कर सकते हैं। स्वादिष्ट व्यञ्जनों का आनन्द उठायेंगे। प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों की सैलरी बढ़ सकती है। आपके सभी रुके हुये काम एक के बाद एक पूरे होते जायेंगे। कार्यक्षेत्र में आपका यश बढ़ेगा।

धनु: आज कार्यक्षेत्र में थोड़ी अस्थिरता हो सकती है। आपको किसी के साथ भी अभद्रता नहीं करनी चाहिए। अपने से बड़ों की बात न टालें। माता-पिता की सलाह से नया काम शुरू करना आपके लिए शुभ होगा। सर्दी और कफ बढ़ने की समस्या हो सकती है।

मकर: आज घर का वातावरण बहुत ही अच्छा रहेगा। निर्माण संबंधी कार्यों में सफलता मिलेगी। दांपत्य संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। गृहस्थ जीवन में शांति रहेगी। लोग आपके विचारों से काफी सहमत रहेंगे। कोई रुकी हुई डील आज फाइनल हो सकती है।

कुंभ: आज जीवनसाथी की कोई बात बुरी लग सकती है। गुस्से पर नियंत्रण रखें। शारीरिक रूप से कमजोर महसूस करेंगे। व्यवसाय में आपको कुछ प्रयोग करने से बचना चाहिए। भावनात्मक रूप से कमजोर महसूस कर सकते हैं।

मीन: आज आपके काम की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। सोशल मीडिया पर आप काफी सक्रिय रहेंगे। पारिवारिक परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। उधार दिया हुआ धन आपको प्राप्त होगा। घर में बच्चों की किलकारी गूंजेगी।

आज की फिल्में

B4U MOVIES
दिल ही तो है — सुबह : 09 .00
इंडियन — रात : 09 .00

Utsav Gold
ओ तेरी — सुबह : 10 .00
यारियां — रात : 07 .00

SONY MAX
पति पत्नी और वो — सुबह : 11 .28
मेजर — रात : 09 .40

ZEE CINEMA
चालबाज — सुबह : 09 .00
अनाड़ी नम्बर वन — रात : 07 .00

colors CINEPLEX
दोस्ताना — सुबह : 11 .34
स्वदेश — शाम : 06 .58

आज की सुपरहिट फिल्म

सोनी मैक्स पर रात-09 .40 बजे

जोक्स ऑफ द डे

पप्पू - इतना परेशान क्यों है?
गप्पू - अरे यार, मैंने अपनी गर्लफ्रेंड को दो बड़े-बड़े टेडी बियर गिफ्ट किए थे...
पप्पू - तो इसमें परेशान होने की क्या बात है?
गप्पू - उसकी मम्मी ने दोनों की रुई निकलवाकर दो तकिए भरवा लिए!

साला (जीजा से)-जीजा जी!
मेरी बहन तो गाय है गाय,
जीजा-फिर साले गौशाला में ही छोड़ आते,
मेरे साथ क्यों बांध दी...

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	71,428.43	21,717.95
नुकसान	723.57	212.55
प्रतिशत में	1.00	0.97

मैंथा बाजार भाव

रामपुर-शिवालिक 990 फ्लैग 1110 डीएमओ 825 बोल्ड 1145, **सम्भल-चन्दौसी**-शिवालिक 1000 फ्लैग 1135 बोल्ड 1160 डीएमओ 910।

कानपुर मंडी

अनाज (प्रति क्वि.)-	
गेहूंदड़ा	2525-2550
आरआर 21	2700-2750
गेहूंफारम	2800-2850
जौ	2000-2100
ज्वार	2600-4000
बाजरा	2125-2175
मकाई	2000-2200
दलहन (प्रति क्वि.)	
लोकल	मिल डिलीवरी
चना	5400-5500
अरहर	8000-8300
मसूर	5500-5600
मटर	4400-4500
उड़दहरा	10000-10200
उड़दकाला	6000-8000
मूंग	8500-8800
दाल (प्रति क्वि.)	
अरहरफूल	15000-15200
अरहरस्पेशल1	12500-12700
चनादाल	6900-7000
मटरदाल	5300-5400
मसूरमलका	7000-7050
मसूरदाल	7050-7100
उड़ददाल	8800- 12500
उड़द धोवा	10200- 12800
मूँगदाल	9500-10500
मूँग धोवा	9500-11500
चावल (प्रति क्वि.)	
अरवा	2000 - 2300
बासमती नं.1	9100 - 11000
सेला	2500 - 3000
बासमती नं.2	7000 - 8000
आटा-मैदा (प्रति 50 किग्रा.)	
आटा	1490-1550
मैदा	1475-1520
सूजी	1500-1550
चक्कीआटा (ब्राण्डेड 50 किग्रा.)	
शाहपसंद	1430-1475
तिलहन (प्रति क्वि.)	
लाही	5050-5100
अलसी	4500-4600 रुपये।

अगले वित्त वर्ष में वृद्धि दर रहेगी 7 प्रतिशत

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास बोले-उपभोक्ता मांग, निजी निवेश में हो रहा सुधार

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक का अनुमान है कि परिवारों का उपभोग बढ़ने और निजी निवेश में सुधार से अगले वित्त वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7 प्रतिशत रहेगी। हालांकि, यह राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के चालू वित्त वर्ष (2023-24) के 7.3 प्रतिशत के अनुमान से कम है।

भारतीय अर्थव्यवस्था 2022-23 में 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बृहस्पतिवार को द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि ग्रामीण मांग में तेजी जारी है, शहरी खपत मजबूत बनी हुई है और पूंजीगत व्यय में वृद्धि के कारण निवेश चक्र रफ्तार पकड़ रहा है। निजी निवेश में भी सुधार के संकेत दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि रबी बुवाई में सुधार, विनिर्माण क्षेत्र के लाभ में सतत वृद्धि और सेवा क्षेत्र में अंतर्निहित मजबूती से 2024-25 में आर्थिक गतिविधियों को समर्थन मिलेगा। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने का अनुमान है। जून और सितंबर तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर क्रमशः 7.2 प्रतिशत और 6.8 प्रतिशत रहेगी।

नियमों का अनुपालन नहीं करने पर पेटीएम के खिलाफ की कार्रवाई

आरबीआई ने बृहस्पतिवार को कहा कि पेटीएम ने बार-बार कहे जाने के बावजूद नियामकीय दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया और इसके कारण वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। आरबीआई ने यह भी साफ किया कि व्यवस्था के स्तर पर चिंता वाली कोई बात नहीं है। केंद्रीय बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने यह साफ किया कि नियमों के अनुपालन में पेटीएम की कमी व्यवस्था को लेकर कोई जोखिम पैदा नहीं करती है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि कौन से मामलों को लेकर वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

रेपो दर को स्थिर रखना व्यावहारिक कदम टिकाऊ वृद्धि सुनिश्चित करेगा: विशेषज्ञ

विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने नीतिगत ब्याज दर स्थिर रखने के रिजर्व बैंक के निर्णय को व्यावहारिक बताते हुए कहा कि यह फैसला टिकाऊ आर्थिक वृद्धि को सुनिश्चित करेगा। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने वैश्विक अनिश्चितता और खुदरा मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत पर लाने की जरूरत को देखते हुए लगातार छठी बार रेपो दर को अपरिवर्तित रखने का फैसला किया है। उद्योग मंडल एसोचैम के महासचिव दीपक सूद ने टिकाऊ आर्थिक वृद्धि के इस फैसले को व्यावहारिक बताया। कोटक आल्टरनेट एसेट मैनेजर्स की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (निवेश एवं रणनीति) लक्ष्मी अय्यर ने कहा कि मुद्रास्फीति के मोर्चे पर कोई बड़ी चिंता न जताना राहत देने वाली बात है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की दिल्ली इकाई के चेयरमैन पुनीत कौरा ने आरबीआई का यह कदम उम्मीदों के अनुरूप ही है।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा के बाद बाजार में सेंसेक्स 724 अंक लुढ़का

मुंबई, एजेंसी

▸▸ सेंसेक्स ने शुरुआती लाभ गंवाया, निफ्टी भी 212 अंक गिरा

स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 723 अंक से अधिक लुढ़क गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद नीतिगत दर में कटौती के समय को लेकर अनिश्चितता बढ़ने से बैंक और वाहन शेयरों में बिकवाली से बाजार नीचे आया। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में बढ़त में था, लेकिन बाद में यह 723.57 अंक यानी एक प्रतिशत की गिरावट के साथ 71,428.43 अंक पर बंद हुआ। आरबीआई की मौद्रिक नीति की घोषणा के बाद बाजार नुकसान में आया और एक समय यह 921.38 अंक तक लुढ़क गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 212.55 अंक यानी 0.97 प्रतिशत की गिरावट के साथ 21,717.95 अंक पर बंद हुआ।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने बृहस्पतिवार को द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में लगातार छठी बार प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा। ब्याज दर से संबंधित बैंक और वित्तीय सेवाएं, वाहन, रियल्टी और जिंस कंपनियों के शेयर दबाव में रहे जबकि ऊर्जा तथा आईटी शेयरों में तेजी रही।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा-हालांकि, वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीडीपी वृद्धि दर अनुमान को बढ़ाया गया है, पर केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति और बैंक नकदी को लेकर सतर्क बना हुआ है। रेपो दर में मई, 2022 से छह बार में 2.5 प्रतिशत की वृद्धि का लाभ अभी पूरी तरह नहीं मिला है और मुद्रास्फीति लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है। इससे नीतिगत दर में कटौती के समय को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। इसका असर सरकार के 10 साल के बॉन्ड प्रतिफल पर दिखा और यह बढ़ गया है। उन्होंने कहा, ''बाजार का बड़ा हिस्सा नुकसान में रहा। इसमें दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी), बैंक और वाहन कंपनियां शामिल हैं।

सर्राफा

कानपुर	
चॉदी 999 (प्रति किलो)	72,000
चांदी सिक्का (प्रति सैकड़ा)	82,500
चांदी सिक्का (सैकड़ा) बिकवाल	87,500
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	64,350
गिन्नी (प्रति नग)	47,900-48,100
लखनऊ	
सोना स्टैंडड (प्रति 10 ग्राम)	64,400
सोना रवा (प्रति 10 ग्राम)	64,250
गिन्नी (प्रति 10 नग)	42, 500
चांदी (999)	72,200
चांदी तैयार	72,300
चांदी का सिक्का (प्रति सैकड़ा)	80, 000
बरेली	
सोना जेवरात पक्के	64,100
सोना जेवरात गिन्नी	63,100
चांदी पक्की	714(अनुमानित)
मुरादाबाद	
सोना 24 कैरेट	64,250
चांदी आभूषण	72,100।

राजस्थान सरकार ने की 70,000 पदों पर भर्तियों की घोषणा

जयपुर। राजस्थान की वित्त मंत्री दीया कुमारी ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में लेखानुदान या अंतरिम बजट पेश किया। इसमें उन्होंने 70,000 पदों पर भर्तियां करने, गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के तहत एक लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त अल्पकालिक ऋण देने, जयपुर के निकट 'हाईटेक सिटी' विकसित करने, 'लाडो प्रोत्साहन योजना' के तहत गरीब परिवारों की बालिकाओं के जन्म पर एक लाख रुपये का 'सेविंग बॉन्ड' देने सहित कई घोषणाएं कीं। पिछले साल दिसंबर में सत्ता में आई भाजपा सरकार का यह पहला अंतरिम बजट था।

सरसों का दाम एमएसपी से नीचे आया, तो सरकार करेगी खरीद : मुंडा

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और जनजातीय कार्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा है कि सरसों का दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से नीचे जाता है, तो सरकार एमएसपी पर किसानों से इसकी खरीद करेगी।

उन्होंने कहा कि इसके लिए जरूरी व्यवस्था की गई है। मुंडा ने एक बयान में कहा-केंद्र सरकार द्वारा रबी विपणन सत्र के दौरान मूल्य समर्थन योजना या पीएसएस के अंतर्गत सरसों की खरीद की तैयारियां की गई हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के लिए किसानों का हित सर्वोपरि है। यदि सरसों का दाम एमएसपी से नीचे जाता है तो सरकार ने किसानों से एमएसपी पर इसकी खरीद के लिए आवश्यक व्यवस्था की है। उन्होंने बताया कि रबी विपणन सत्र (आरएमएस) के लिए, केंद्रीय नोडल एजेंसियों को पहले से ही मूल्य समर्थन योजना के तहत सरसों की खरीद के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया गया है, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो।

एलआईसी बनी पांचवीं सबसे मूल्यवान कंपनी

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के शेयरों में बृहस्पतिवार को छह प्रतिशत से अधिक का उछाल आने के बाद इसका बाजार मूल्यांकन 6.99 लाख करोड़ रुपये हो गया और यह देश की पांचवीं मूल्यवान कंपनी बन गई। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी का शेयर बीएसई पर 5.86 प्रतिशत चढ़कर 1,106.25 रुपये के भाव पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 9.51 प्रतिशत बढ़कर 1,144.45 रुपये के अपने रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया था। एनएसई पर कंपनी का शेयर 6.46 प्रतिशत की उछाल के साथ 1,112 रुपये के भाव पर बंद हुआ।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में आया 21,780 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी

▸▸ जनवरी माह में दो साल के उच्चस्तर पर पहुंचा

इक्विटी म्यूचुअल फंड में जनवरी, 2024 में शुद्ध रूप से 21,780 करोड़ रुपये का निवेश आया है। यह लगभग दो साल में किसी भी महीने में हुआ सबसे अधिक मासिक निवेश है। इस दौरान निवेशकों ने स्मॉल-कैप फंड को प्राथमिकता देना जारी रखा।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) की ओर से बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। दिसंबर, 2023 में इस श्रेणी में लगभग 17,000 करोड़ रुपये का निवेश आया था। जनवरी में निवेश प्रवाह मार्च, 2022 के बाद से सबसे अधिक था। मार्च, 2022 में इक्विटी म्यूचुअल फंड में 28,463 करोड़ रुपये का निवेश किया गया था। ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि इक्विटी कोषों में लगातार 35 माह से शुद्ध निवेश आ रहा है। समीक्षाधीन महीने में वैल्यू फंड को छोड़कर, इक्विटी खंड की सभी श्रेणियों में शुद्ध प्रवाह आया। थीम आधारित फंडों में 4,805 करोड़ रुपये, स्मॉल-कैप फंड में 3,257 करोड़ रुपये और मल्टी-कैप में 3,039 करोड़ रुपये आए।

राष्ट्रीय

संप्रग के कार्यकाल की चुनौतियों पर राजग ने काबू पाया

संसद में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर एक श्वेत पत्र पेश किया

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को भारतीय अर्थव्यवस्था पर एक 'श्वेत पत्र' संसद में पेश किया। श्वेत पत्र में कहा गया है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार से विरासत में मिली चुनौतियों पर पिछले 10 वर्षों में सफलतापूर्वक काबू पाया है। साथ ही भारत को उच्च वृद्धि के रास्ते पर लाने के लिए 'कड़े फैसले' किए हैं।

कुल 59 पृष्ठ के 'भारतीय अर्थव्यवस्था पर श्वेत पत्र' में कहा गया है कि जब 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार ने सत्ता संभाली, तो अर्थव्यवस्था नाजुक स्थिति में थी, सार्वजनिक वित्त खराब स्थिति में था। साथ ही आर्थिक कुप्रबंधन, वित्तीय अनुशासनहीनता और व्यापक भ्रष्टाचार का बोलबाला था। सीतारमण द्वारा लोकसभा में पेश किए गए दस्तावेज में कहा गया है कि यह एक संकटपूर्ण स्थिति थी। अर्थव्यवस्था को चरण दर चरण सुधारने और शासन प्रणालियों को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी बहुत बड़ी थी। श्वेत पत्र के मुताबिक, संप्रग सरकार आर्थिक गतिविधियों को सुचारू रूप देने में बुरी तरह विफल रही। इसके बजाय संप्रग सरकार ने बाधाएं पैदा कीं, जिससे अर्थव्यवस्था पीछे रह गई। इस दस्तावेज में साथ ही यह भी कहा गया कि 2014 में राजग सरकार को विरासत में बेहद कमजोर अर्थव्यवस्था मिली थी। श्वेत पत्र में कहा गया कि मोदी सरकार ने व्यापक आर्थिक बेहतरी के लिए कठोर निर्णय लेने की जरूरत को समझा। इसके मुताबिक-हमारी सरकार ने अपनी पिछली सरकार के विपरीत एक मजबूत ढांचा बनाने के साथ ही अर्थव्यवस्था की नींव में निवेश किया।

अंतरिम बजट एवं वित्त विधेयक को मिली संसद में मंजूरी

संसद ने बृहस्पतिवार को अंतरिम बजट 2024-25, वित्त विधेयक, 2024 और जम्मू कश्मीर के अंतरिम बजट 2024-25 को मंजूरी प्रदान कर दी और इस तरह वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अंतरिम बजट को पारित करने की प्रक्रिया पूरी हुई। उच्च सदन में अंतरिम बजट 2024-25, वित्त विधेयक, 2024 और जम्मू कश्मीर के अंतरिम बजट 2024-25 और अनुदान की अनुपूरक मांगों एवं इससे संबंधित विधेयक पर हुई संयुक्त चर्चा पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के जवाब के बाद इन्हें ध्वनिमत से लौटा दिया गया। लोकसभा इन्हें कल ही पारित कर चुकी है। इसी के साथ संसद ने केंद्रशासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के लिए 1.8 लाख करोड़ रुपये के बजट को भी मंजूरी दे दी।

लोकतंत्र के मंदिर को प्रासंगिक बनाए रखने का किया गया प्रयास: धनखड़

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि लोकतंत्र के इस मंदिर को संवाद, बहस और विचार-विमर्श का मंच बनाकर प्रासंगिकता बनाए रखने का प्रयास किया गया है। श्री धनखड ने गुरुवार को राज्यसभा में सेवानिवृत्त हो रहे सदस्यों के विदाई कार्यक्रम में कहा कि यह हम सभी के लिए एक भावनात्मक अवसर है। सदन के 68 सहयोगियों को विदाई दी जा रही है। ये सदस्य अपना कार्यकाल पूरा होने के बाद फरवरी से मई के बीच सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि सेवानिवृत्त होने वाले सदस्य भी भारत और प्रत्येक भारतीय के हित को आगे बढ़ाने के अपने प्रयासों के लिए गहन संतुष्टि की भावना के साथ जाएंगे।

भारत-म्यांमा सीमा पर मुक्त आवागमन व्यवस्था खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी

▸▸ गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच पर दी जानकारी

▸▸ कहा-देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए लिया गया फैसला

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र ने देश की आंतरिक सुरक्षा और पूर्वोत्तर राज्यों की जनसांख्यिकीय संरचना को बनाए रखने के लिए भारत-म्यांमा मुक्त आवागमन व्यवस्था (एफएमआर) को खत्म करने का फैसला किया है। शाह ने कहा, चूंकि विदेश मंत्रालय फिलहाल इसे खत्म करने की प्रक्रिया में है, गृह मंत्रालय (एमएचए) ने एफएमआर को तत्काल निलंबित करने की सिफारिश की है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने इस कदम के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री शाह को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह कदम आंतरिक सुरक्षा के लिये अहम है। एफएमआर भारत-म्यांमा सीमा के करीब रहने वाले लोगों को बिना किसी दस्तावेज के एक-दूसरे के क्षेत्र में 16 किमी तक जाने की अनुमति देता है।

शाह ने एक्स पर कहा-हमारी सीमाओं को सुरक्षित करना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का संकल्प है। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने फैसला किया है कि देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने और म्यांमा की सीमा से लगे भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की जनसांख्यिकीय संरचना को बनाए रखने के लिए भारत और म्यांमा के बीच मुक्त आवाजाही व्यवस्था (एफएमआर) को खत्म कर दिया जाएगा। यह घोषणा शाह के इस बयान के दो दिन बाद आई कि भारत ने पूरी 1,643 किलोमीटर लंबी भारत-म्यांमा सीमा पर बाड़ लगाने का फैसला किया है। मिजोरम, मणिपुर, नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश से होकर गुजरने वाली भारत-म्यांमा सीमा वर्तमान में एफएमआर है। इसे 2018 में भारत की 'पूर्वोन्मुख नीति' के हिस्से के रूप में लागू किया गया था। मणिपुर के मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा-हमारी सीमाओं को सुरक्षित करने की प्रतिबद्धता के लिए माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और माननीय गृह मंत्री अमित शाह जी का बहुत आभारी हूं। जैसा कि भारत के गृह मंत्री ने सिफारिश की है।

एक नजर

सड़क दुर्घटना में चार की मौत, 15 घायल

रायगंज। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में एक तेज रफ्तार ट्रक दो वाहनों से टकराकर पलट गया, जिससे एक स्वयंसेवी सहित चार लोगों की मौत हो गई और कम से कम 15 लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना बुधवार देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग-12 पर करणदिघी में तुंगीदिघी बस स्टैंड के पास हुई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, ''तेज रफ्तार ट्रक पहले दो चलती गाड़ियों से टकराया और इसके बाद पलट गया। इस हादसे में एक साइकिल सवार समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य 15 लोग घायल हो गए।

फर्जी पहचान से यात्रा कर रहे 2 गिरफ्तार

इंदौर (मध्यप्रदेश)। चेन्नई से इंदौर आए दो लोगों को पुलिस ने फर्जी पहचान पत्रों के आधार पर यात्रा करने के आरोप में यहां के देवी अहिल्याबाई होलकर हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) आदित्य मिश्रा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद उमर (43) और जाकिर हुसैन (30) के रूप में हुई है।

नक्सलियों के साथ पुलिस की मुठभेड़ डेटोनेटर और विस्फोटक सामग्री जब्त

गढ़चिरौली। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पुलिस ने नक्सलियों से मुठभेड़ के बाद कुछ विस्फोटक सामग्री, डेटोनेटर और अन्य चीजें जब्त की हैं। गढ़चिरौली के पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने कहा कि उन्हें बुधवार शाम को जानकारी मिली थी कि सशस्त्र नक्सली कैडर कांकेर-नारायणपुर-गढ़चिरौली सीमा पर वांगेतुरी से सात किलोमीटर पूर्व में हिद्दुर गांव में डेरा डाले हुए हैं। इसके बाद गढ़चिरौली पुलिस की विशेष लड़ाकू इकाई सी-60 यूनिट के जवानों की एक टीम को इलाके में तलाशी अभियान पर भेजा गया। उन्होंने कहा कि इस दौरान शाम करीब सात बजे हिद्दुर गांव से करीब 500 मीटर दूर नक्सलियों ने उन पर गोलीबारी की।

कांग्रेस को झटका, पूर्व मंत्री सिद्दीकी ने दिया इस्तीफा

मुंबई, एजेंसी

▸▸ अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा में शामिल होंगे

महाराष्ट्र की राजनीत में में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस नेता एवं महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा जियाउद्दीन सिद्दीकी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है और वह अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा में शामिल होंगे।

बाबा जियाउद्दीन सिद्दीकी को 'बाबा सिद्दीकी' के नाम से भी जाना जाता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री मिलिंद देवड़ा के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने के एक महीने के भीतर शहर के दूसरे नेता ने कांग्रेस को अलविदा कहा है। सिद्दीकी के बेटे जीशान शहर से कांग्रेस विधायक हैं। बाबा सिद्दीकी ने हालांकि कहा कि वह (जीशान) अपना फैसला खुद लेंगे। सिद्दीकी (66) ने कांग्रेस छोड़ने के अपने फैसले का कोई कारण नहीं बताया है। पार्टी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि कहने के लिए बहुत कुछ है लेकिन कुछ चीजों को अनकहा छोड़ दिया।

विपक्षी सरकारों के खिलाफ युद्ध छेड़ रहा केंद्र : केजरीवाल

▸▸ जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री ने लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, भगवंत मान, फारूक अब्दुल्ला और अन्य लोगों ने भाजपा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उस पर विपक्षी दलों के नेतृत्व वाली राज्य सरकारों के खिलाफ युद्ध छेड़ने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के नेतृत्व में केरल के वाम लोकतांत्रिक मोर्चा के नेताओं और सांसदों ने बृहस्पतिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। केजरीवाल ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। प्रदर्शन में शामिल हुए केजरीवाल ने कहा-विपक्षी दलों के नेतृत्व वाली सरकारें देश के 70 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करती हैं। भाजपा ने विपक्ष शासित राज्यों के खिलाफ जंग छेड़ रखी है। उन्होंने हमारे लिये भारत-पाकिस्तान जैसी स्थिति बना दी है। केंद्र सरकार विपक्षी सरकारों को परेशान करने के लिए हर हथकंडा अपना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र राज्य सरकारों को निधि देने से वंचित कर रहा है, राज्यपालों और उपराज्यपालों के माध्यम से काम में बाधा डाल रहा है तथा विपक्षी नेताओं के पीछे केंद्रीय एजेंसियों को लगा रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा-वह (केंद्र सरकार) उन्हें निधि देने से वंचित कर रही है, राज्यपालों और उपराज्यपालों के माध्यम से काम में बाधा डाल रही है। वह विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार करने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का उपयोग करके उन्हें परेशान भी कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारी यहां अपने परिवारों के लिए भीख मांगने या कुछ मांगने नहीं आए हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने अनधिकृत निर्माण को लेकर जताई नाराजगी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने अनधिकृत निर्माण को रोकने में कई प्राधिकरणों की 'विफलता' को लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि इससे शहर में ''पूर्ण अराजकता'' फैल जाएगी और पूरी व्यवस्था ध्वस्त हो जाएगी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पी. एस. अरोड़ा की पीठ ने कहा कि केंद्र संरक्षित स्मारकों निजामुद्दीन की बावली और बाराखंभा मकबरे के पास अनधिकृत निर्माण को रोकने में अधिकारियों की विफलता ने अदालत को स्तब्ध कर दिया है। अदालत ने मामले में सीबीआई जांच का आदेश देने का संकेत देते हुए कहा कि किसी भी संस्था अवैध कृत्य करने के लिए नहीं किया जा सकता है।

उत्कृष्ट सेवा के लिए भगत सिंह सहित कई कर्मचारी सम्मानित

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक शोभन चौधुरी, अपर महाप्रबंधक अजय कुमार सिंघल, कार्मिक अधिकारी प्रमिला हिंगोरानी भार्गव की उपस्थिति में भगत सिंह को पुरस्कृत किया गया।

नई दिल्ली, ब्यूरो

उत्तर रेलवे का 68वां रेल सप्ताह

▸▸ पांचों मंडलों में राजधानी दिल्ली सबसे आगे

अमृत विचार: उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए उत्तर रेलवे के मुख्य टिकट निरीक्षक भगत सिंह सहित कई रेल कर्मचारियों को रेल सप्ताह के अंतर्गत सम्मानित किया गया है। जबकि लखनऊ, मुरादाबाद, अंबाला, फिरोजपुर व दिल्ली मंडलों में दिल्ली को सर्वश्रेष्ठ मंडल के लिए शील्ड प्रदान की गई है।

चाणक्यपुरी स्थित रेल संग्रहालय में आयोजित रेल सप्ताह समारोह के अंतर्गत उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक शोभन चौधुरी ने उत्कृष्ट सेवा के लिए रेल कर्मियों को पुरस्कृत किया इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक अजय कुमार सिंघल, विभिन्न विभागों के प्रमुख विभागाध्यक्ष एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी, उत्तर रेलवे के कर्मचारी, यूनियनों, एसोसिएशनों और फेडरेशनों के सदस्यगण, उत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष सन्नीति चौधुरी व उत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन की सदस्याएं उपस्थित थीं। कार्य-निष्पादन मानकों के आधार पर महाप्रबंधक द्वारा 54 रनिंग शील्डें प्रदान की गईं। सभी क्षेत्रों में 'सर्वश्रेष्ठ कार्य निष्पादन' के लिए दिल्ली मंडल को ओवरॉल उत्कृष्टता शील्ड प्रदान की गई। फिरोजपुर मंडल को मितव्ययिता शील्ड प्रदान की गई। बेस्ट इम्प्रूव्ड डिवीजन शील्ड मुरादाबाद मंडल को प्रदान की गई ।

इंग्लैंड के स्पिनरों की सफलता का श्रेय कप्तान को: अहमद

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के दौरे पर इंग्लैंड के स्पिनरों ने शुरुआती दो टेस्ट मैचों में उम्मीदों से कही बेहतर प्रदर्शन किया है और युवा गेंदबाज रेहान अहमद ने इस सफलता का श्रेय टीम के माहौल और बेन स्टोक्स के नेतृत्व को दिया है। पांच मैचों की श्रृंखला इस समय 1-1 से बराबर है, लेकिन इसका आश्चर्यचकित करने वाला पहलू यह है कि इंग्लैंड के अनुभवहीन स्पिनरों ने भारतीय स्पिनरों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है।

रेहान, टॉम हार्टले और शोएब बशीर की स्पिन गेंदबाजों की तिकड़ी दो मैचों में 33 विकेट चटकाए हैं तो वहीं रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव जैसे बेहद अनुभवी स्पिनरों ने आपस में 23 विकेट साझा किए हैं। 19 साल के अहमद ने कहा कि इससे पता चलता है कि टीम का माहौल कितना बढ़िया है। उन्होंने कहा कि अपने देखा होगा कि हार्टले और बशीर यहां आने के बाद दबाव में नहीं दिखे और इसका श्रेय टीम को जाता है।

रेहान ने कहा कि हमारी टीम में माहौल और नेतृत्व ऐसा है कि आप यह भूल जाते हैं कि आप किसके खिलाफ खेल रहे हैं। आपका ध्यान सिर्फ इस बात पर होता है कि आपको क्या करने की जरूरत है। टीम की नेतृत्व इकाई में स्टोक्स और मैकुलम जैसे दिग्गजों की मौजूदगी में रेहान ज्यादा दबाव लेने से बचना चाहते है। उन्होंने कहा कि उन्हें (स्टोक्स और मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम) इसकी परवाह नहीं है कि चीजें कितनी बुरी हो सकती हैं। यह हमेशा इस बारे में होता है कि आप इससे क्या हासिल कर सकते है।

टी-20 विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज होंगे बुमराह : वेर्नोन

सभी प्रारूपों में बुमराह के प्रदर्शन से प्रभावित हुए दक्षिण अफ्रिका के पूर्व मध्यम गति के तेज गेंदबाज

जोहानिसबर्ग, एजेंसी

सभी प्रारूपों में जसप्रीत बुमराह के हालिया प्रदर्शन से प्रभावित दक्षिण अफ्रीका के पूर्व मध्यम गति के तेज गेंदबाज वेर्नोन फिलैंडर ने कहा है कि वह इस साल होने वाले टी-20 विश्व कप में भारत की सफलता की कुंजी रहने के साथ सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज भी साबित होंगे। इंग्लैंड के खिलाफ विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट में 9 विकेट लेकर भारत को 91 रन से जीत दिलाकर श्रृंखला में 1-1 से वापसी कराने वाले बुमराह आईसीसी टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले कपिल देव दिसंबर 1979 से फरवरी 1980 के बीच दूसरे नंबर पर पहुंचे थे। फिलैंडर ने कहा कि बुमराह इस समय मुकम्मिल गेंदबाज है। उनके पास जबर्दस्त कौशल है और उन्होंने सटीक गेंदबाजी का हुनर सीख लिया है, जिससे टेस्ट क्रिकेट में इतनी सफलता मिल रही है। पहले वह हर समय विकेट लेने वाली गेंद फेंकना चाहते थे जिससे महंगे साबित होते थे लेकिन अब उनके प्रदर्शन में निरंतरता है। उन्होंने कहा कि वह ऐसे गेंदबाज हैं जिन्हें टी-20 क्रिकेट में भी कमतर नहीं आंका जा सकता । वह नई गेंद से स्विंग कराते हैं और बल्लेबाज को आगे बढ़कर खेलने के लिए मजबूर करते हैं। उनके यॉर्कर काफी धारदार होते हैं और टी-20 क्रिकेट में यही तो चाहिए। मुझे लगता है कि वह टी-20 विश्व कप में सबसे कामयाब तेज गेंदबाज होंगे। टी-20 विश्व कप जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा।

बुमराह से पहले आईसीसी टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में दिसंबर 1979 से फरवरी 1980 के बीच दूसरे नंबर पर रहे कपिल देव

उन्होंने मोहम्मद शमी के लिए कहा कि वह गेंद को बखूबी स्विंग कराते हैं। दक्षिण अफ्रीका के लिए 64 टेस्ट में 224 विकेट लेने वाले इस गेंदबाज ने कहा कि बुमराह के अलावा मोहम्मद शमी भी हैं जो सीम का बखूबी इस्तेमाल करते हैं। दक्षिण अफ्रीका में गेंदबाजी करना आसान नहीं होता लेकिन भारत की सपाट पिचों पर गेंदबाजी करने के बाद उन्होंने जिस तरह यहां गेंदबाजी की, वह काबिले तारीफ है।

खेल डायरी

मेस्सी की मौजूदगी में इंटर मियामी को विस्सेल ने हराया

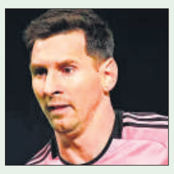

तोक्यो, एजेंसी। हांगकांग में प्रशंसकों को निराश करने के बाद लियोनेल मेस्सी यहां विस्सेल कोबे के खिलाफ इंटर मियामी के प्रदर्शनी मैच के आखिरी 30 मिनट के लिए मैदान में उतरे लेकिन उनकी मौजूदगी टीम को जीत नहीं दिला सकी। मेस्सी के पास इस मैच में गोल करने के दो मौके थे लेकिन उनका प्रयास विफल रहा। मैच के 80वें मिनट में गोलकीपर शोता आरिया ने उनके प्रयास को विफल कर दिया जबकि उनके दूसरे प्रयास को विस्सेल कोबे की रक्षापंक्ति ने असफल कर दिया। नियमित समय में मुकाबला गोलरहित छूटने के बाद पेनल्टी शूटआउट में विस्सेल कोबे ने 4-3 से जीत दर्ज की। मेस्सी ने हालांकि पेनल्टी किक नहीं लगाया जिससे स्टेडियम में मौजूद 29 हजार दर्शक ने निराशा में हूटिंग की। यह हूटिंग हालांकि हांगकांग से कम थी जहां प्रदर्शनी मैच में मेस्सी मैदान पर नहीं उतरे थे। वहां मेस्सी और इंटर मियामी को नाराज प्रशंसकों और सरकार दोनों की तीखी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा था। मेस्सी ने मंगलवार को ही संकेत दिया था कि वह चोट से उबर कर अच्छा महसूस कर रहे हैं और फिटनेस हासिल कर इस मैच के लिए मैदान पर उतरेंगे।

मुंबई ओपन के दूसरे दौर में कोर्नीवा से हारीं श्रीवल्ली

मुंबई, एजेंसी। भारतीय टेनिस खिलाड़ी श्रीवल्ली भादिमिपति एलएंडटी मुंबई ओपन के दूसरे दौर के मुकाबले में रूस की 16 वर्षीय अलीना कोर्नीवा से हार गईं। भारतीय खिलाड़ी से 380 पायदान ऊपर रैंकिंग वाली कोर्नीवा ने बुधवार को क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) परिसर में श्रीवल्ली को दो घंटे 25 मिनट तक चले मुकाबले में हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। मुंबई ओपन की शीर्ष पांच वरीयता प्राप्त खिलाड़ी प्रतियोगिता से बाहर हो गई हैं, जिससे छठी वरीयता प्राप्त दारजा सेमेनिस्टाजा टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं। लातविया की दारजा ने फ्रांस की अमांडाइन हेसे को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। चौथी वरीयता प्राप्त अरीना रोडियोनोवा और पांचवीं वरीयता प्राप्त लौरा पिगोसी बुधवार को एकल स्पर्धा से बाहर हो गईं। युगल मुकाबलों में सहजा यमलापल्ली और वैष्णवी अदकर की भारतीय जोड़ी दूसरी वरीयता प्राप्त सबरीना सांतामारिया और डेलिला जाकुपोविच से हार गई।

पटियाला में होगी आयु वर्ग की राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप

नई दिल्ली, एजेंसी। अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप का आयोजन अब 28 फरवरी से पटियाला में होगा। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के संचालन के लिए गठित तदर्थ समिति ने गुरुवार को यह घोषणा की। पहले इस प्रतियोगिता का आयोजन 11 से 17 फरवरी के बीच ग्वालियर में होना था लेकिन कुछ राज्य संघ ने समय कम होने पर इसमें भाग लेने में असमर्थता जताई थी। इसके बाद तदर्थ समिति ने इसे स्थगित कर दिया था। तदर्थ समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह बाजवा ने कहा कि अंडर-15 और 20 वर्ग की फ्रीस्टाइल, ग्रीको रोमन और महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आयोजन अब 28 फरवरी से 5 मार्च तक पटियाला में नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान में होगा। राज्य संघों ने चैंपियनशिप की तैयारी के लिए अधिक समय देने के लिए कहा था जिसके बाद यह फैसला किया गया। बाजवा ने कहा कि इस चैंपियनशिप में 18 से 20 राज्यों के 1200 से 1400 खिलाड़ियों के भाग लेने की संभावना है।

जेनेसिस इनविटेशनल में पहला मैच खेलेंगे वुड्स

लॉस एंजिलिस, एजेंसी । टाइगर वुड्स अगले हफ्ते रिवेरा में 'जेनेसिस इनविटेशनल' में भागीदारी के साथ सत्र का आगाज करेंगे। वह इसकी मेजबानी कर रहे हैं। वह पिछले साल मास्टर्स टूर्नामेंट के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धी मुकाबले में उतरेंगे। वुड्स ने सोशल मीडिया पर लिखा कि वह 15 फरवरी से शुरू होने वाले 20 मिलियन डॉलर (1.66 अरब रुपये) पुरस्कार वाले पीजीए टूर के अगले आयोजन का 'मेजबान बनने को लेकर उत्साहित' है। रिवेरा गोल्फ कोर्स पर वुड्स ने बिना जीत दर्ज किए सबसे ज्यादा 12 मुकाबलों में भाग लिया है। वह पिछले सत्र में यहां संयुक्त 45वें स्थान पर थे। जेनेसिस इनविटेशनल में शानदार प्रदर्शन कर रहे खिलाड़ियों को भी भागीदारी का मौका मिलता है लेकिन वुड्स प्रायोजक से मिली छूट के साथ खेलेंगे।

पाकिस्तान को हराकर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया, भारत से होगी भिड़ंत

अंडर-19 विश्व कप के दूसरे सेमीफाइन में टॉम ने लिए 6 विकेट और हैरी का अर्धशतक

बेनोनी (दक्षिण अफ्रीका), एजेंसी

टॉम स्ट्रेकर के 6 विकेट और हैरी डिक्सन के अर्धशतक के दम पर आस्ट्रेलिया ने गुरुवार को सेमीफाइनल में पाकिस्तान पर एक विकेट की रोमांचक जीत हासिल कर आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया, जिसमें उसका सामना गत चैम्पियन भारत से होगा। फाइनल रविवार को इसी स्टेडियम में खेला होगा।

पाकिस्तान के खिलाड़ी तेज गेंदबाज स्ट्रेकर (24 रन देकर 6 विकेट) के आगे संघर्ष करते रहे, जिससे टीम बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद महज 179 रन ही बना सकी। अराफात मिन्हास (52 रन) और अजान अवेस (52 रन) ने अर्धशतक लगाए। वहीं आस्ट्रेलियाई टीम भी पाकिस्तानी गेंदबाजों के आगे जूझती दिखी, इसके बावजूद 49.1 ओवर में 9 विकेट पर 181 रन बनाकर मैच जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। इसमें डिक्सन (75 गेंद में 50 रन, 5 चौके) और ओलिवर पीके (75 गेंद में 49 रन, 3 चौके) की पारियां खेलीं। उधर, भारतीय टीम नौवां तो आस्ट्रेलिया अपना छठा फाइनल मैच खेलेगी। भारत ने रिकॉर्ड 5 खिताब जीते हैं जबकि आस्ट्रेलिया के नाम तीन ट्राफियां रही हैं। आस्ट्रेलिया ने 2010 में यह ट्राफी पाकिस्तान को हराकर जीती थी। आस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज डिक्सन और सैम कोन्सास (14) ने मिलकर 33 रन जोड़े लेकिन टीम ने 6.2 ओवर में 26 रन जोड़कर 4 विकेट गंवा दिए, जिससे टीम मुश्किल में थी। वहीं आस्ट्रेलिया के मध्यक्रम ने एक दो रन लेने के अलावा बीच-बीच में बाउंड्री से रन जुटाने पर ध्यान दिया। टूर्नामेंट में तीसरा अर्धशतक जड़ने वाले डिक्सन और पीके ने मिलकर पांचवें विकेट के लिए 43 रन जोड़े, लेकिन बाएं हाथ के स्पिनर मिन्हास ने डिक्सन के स्टंप उखाड़ दिए। पीके और टॉम कैम्पबेल (25 रन) ने कोई जोखिम उठाए बिना 44 रन बनाए। अराफात ने आर्म गेंद से कैम्पबेल के ऑफ स्टम्प उखाड़कर इस साझेदारी का अंत किया। 15 वर्षीय तेज गेंदबाज अली रजा ने पीके को आउट कर आस्ट्रेलिया को झटका दिया। रजा ने मांसपेशियों में खिंचाव के बावजूद गेंदबाजी की। उन्होंने अपने अंतिम ओवर में स्ट्रेकर और माहली बर्डमैन के विकेट लेकर आस्ट्रेलिया का स्कोर 9 विकेट पर 164 रन कर दिया। आस्ट्रेलिया का एक विकेट बचा था और जीत के लिए 16 रन चाहिए थे। राफ मैकमिलन (नाबाद 19 रन) और कैलम विडलर (नाबाद 3 रन) ने अंतिम ओवर में टीम को जीत दिलाई। गेंद से शानदार प्रदर्शन करने वाले पाकिस्तान ने पहले बल्ले से निराशाजनक प्रदर्शन किया। शैमिल हुसैन और शाजेब खान पहले पावरप्ले में पवेलियन लौट गए। आस्ट्रेलियाई गेंदबाज स्ट्रेकर, बर्डमैन और विडलर ने पिच से अच्छा उछाल हासिल कर पाकिस्तानी बल्लेबाजों को मुश्किल में डाला, जिससे वे पहले 10 ओवर में केवल 27 रन ही बना सके। पाकिस्तान के अवेस और मिन्हास ने छठे विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी की थी। अवेस और मिन्हास ने मैदानी शॉट तथा एक या दो रन से स्कोर को आगे बढ़ाया। दोनों ने 14 ओवर तक बल्लेबाजी की। दोनों ने खुलकर खेलने का प्रयास किया तो स्ट्रेकर ने अवेस को आउट कर दिया। पाकिस्तान की सीनियर टीम के लिए तीन टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेल चुके मिन्हास ने जल्द 58 गेंद में अर्धशतक पूरा किया, लेकिन ऑफ स्पिनर कैम्पबेल के खिलाफ शॉट लगाने की कोशिश में ओलिवर पीके को आसान कैच देकर आउट हुए।

स्कोर बोर्ड

पाकिस्तान अंडर-19 179/10 (48.5 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	4/6
शमील हुसैन कैच पीक बोल्ड स्ट्राकर	17	23	3/0
शाहजेब कैच वेइबगेन बोल्ड विडलर	04	30	0/0
अजान अवैस कैच हिक्स बोल्ड स्ट्राकर	52	91	3/0
साद बेग कैच डिक्सन बोल्ड स्ट्राकर	03	11	0/0
अहमद हसन पगबाधा मैक्मिलन	04	18	0/0
हारून अरशद बोल्ड बियर्डमैन	08	27	0/0
अराफात मिन्हास कैच पीक कैंपबेल	52	61	9/0
नवीद अहमद खान नाबाद	09	21	0/0
उबैद शाह कैच डिक्सन बोल्ड स्ट्राकर	06	05	1/0
मोहम्मद जीशान बोल्ड स्ट्राकर	04	06	1/0
अली रजा बोल्ड स्ट्राकर	00	01	0/0

अतिरिक्त: 20, विकेट पतन: 1-25, 2-27, 3-43, 4-53, 5-79, 6-133, 7-164, 8-173, 9-179, 10-179, गेंदबाजी: महली बियर्डमैन 10-0-38-1, कैलम विडलर 9-0-43-1, टॉम स्ट्राकर 9.5-1-24-6, राफ मैकमिलन 10-1-29-1, हरजस सिंह 4-0-16-0, टॉम कैंपबेल 6-0-23-1

ऑस्ट्रेलिया 181/9 (49.1 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	4/6
हैरी डिक्सन बोल्ड अराफात मिन्हास	50	75	5
सैम कोन्स्टास बोल्ड अली रजा	14	31	2/0
ह्यू वेइबगेन कैच हारुन बोल्ड नावीद	04	12	0/0
हरजस सिंह रन आउट (अराफात /बेग)	05	06	0/0
रयान हिक्स बोल्ड उबैद शाह	00	01	0/0
ओलिवर पीक स्टंप बेग बोल्ड अली रजा	49	75	3/0
टॉम कैंपबेल बोल्ड अराफात मिन्हास	25	42	2/0
राफ मैकमिलन नाबाद	19	29	2/0
टॉम स्ट्राकर स्टंप बेग बोल्ड अली रजा	03	14	0/0
महली बियर्डमैन बोल्ड अली रजा	00	03	0/0
कैलम विडलर नाबाद	02	09	0/0

अतिरिक्त: 10, विकेट पतन: 1-33, 2-43, 3-54, 4-59, 5-102, 6-146, 7-155, 8-164, 9-164, गेंदबाजी: उबैद शाह 10-0-44-1, मोहम्मद जीशान 6.1-0-40-0, नावीद अहमद खान 10-0-25-1, अली रजा 10-2-34-4, अहमद हसन 2-0-8-0, हारून अरशद 1-0-7-0, अराफात मिन्हास 10-1-20-2

चुनौतीपूर्ण होगा पेरिस ओलंपिक: पीवी सिंधु

नई दिल्ली, एजेंसी

चोटिल होने से पिछले कुछ समय से बाहर रहने के बाद अब वापसी के लिए तैयार दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का मानना है कि पेरिस ओलंपिक चुनौतीपूर्ण होगा और उन्हें स्वर्ण पदक हासिल करने के लिए अधिक होशियार होना होगा। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु पिछले कुछ समय से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। पिछले 18 महीनों में उन्हें चोटों और खराब फॉर्म से जूझना पड़ा। राष्ट्रमंडल खेल 2022 के दौरान उनके बाएं टखने में चोट लगी थी जबकि पिछले साल अक्टूबर में फ्रेंच ओपन के दौरान उनका बायां घुटना चोटिल हो गया था। सिंधु ने कहा कि इस बार ओलंपिक में अलग तरह का अनुभव मिलने वाला है क्योंकि 2016 और 2020 के ओलंपिक पूरी तरह से भिन्न थे। पेरिस ओलंपिक अधिक चुनौतीपूर्ण होगा लेकिन मैं अब अधिक अनुभवी हो गई हूं और इस बार मुझे अधिक होशियारी से खेल खेलना होगा।

यकीन है विश्व कप जीतेंगे : सहारन

बेनोनी, एजेंसी

लगातार पांचवीं बार अंडर-19 विश्व कप फाइनल में पहुंची भारतीय टीम के कप्तान उदय सहारन ने इसका श्रेय खिलाड़ियों के आपसी तालमेल को देते हुए कहा है कि फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके उनकी टीम इतिहास में नाम दर्ज कराने के लिए लालायित है। भारत का अंडर-19 विश्व कप में दबदबा इसी बात से साबित होता है कि पिछले 9 में से 7 बार टीम फाइनल में पहुंची है। हर बार किसी खिलाड़ी ने जिम्मेदारी लेकर टीम को जीत तक पहुंचाया है। सहारन ने विलोरमूर पार्क पर टीम के अभ्यास सत्र से इतर दिए इंटरव्यू में कहा कि हमारी टीम के अच्छे प्रदर्शन का राज आपसी तालमेल है। हमारी बॉडिंग इतनी अच्छी है कि ड्रेसिंग रूम का माहौल बहुत दोस्ताना है। सभी एक दूसरे पर भरोसा करते हैं और एक दूसरे की मदद को तत्पर रहते हैं। इसी से प्रदर्शन ग्राफ लगातार अच्छा रहा है। श्रीगंगानगर से निकले इस खिलाड़ी ने कहा कि बहुत गर्व की बात है कि हम लगातार पांचवीं बार फाइनल में पहुंचे हैं।

बॉलीवुड हलचल

12 जुलाई को आएगी जॉन की 'वेदा'

मुंबई, एजेंसी । बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम की आने वाली फिल्म वेदा 12 जुलाई को रिलीज होगी। जॉन अब्राहम ने इंस्टाग्राम पर फिल्म वेदा के दो पोस्टर रिलीज किए हैं, जिसमें से पहली तस्वीर में जॉन गन और बंदूक लिए खड़े दिख रहे हैं. लेकिन चेहरा नजर नहीं आ रहा है, वहीं दूसरे पोस्टर में फिल्म के नाम के साथ जॉन अब्राहम और श्रावरी नजर आ रही हैं। निर्देशक निखिल आडवाणी ने बताया, 'वेदा' सिर्फ एक फिल्म नहीं है। यह रियल लाइफ स्टोरी से प्रेरित है और हमारे समाज का आईना भी है। जॉन, शरवरी और अभिषेक बनर्जी के साथ काम करना एक शानदार अनुभव बताया। उन्होंने कहा- मुझे आखिरकार रिलीज की तारीख की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। जी स्टूडियोज, एम्मे एंटरटेनमेंट और जेए एंटरटेनमेंट द्वारा प्रोड्यूस और निखिल आडवाणी द्वारा निर्देशित, असीम अरोड़ा द्वारा लिखित, 'वेदा' 12 जुलाई, 2024 को रिलीज होगी।

पवन सिंह की फिल्म जियो मेरी जान का मोशन पोस्टर रिलीज

मुंबई, एजेंसी। भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह की आने वाली फिल्म जियो मेरी जान का मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है। जेपी स्टार पिक्चर्स प्रस्तुत फिल्म जियो मेरी जान के मोशन पोस्टर को जेपी स्टार भोजपुरी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल से रिलीज भी किया गया है। मोशन पोस्टर के अंत में पवन सिंह का लुक भी आउट होता है, जिसमें उनके चेहरे पर कट्स और माथे पर खून लगा हुआ नजर आ रहा है। मोशन पोस्टर जारी होने के बाद फिल्म को लेकर पवन सिंह ने कहा कि यह फिल्म बेहद धमाकेदार होने वाली है। हमने इस फिल्म में शानदार काम किया है, लेकिन अंतिम फैसला दर्शकों का होगा। फिर भी हम इस बात का दावा करते हैं कि इस फिल्म में जो एक्शन देखने को मिलेगा।

'झलक दिखला जा' में शाहिद ने की अद्रिजा की तारीफ

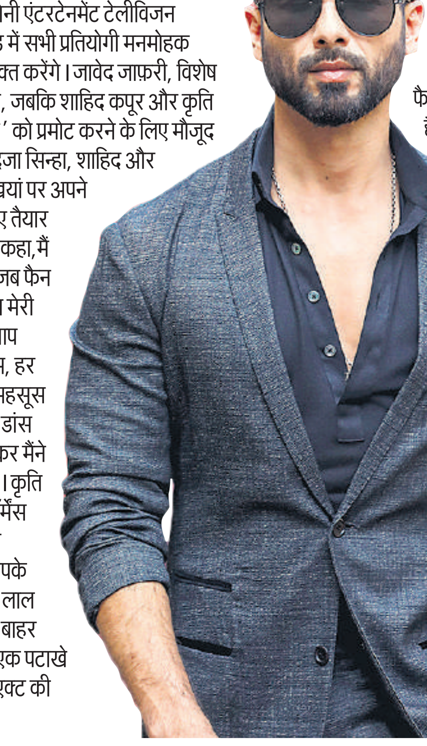

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर ने झलक दिखला जा के मंच पर अद्रिजा सिन्हा की तारीफ की है। इस वीकेंड, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर झलक दिखला जा के 'लव स्पेशल' एपिसोड में सभी प्रतियोगी मनमोहक परफॉर्मेंस के जरिए प्यार की अपनी परिभाषा व्यक्त करेंगे। जावेद जाफ़री, विशेष अतिथि के रूप में इस एपिसोड की शोभा बढ़ाएंगे, जबकि शाहिद कपूर और कृति सैनन भी फिल्म, 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' को प्रमोट करने के लिए मौजूद होंगे। कोरियोग्राफर आकाश थापा के साथ, अद्रिजा सिन्हा, शाहिद और कृति की आगामी फिल्म के गीत लाल पीली अंखियां पर अपने प्रदर्शन के साथ एक बार फिर जादू जगाने के लिए तैयार हैं। शाहिद कपूर ने अद्रिजा की तारीफ करते हुए कहा, मैं केवल इतना कह सकता हूं कि आज वह दिन है जब फैन एक्ट से बेहतर डांस करता है; पूरे एक्ट के दौरान मेरी नजरें अद्रिजा से हट ही नहीं रही थीं। अद्रिजा, आप इसके मालिक हैं। आपकी हर धड़कन, हर कदम, हर अभिव्यक्ति, मैं आपके भीतर से फूटते डांस को महसूस कर सकता हूं। आपमें अपार प्रतिभा है और आप डांस फ्लोर के लिए ही पैदा हुए हैं। आज आपको देखकर मैंने बहुत कुछ सीखा है, इसके लिए आपका शुक्रिया। कृति सैनन ने कहा, यह अविश्वसनीय था, क्या परफॉर्मेंस है! मुझे इसका हर पल बेहद पसंद आया। आपने जिस तरह से डांस किया, आपकी ऊर्जा और आपके चेहरे के भाव अद्भुत थे। मैं सचमुच एक फैन हूं। 'लाल पीली अंखिया' में, एक पल में, आप अपनी जीभ बाहर निकालकर चंचल थीं, और अगले ही पल, आप एक पटाखे की तरह थीं। मैं इस गाने पर कभी इस तरह के एक्ट की कल्पना भी नहीं कर सकती थी।

सोनम कपूर बनीं ब्लेंडर्स प्राइड ग्लासवेयर फैशन नेक्स्ट का शो स्टॉपर

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्लेंडर्स प्राइड ग्लासवेयर फैशन नेक्स्ट के पहले संस्करण में फैशन डिज़ाइनर रिमझिम दादू ने युवा दिल की आज़ादी को अपनाने की ओर समर्पित चयनशील कैप्सूल कलेक्शन को प्रदर्शित किया, जिसका शो स्टॉपर अभिनेत्री सोनम कूपर रहीं। वैश्विक फैशन और लाइफस्टाइल ट्रेंड्स के प्रभावों को प्रस्तुत करते हुए, फैशन नेक्स्ट को तीन अनूठी थीम्स पर क्यूरेट किया गया है जो उभरते फैशन के शीर्ष पर हैं: हॉलिडे वियर में लक्ज़री फैशन के प्रभाव का प्रतिनिधित्व करने वाला, वांडरलक्स; हाई फैशन में ग्लैमर की आधुनिक व्याख्या का प्रतिनिधित्व करने वाला, ग्लॉस ऐंड ग्लैम; और भविष्यवाद से प्रेरित फैशन का प्रतिनिधित्व करने वाला, इंटरग्लैमैटिक। अपने शोकेस में इन तीन थीम्स को बुनते हुए, फैशन डिज़ाइनर रिमझिम दादू ने ऐसा कलेक्शन पेश किया, जो ग्लैमर के साथ फ्यूचरिस्टिक फैशन के सार को जोड़ता है। इसकी पहचान दादू की नवीन टेक्सटाइल और तकनीकें हैं। स्कल्प्टेड मैटेलिक कॉर्ड्स और मेश को फ्यूचरिस्टिक फैब्रिक में ट्रांसफॉर्म किया गया हैं, जो उनके कल के दृष्टिकोण को स्पष्ट करता है।

खुशी कक्कर और लवली काजल का लोकगीत 'ससुरा में राज करी बनके रानी' हुआ रिलीज

मुंबई, एजेंसी। गायिका खुशी कक्कर और अभिनेत्री लवली काजल का भोजपुरी लोकगीत 'ससुरा में राज करी बनके रानी' रिलीज हो गया है। भोजपुरी लोकगीत 'ससुरा में राज करी बनके रानी' की, वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है, जिसके वीडियो में लवली काजल नाचते और ठुमका लगाते हुए खूब अपनी बड़ाई कर रही है। इसको खुशी कक्कड़ ने गाया है। गाने के वीडियो में लवली ठुमका लगाते हुए कहती है कि... 'हमर बलमुआ हवें हो इकलौता, दादा दादी के दुलारा हवे पोता, नाही देवरानी न घर मे जेठानी, करी ससुरा में राज हम बनके रानी..' वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स प्रस्तुत भोजपुरी लोकगीत 'ससुरा में राज करी बनके रानी' निर्माता रत्नाकर कुमार है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शंभू दयाल वाजपेयी द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 14/76-एल सिविल लाइन्स, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- amritvicharkanpur@gmail.com (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

यूसीसी... कितना नफा कितना नुकसान

दशकों से, भारत में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की अवधारणा गरमागरम बहस और चर्चा का विषय रही है। यूसीसी के पीछे मूल विचार विवाह, तलाक, विरासत और गोद लेने जैसे व्यक्तिगत मामलों को नियंत्रित करने वाले कानूनों का एक सेट स्थापित करना है, जो सभी नागरिकों पर उनकी धार्मिक संबद्धता की परवाह किए बिना लागू हो। हालांकि, भारत के विविध धार्मिक परिदृश्य को देखते हुए, इस तरह के कोड को लागू करने की राह जटिलताओं और संवेदनशीलता से भरी हुई हैं। आइए जानते हैं यूसीसी लागू करने पर कितना नफा और कितना नुकसान होगा।

समान नागरिक संहिता पर क्या कहता है भारतीय संविधान

भारत का संविधान, अनुच्छेद 44 के तहत, निर्देशक सिद्धांत को स्थापित करता है कि राज्य अपने नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता को सुरक्षित करने का प्रयास करेगा। फिर भी, मुद्दे की जटिल प्रकृति को देखते हुए, यूसीसी को अधिनियमित करने का निर्णय सरकार पर छोड़ दिया गया। वर्षों से कई चर्चाओं के बावजूद, एक के बाद एक सरकारें अपनी विवादास्पद और राजनीतिक रूप से संवेदनशील प्रकृति के कारण यूसीसी को लागू करने की चुनौती से जूझ रही हैं।

भारत में विभिन्न नागरिक संहिताएं

भारत में, जीवन के विभिन्न पहलुओं को नियंत्रित करने वाले व्यक्तिगत कानून धार्मिक ग्रंथों और रीति-रिवाजों में गहराई से निहित हैं, जिसके परिणामस्वरूप विभिन्न धार्मिक समुदायों के लिए अलग-अलग नागरिक कोड बने हैं।

हिंदू विवाह अधिनियम

हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 और हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 जैसे अधिनियमों द्वारा शासित, हिंदू व्यक्तिगत कानून प्राचीन धार्मिक ग्रंथों और रीति-रिवाजों से निकले हैं। ये कानून हिंदू महिलाओं के लिए समान विरासत अधिकार सुनिश्चित करते हैं, जो लैंगिक समानता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुस्लिम पर्सनल लॉ

भारत में मुसलमान शरिया सिद्धांतों पर आधारित मुस्लिम पर्सनल लॉ का पालन करते हैं। मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) एप्लीकेशन एक्ट, 1937, मुसलमानों के बीच विवाह, तलाक, विरासत और रखरखाव जैसे मामलों को नियंत्रित करता है।

अन्य समुदाय

ईसाई, पारसी और यहूदी 1925 के भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम द्वारा शासित होते हैं, जिनमें से प्रत्येक के विवाह, विरासत और संबंधित मामलों से संबंधित अपने प्रावधान हैं।

यूसीसी से जुड़े विवाद

समान नागरिक संहिता पर बहस बहुआयामी है, जो भारत की धार्मिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक विविधता को दर्शाती है।

धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता

आलोचकों का तर्क है कि यूसीसी एक समान संहिता के साथ व्यक्तिगत धार्मिक कानूनों को प्रतिस्थापित करके भारत की समृद्ध धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता को कमजोर कर सकता है। उन्हें डर है कि यह धार्मिक स्वतंत्रता पर आघात कर सकता है और देश के सांस्कृतिक ताने-बाने को नष्ट कर सकता है।

अल्पसंख्यक अधिकारों का संरक्षण

विरोधी अल्पसंख्यक समुदायों पर प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करते हैं, जिनके व्यक्तिगत कानून उनकी धार्मिक पहचान का अभिन्न अंग हैं। उन्हें चिंता है कि यूसीसी उनके अधिकारों और सांस्कृतिक स्वायत्तता को कमजोर कर सकता है, जो भारत जैसे बहुलवादी समाज में आवश्यक है।

राजनीतिक विचार

यूसीसी अक्सर राजनीतिक पैंतरेबाजी का एक उपकरण बन जाता है, पार्टियां इसका उपयोग अपने मतदाता आधार को आकर्षित करने के लिए करती हैं। हालांकि इसकी खूबियों और कमियों पर वास्तविक चर्चा अक्सर राजनीतिक गणनाओं में पीछे रह जाती है।

लैंगिक समानता और महिलाओं के अधिकार

समर्थकों का तर्क है कि यूसीसी कुछ व्यक्तिगत कानूनों में भेदभावपूर्ण प्रथाओं को समाप्त करके लैंगिक समानता को बढ़ावा देगा। हालांकि विरोधियों का मानना है कि धार्मिक स्वतंत्रता से समझौता किए बिना मौजूदा ढांचे के भीतर लैंगिक न्याय हासिल किया जा सकता है।

एक नजर

श्रीलंकाई नौसेना ने 19 भारतीय मछुआरों को किया गिरफ्तार

कोलंबो। श्रीलंका ने उत्तरी जाफना प्रांत में डेफ्ट द्वीप के पास अपने जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में 19 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर उनकी दो नौकाओं को जब्त कर लिया है। श्रीलंका की नौसेना ने बताया है कि, यह एक महीने के भीतर इस तरह की दूसरी घटना है। श्रीलंका की नौसेना ने एक बयान में कहा कि उसने तटरक्षक बल के साथ एक अभियान में बुधवार को श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ रहे 19 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार करने के साथ-साथ उनकी दो नौकाओं को भी जब्त कर लिया। पकड़े गए मछुआरों और उनकी दो नौकाओं को कांकेसंथुराई बंदरगाह ले जाया गया।

आइसलैंड में ज्वालामुखी विस्फोट

ग्रिंडाविक (आइसलैंड)। दक्षिण-पश्चिमी आइसलैंड में दिसंबर के बाद से तीसरी बार फटा ज्वालामुखी, जिससे आकाश में धुएं का गुबार छा गया। द्वीपीय राष्ट्र के सबसे बड़े पर्यटक केंद्रों में से एक ब्लू लैगून स्पा को खाली कराना पड़ा। आइसलैंड के मौसम विज्ञान कार्यालय ने कहा कि विस्फोट माउंट सुंधनुकुर के उत्तर-पूर्व में तीन किलोमीटर दरार आने के साथ शुरू हुआ। ज्वालामुखी फटने की यह घटना 3,800 लोगों की आबादी वाले तटीय शहर ग्रिंडाविक से लगभग चार किलोमीटर उत्तर-पूर्व में हो रही है, जिसे 18 दिसंबर को पिछले विस्फोट से पहले खाली करा लिया गया था।

अमेरिकी सेना के हमले में हिजबुल्लाह का कमांडर ढेर

वाशिंगटन । इराक में अमेरिका की सेना के हमले में कताइब हिजबुल्लाह के एक कमांडर की मौत हो गई। अमेरिकी राष्ट्रपति प्रशासन ने गुरुवार को बताया कि अमेरिकी बलों ने गुरुवार देर रात हमला किया, जिसमें बगदाद के कताइब हिजबुल्लाह कमांडर को मारा गया। यह कमांडर क्षेत्र में अमेरिकी सेनाओं पर हमलों की सीधे योजना बनाने और उनमें शामिल होने के लिये जिम्मेदार था। इस हमले में कोई आकस्मिक क्षति या नागरिक हताहत नहीं हुआ ।अमेरिका अपने लोगों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कार्रवाई करना जारी रखेगा।" गौरतलब है कि यह हमला 28 जनवरी को जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर ड्रोन हमले के खिलाफ जारी अमेरिकी जवाबी कार्रवाई का हिस्सा था।

अमेरिका में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त पांच नौसैनिकों की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक हेलीकॉप्टर हादसे में पांच नौसैनिकों की मौत हो गयी है। यूएस मरीन कॉर्प्स ने गुरुवार को पुष्टि की कि मंगलवार को कैलिफोर्निया में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में पांच नौसैनिकों की मौत हो गई। मरीन कॉर्प्स की ओर जारी बयान में कहा गया है, छह फरवरी को सीएच-53ई हेलीकॉप्टर दुर्घटना के बाद तीसरी मरीन एयरक्राफ्ट विंग के मरीन एयरक्राफ्ट ग्रुप 16 के मरीन हेवी हेलीकॉप्टर स्क्वाड्रन 361 के पांच नौसैनिकों की मौत हुई है। बता दें, प्रशिक्षण उड़ान के दौरान यह घटना घटी हैं। दुर्घटना की जांच चल रही है।

पाकिस्तान में आतंकी घटनाओं के बीच हुआ मतदान, मोबाइल सेवाएं रहीं ठप

हाइब्रिड सरकार के आसार, सेना के हाथ में होगी नए पीएम की कमान

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान में छिटपुट हिंसा के बीच आम चुनाव के लिए गुरुवार शाम मतदान पूरा हो गया और मतगणना शुरू हो गई, शुक्रवार दोपहर तक ज्यादातर परिणाम आने की उम्मीद है।

चुनाव सर्वे में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) को आगे माना जा रहा है। नवाज को सेना का समर्थन भी माना जा रहा है। बता दें, नवाज की पार्टी पीएमएलएन के नेतृत्व वाली हाइब्रिड सरकार बनने के आसार हैं। हाइब्रिड इसलिए क्योंकि पहले सरकारें सत्ता में आने के बाद सेना से समझौता करती थीं, लेकिन इस बार चुनाव से पहले की सेना और राजनीतिक दलों का गठजोड़ हो गया है। मतदान के बाद मतगणना स्थलों पर ही उम्मीदवारों के एजेंटों के समक्ष मतपेटियों की सील तोड़कर मतगणना शुरू कर दी गई। मतगणना संचालित कराने वाले पीठासीन अधिकारी ही रिटर्निंग ऑफिसर के जरिये चुनाव प्रबंधन व्यवस्था को सूचित करेंगे और परिणाम की घोषणा करेंगे। चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से पूरा कराने के लिए मतगणना स्थलों के आसपास छह लाख सुरक्षाकर्मी मौजूद रहे।

मतगणना स्थलों के आसपास मौजूद रहे सुरक्षाकर्मी दूसरी तरफ मतदान करते पूर्व पीएम नवाज शरीफ।

चार पुलिसकर्मियों की मौत, 2 अन्य घायल

आतंकवादियों ने गुरुवार दोपहर को आम चुनाव के बीच खैबर पख्तूनख्वा के डेरा इस्माइल खान जिले के कुलाची में एक पुलिस मोबाइल वैन को निशाना बनाया। आतंकवादियों ने पहले यहां आईईडी ब्लास्ट किया और उसके बाद अंधाधुंध गोलियां बरसाईं, जिससे चारों ओर चीख-पुकार मच गई। खैबर पख्तूनख्वा में हुए इस आतंकी हमले में चार सुरक्षाकर्मियों की जान चली गई और 2 अन्य घायल हो गए। गृह मंत्रालय ने सुरक्षा कारणों के चलते चुनाव के दिन पूरे पाकिस्तान में मोबाइल सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया। कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा उपाय आवश्यक है।

सरकार का तख्तापलट और सेना का दखल

पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार का तख्तापलट आम बात है, लेकिन इस बार चुनाव प्रक्रिया में भी सेना का दखल जारी है। सेना नवाज शरीफ को चौथी बार पीएम बनाना चाहती है लेकिन उन्हीं नवाज की सरकार का जनरल परवेज मुशर्रफ से तख्तापलट किया था। सेना, राष्ट्रपति और कोर्ट का दखल इतना है कि 1988 के बाद पाक में कोई भी निर्वाचित पीएम अपना 5 साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया।

निर्वाचित पीएम	कार्यकाल	सरकार क्यों गई
बेनजीर भुट्टो	1988-1990	राष्ट्रपति द्वारा सरकार भंग
नवाज शरीफ	1990-1993	इस्तीफा देना पड़ा
बेनजीर भुट्टो	1993 से 1996	राष्ट्रपति द्वारा बर्खास्त
नवाज शरीफ	1996 से 1999	मुशर्रफ द्वारा तख्तापलट
1999 से 2008 तक सैन्य तानाशाह सरकार के पीएम रहे		
युसुफ रजा गिलानी	2008 से 2012	सुप्रीम कोर्ट द्वारा अयोग्य
नवाज शरीफ	2013 से 2017	सुप्रीम कोर्ट द्वारा अयोग्य
इमरान खान	2018 से 2022	अविश्वास प्रस्ताव

पेस सैटेलाइट लॉन्च मौसम का पूर्वानुमान लगाने में मिलेगी मदद

केप केनवेरल। गर्म होती धरती के महासागरों और वायुमंडल का अंतरिक्ष से विस्तृत सर्वेक्षण करने के लिए अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का जलवायु उपग्रह स्पेसएक्स के फॉल्कन राकेट से गुरुवार को रवाना हो गया। इस मिशन के तहत अंतरिक्ष से धरती पर मौजूद महासागरों, झीलों और नदियों का सर्वेक्षण किया जाएगा। मिशन का नाम प्लैंकटन, एरोसोल, क्लाउड, ओशन इकोसिस्टम (पेस) है। विज्ञानियों को उम्मीद है कि एक या दो महीने में डाटा मिलना शुरू हो जाएगा।

जेलों में गर्भवती हो रहीं महिला कैदी, हाईकोर्ट में याचिका दायर

कोलकाता, एजेंसी। कलकत्ता उच्च न्यायालय में गुरुवार को एक जनहित याचिका दायर (पीआईएल) की गई। जिसमें जानकारी दी गई कि राज्य की जेलों में महिला कैदी गर्भवती हो रही हैं। याचिका में कहा गया है कि, सजा काटने के दौरान महिला कैदी गर्भवती हो रहीं हैं।

यह जानकारी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति टीएस शिवगनामन और न्यायमूर्ति सुप्रतिम भट्टाचार्य की पीठ के सामने लाई गई। याचिका में अदालत से सुधार गृहों के पुरुष कर्मचारियों के उन बाड़ो में काम करने पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया, जहां महिला कैदियों को रखा जाता है। इसमें कहा गया कि यह एक बहुत ही गंभीर मामला है। न्याय मित्र ने अदालत को बताया कि जेलों में अब तक कम से कम 196 शिशुओं ने जन्म लिया है। यह मामला जेल के अंदर बंद महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ा है। उन्होंने अदालत से आग्रह किया कि सुधार गृहों के पुरुष कर्मचारियों का उन बाड़ों में प्रवेश पूरी तरह रोका जाए, जहां महिला कैदियों को रखा जाता है। मुख्य न्यायाधीश शिवगनामन ने इस मामले में एक आदेश पारित किया और कहा, हमारे संज्ञान में लाया गया यह मुद्दा बहुत गंभीर है। हम इन सभी मामलों को आपराधिक मामलों की सुनवाई करने वाली पीठ को स्थानांतरित (ट्रांसफर) करना उचित समझते हैं।

मोदी को आगामी चुनाव में मिलेगा विदेश से भी समर्थन

वाशिगटन, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरा टर्म दिलाने के लिए देश ही नहीं विदेशों से भी अभियान चलाए जाने की तैयारी है। इसके लिए ओवरसीज फ्रेंड्स आफ बीजेपी ने कई योजनाएं बनाई हैं। इसमें देशभर में 25 लाख लोगों को फोन कर प्रधानमंत्री को एक बार फिर से जिताने के वोट देने की अपील की जाएगी।

साथ ही तीन हजार भारतवंशियों का प्रतिनिधिमंडल भारत भेजा जाएगा। यह देशभर में कई स्थानों पर भाजपा और उनके उम्मीदवारों के समर्थन में कैंपेन चलाएंगे।

देशभर में होगी 25 लाख लोगों को फोन कर वोट देने की अपील

काल करने और विभिन्न राज्यों और भाषाओं के अनुसार रणनीति विकसित करने में मदद करने के लिए पूरे अमेरिका में दो दर्जन से अधिक टीमें भी बनाई गई हैं। संस्था की ओर से कहा गया है कि इसके लिए दिसंबर से तैयारियां जारी हैं।

ओएफबीजेपी यूएसए के अध्यक्ष अदापा प्रसाद ने बताया कि फरवरी में हम पूरे अमेरिका में एक कार्यक्रम शुरू कर रहे हैं। हम न केवल ओवरसीज फ्रेंड्स आफ बीजेपी के समर्थकों और स्वयंसेवकों को इकट्ठा करने की कोशिश कर रहे हैं, बल्कि आम समुदाय, समुदाय के नेताओं और उन्हें इकट्ठा करने की कोशिश कर रहे हैं।

भारतवंशी वरुण श्रीमद् भगवद्गीता पर शपथ लेने वाले पहले सीनेटर बने

मेलबर्न, एजेंसी। भारतीय मूल के बैरिस्टर वरुण घोष, प्रतिष्ठित हिंदू धर्मग्रंथ भगवद गीता पर पद की शपथ लेने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई सीनेटर बन गए हैं।

लेबर पार्टी के 38 वर्षीय घोष ने मंगलवार को पार्टी की सीनेट सीट भरी, जो पिछले महीने स्वास्थ्य कारणों से पैट्रिक डोडसन की सेवानिवृत्ति के बाद खाली हो गई थी। ऑस्ट्रेलियाई विदेश मामलों के मंत्री और दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के सीनेटर पेनी वोंग ने एक्स पर कहा, पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के हमारे नवीनतम सीनेटर वरुण घोष का स्वागत है। सीनेटर घोष श्रीमद् भगवद्गीता पर शपथ लेने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई सीनेटर हैं। उन्होंने मंगलवार को कहा, मैंने अक्सर कहा है कि जब आप किसी चीज में प्रथम होते हैं, तो आपको यह सुनिश्चित करना होता है कि आप आखिरी नहीं हों। घोष 1980 के दशक में अपने माता-पिता के भारत से चले जाने और डॉक्टर के रूप में काम करने के बाद 17 साल की उम्र में पर्थ में लेबर पार्टी में शामिल हो गए थे।

यूक्रेन में सैन्य कार्रवाई का विरोध करने पर चुनाव लड़ने से रोका

मॉस्को। रूस के मुख्य चुनाव प्राधिकरण ने गुरुवार को यूक्रेन में मॉस्को की सैन्य कार्रवाई का विरोध करने वाले एक राजनेता को आगामी राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। मॉस्को के पास एक कस्बे के स्थानीय विधायक बोरिस नादेजदीन को कानून के अनुसार उम्मीदवारी के समर्थन में कम से कम 100,000 हस्ताक्षर इकट्ठा करने की आवश्यकता थी। केंद्रीय चुनाव आयोग ने नादेजदीन के अभियान द्वारा प्रस्तुत 9,000 से अधिक हस्ताक्षरों को अमान्य घोषित कर दिया।

विवि में भारतीय छात्र ने की थी आत्महत्याः अमेरिकी अधिकारी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। इंडियाना राज्य में स्थित प्रतिष्ठित पर्ड्यू विश्वविद्यालय में डॉक्टरेट की पढ़ाई कर रहा एक भारतीय छात्र इस हफ्ते मृत पाया गया था। इस मामले में अधिकारियों ने बताया कि छात्र ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या की है। उसके सिर में गोली लगी है। मीडिया अनुसार, समीर कामथ को पांच फरवरी की शाम को मृत पाया गया था।

उनका शव विश्वविद्यालय के क्रो ग्रोव में मिला था, जो एक प्रकृति संरक्षित क्षेत्र है। वॉरेन काउंटी के कोरोनर जस्टिन ब्रुमेट ने बुधवार को बताया था कि इंडियाना के क्रॉफड्र्सविले में छह फरवरी को कामथ का फोरेंसिक पोस्टमार्टम किया गया था। ब्रुमेट के कार्यालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि कामथ की मौत सिर में गोली लगने की वजह से हुई है। यह आत्महत्या का मामला है। उसने खुद को गोली मारी है। हालांकि, एक रिपोर्ट इस मामले में अभी और सामने आनी है।

हिमस्खलन...

जम्मू-कश्मीर : श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर साराबल गांदरबल में बेहद बड़ा हिमस्खलन हुआ है। इसमें किसी प्रकार का जान माल का नुकसान होने की सूचना नहीं है। जानकारी के मुताबिक ये हिमस्खलन निर्माणाधीन जोजिला सुरंग से कुछ ही दूरी पर हुआ है। बता दें, कश्मीर घाटी के ऊंचाई वाले इलाकों में हिमस्खलन की चेतावनी जारी की है। 24 घंटे तक खतरे वाले इलाकों में नहीं जाने को कहा गया है। ● एजेंसी

विज्ञान पृथ्वी के वातावरण में टकराने के दौरान व्यवहार का पता देगी घटना, 21 जनवरी को गिरा था क्षुद्रग्रह

जर्मनी में गिरा क्षुद्रग्रह, पृथ्वी से संबंधित मिलेगी जानकारी

नैनीताल कार्यालय

अमृत विचारः जर्मनी में गिरा क्षुद्रग्रह पृथ्वी के उत्पत्ति में प्रकाश डालने में मददगार साबित हो सकता है। यह क्षुद्रग्रह 21 जनवरी को गिरा था। इस घटना से क्षुद्रग्रह के पृथ्वी के वातावरण में टकराने के दौरान व्यवहार संबंधित कई नई जानकारियां मिल सकती है।

इस क्षुद्रग्रह को दुर्लभ अंतरिक्ष चट्टान माना जा रहा है। घटना के पांच दिन बाद यह क्षुद्रग्रह बरामद किया गया था। क्षुद्रग्रह का नाम 2024 बीएक्स1 है। वैज्ञानिकों द्वारा जांच करने के बाद पता चला कि चट्टान का यह टुकड़ा ऑब्राइट नामक दुर्लभ श्रेणी का है। इस तरह के टुकड़े सौर मंडल के पुराने दुर्लभ उल्कापिंड होने की पुष्टि करते हैं। अमेरिकी संस्था सेटी इंस्टीट्यूट के उल्का खगोलशास्त्री पीटर जेनिस्केंस व उनकी टीम ने इस घटना का अध्ययन किया और पाया कि यह वास्तव में पूर्व में पृथ्वी पर गिरे चट्टानों की पुष्टि करता है।

इस तरह के उल्कापिंड गिरने के केवल 11 उदाहरण अभी तक पाए गए हैं। खास बात यह है कि दुर्लभ क्षुद्रग्रह के नमूने एक ऐसे परिवार से हैं जो हमारे सौर मंडल के ज्ञात उल्कापिंडों का केवल 1 प्रतिशत है। 2024 बीएक्स1 के ऑब्राइट उल्कापिंड अन्य उल्कापिंडों से भिन्न हैं। क्योंकि उनमें काले कांच की मोटी परत के बजाय पारभासी कांच की परत है और उनका रंग ग्रे ग्रेनाइट जैसा है। इस घटना का दिलचस्प पहलु यह है कि इसकी कक्षा को समझ चुके है। जिससे पता चलता है कि इस उल्कापिंड का स्रोत क्षेत्र कहां था। वे संभवतः मंगल और बृहस्पति के बीच क्षुद्रग्रह बेल्ट के अंदरूनी हिस्से से आया था। यह एक ऐसी जगह है जहां संभवतः बहुत सारा मलबा है, एक टक्कर से बहुत सारे छोटे-छोटे टुकड़े बने जिन्हें क्षुद्रग्रह परिवार कहा जाता है।

जर्मनी में गिरे क्षुद्रग्रह की तस्वीर।

उल्कापिंड पृथ्वी के अतीत और भविष्य की कुंजी

2024 बीएक्स1 जैसे मुख्य बेल्ट क्षुद्रग्रहों का निर्माण सौर मंडल के ग्रहों के निर्माण के दौरान लगभग 4.5 अरब साल पहले हुआ था। तब सूर्य के आसपास की सामग्री से जो ग्रहों के निर्माण के दौरान नष्ट नहीं हुई थी। क्षुद्रग्रह 2024 बीएक्स1 के अवशेषों का अध्ययन न केवल पृथ्वी के अतीत को समझने में बल्कि मानवता के भविष्य की सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण हो सकता है।

भारत और फ्रांस की नौसेना के बीच समुद्री सुरक्षा पर चर्चा

नई दिल्ली। भारत और फ्रांस की नौसेना के बीच नई दिल्ली में 17वीं स्टाफ वार्ता आयोजित की गई। बैठक में दोनों देशों की नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने शिरकत की। इस दौरान परिचालन, प्रशिक्षण और सूचना का आदान-प्रदान समेत वर्तमान में नौसेना के सामने आ रही समस्याओं पर चर्चा की गई। गौरतलब है कि 17वीं भारत-फ्रांस नौसेना स्टाफ वार्ता छह से सात फरवरी तक दिल्ली में आयोजित की गई थी।

भारतीय नौसेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए कहा कि दोनों देशों की नौसेना के बीच समुद्री क्षेत्र के अपने अनुभवों को साझा किया। साथ ही कहा कि समुद्री क्षेत्र के खतरों पर भी वार्ता में चर्चा की गई। इस दौरान परिचालन, प्रशिक्षण समेत सहयोग के तरीकों पर बातचीत हुई। समुद्री क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की।

भारत को अमेरिका के नेतृत्व पर भरोसा नहीं, रूस के करीब

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में काफी कम समय रह गया है, जिसके कारण राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की उम्मीदवार बनने की रेस में शामिल निक्की हेली ने बाइडन का नाम लिए बिना तंज कसा है।

निक्की हेली ने कहा कि भारत अमेरिका के साथ भागीदार बनना चाहता है, लेकिन अभी उन्हें अमेरिकियों के नेतृत्व पर भरोसा नहीं है। भारतीय-अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की रेस में शामिल निक्की ने यह भी कहा कि नई दिल्ली ने मौजूदा वैश्विक स्थिति में चतुराई से खेला है और रूस के साथ करीब रहा है। मीडिया को दिए साक्षात्कार में 51 साल की हेली ने कहा कि फिलहाल भारत अमेरिका को कमजोर मानता है। उन्होंने कहा कि मैंने भारत के साथ भी डील की है। मैंने मोदी से बात की है। भारत हमारे साथ पार्टनर बनना चाहता है और वो रूस के साथ पार्टनर नहीं बनना चाहता। निक्की हेली ने कहा कि समस्या यह है कि भारत को हमारे नेतृत्व पर भरोसा नहीं है। वे अभी देख रहे हैं कि हम कमजोर हैं। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा चतुराई से खेला है और वे तभी रूस के साथ करीबी रूप से टिके हुए हैं, क्योंकि यहीं से उन्हें अपने बहुत सारे सैन्य उपकरण मिलते हैं। रिपब्लिकन नेता ने फॉक्स बिजनेस न्यूज से कहा कि भारत ने चीन पर कम निर्भर होने के लिए खुद को एक अरब डॉलर का प्रोत्साहन दिया।

निक्की बोलीं अमेरिका का भागीदार बनना चाहता है भारत लेकिन बाइडन पर भरोसा नहीं

नक्सलियों के साथ पुलिस की मुठभेड़ विस्फोटक सामग्री जब्त

मुंबई। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में नक्सलियों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के बाद क्षेत्र की तलाशी ली गई, जहां से विस्फोटक सामग्री, डेटोनेटर और अन्य सामान बरामद किया गया।

गढ़चिरौली के पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने बताया कि बुधवार देर रात को खुफिया जानकारी मिली थी कि कांकेर-नारायणपुर-गढ़चिरौली तिराहे पर वांगेतुरी से सात किलोमीटर पूर्व हिदुर गांव में सशस्त्र नक्सली डेरा डाले हुए हैं। सूचना पर गढ़चिरौली पुलिस की विशेष लड़ाकू इकाई सी-60 यूनिट के जवानों की एक टीम को इलाके में तलाशी के लिए भेजा गया। तलाशी में नक्सलियों ने जवानों पर गोलीबारी की। इस पर पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद नक्सली घने जंगल और अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। विस्फोटक सामग्री, आईईडी बरामद किए गए हैं।